वर्ष-07 - अंक 291
पृष्ठ-12 मूल्य : 03 रुपया

लखनऊ
मंगलवार,28 जुलाई 2026

RNI.No. UPHIN/2019/79073

केंद्रीय सुचना एवं प्रसारण मंत्रालय भारत सरकार CBC (DAVP) द्वारा जारी दर पर विज्ञापनों के लिए मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय हिंदी दैनिक अख़बार

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

स्वतंत्र प्रभात

swatantraprabhat.com

epaper.swatantraprabhat.com

जो लिखेगा, वही टिकेगा

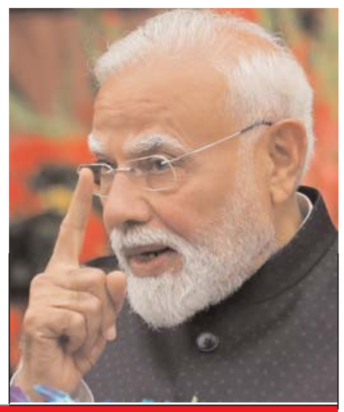

लखनऊ से प्रकाशित एंव अयोध्या ,प्रयागराज ,मिर्जापुर ,गोरखपुर , बरेली ,बुंदेलखंड , उत्तराखंड , देहरादून गाज़ियाबाद , दिल्ली ,पंजाब , हरियाणा ,चंडीगढ़ , झारखण्ड , बिहार , मध्य प्रदेश ,असम, तेलंगाना आदि जनपदो में प्रसारित

बीजेएसपी ने डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम की 11वीं पुण्यतिथि.......... 3
प्रदेश में स्थापित ऊर्जा वन हरित भविष्य, ऊर्जा सुरक्षा और पर्यावरण....... 4
26 बीघे की अवैध प्लाटिंग पर पीडीए का बुलडोजर......................... 11

पेपर लीक विधेयक पर सत्ता-विपक्ष आमने-सामने, आज होगी बहस

लोकसभा अध्यक्ष की पहल से सत्ता पक्ष-विपक्ष में बनी सहमति

नई दिल्ली(एजेंसी)। संसद के मानसून सत्र में पेपर लीक के मुद्दे पर कई दिनों से जारी सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच गतिरोध मंगलवार को समाप्त होने के संकेत मिले हैं। संसदीय सूत्रों के अनुसार, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला की पहल और विभिन्न दलों के नेताओं के साथ लगातार हुई बातचीत के बाद सार्वजनिक परीक्षा (अनुचित साधनों की रोकथाम) संशोधन विधेयक, 2026 पर विस्तृत चर्चा कराने पर सहमति बन गई है। संभावना है कि मंगलवार को लोकसभा में इस महत्वपूर्ण विधेयक पर करीब छह घंटे तक चर्चा होगी। सूत्रों के मुताबिक, लोकसभा अध्यक्ष ने सभी दलों के फ्लोर नेताओं से संवाद कर इस विधेयक पर व्यापक चर्चा का प्रस्ताव रखा। उन्होंने कहा कि प्रतियोगी परीक्षाओं की पारदर्शिता और छात्रों के भविष्य को ध्यान में रखते हुए सभी दलों को एकजुट होकर इस विषय पर विचार करना चाहिए। यदि विपक्ष अधिक समय चाहता है तो चर्चा की अवधि भी बढ़ाई जा सकती है। केंद्र सरकार ने सोमवार को यह संशोधन विधेयक लोकसभा में पेश किया। केंद्रीय राज्य मंत्री जितेंद्र सिंह ने सदन में विधेयक प्रस्तुत करते हुए बताया कि इसका उद्देश्य पेपर लीक, नकल, संगठित परीक्षा माफिया और अन्य अनुचित गतिविधियों पर प्रभावी रोक लगाना है। प्रस्तावित संशोधन के तहत पेपर लीक जैसे अपराधों में अधिकतम सजा पांच वर्ष से बढ़ाकर दस वर्ष करने तथा 50 लाख रुपये तक जुर्माना लगाने का प्रावधान किया गया है। वहीं, संगठित अपराध से जुड़े मामलों में न्यूनतम सात वर्ष की सजा और 10 करोड़ रुपये तक जुर्माना लगाने का प्रस्ताव है। इसके अलावा ऐसे मामलों की त्वरित सुनवाई के लिए विशेष फास्ट ट्रैक अदालतों के गठन का भी प्रावधान किया गया है। यह विधेयक ऐसे समय लाया गया है, जब नीट-यूजी पेपर लीक को लेकर देशभर में छात्रों का विरोध प्रदर्शन जारी है। विपक्ष ने संसद में छात्रों पर पुलिस कार्रवाई का मुद्दा उठाते हुए सरकार से जवाब की मांग की थी। इसी मुद्दे को लेकर दोनों सदनों में लगातार हंगामा हुआ, जिसके कारण अब तक विधेयक पर चर्चा नहीं हो सकी और मानसून सत्र की कार्यवाही बार-बार बाधित होती रही। संसदीय कार्य मंत्री किरण रिजिजू ने विपक्ष से विधेयक पर रचनात्मक चर्चा करने की अपील करते हुए कहा कि कई विपक्षी सांसद भी संशोधन प्रस्ताव लेकर आए हैं। उन्होंने कहा कि यह कानून करोड़ों छात्रों और युवाओं के भविष्य से जुड़ा हुआ है, इसलिए इसे राजनीतिक विवाद से ऊपर उठकर देखा जाना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि सरकार चर्चा के लिए छह घंटे से अधिक समय देने को भी तैयार है। उधर, सूत्रों के अनुसार कांग्रेस भी इस चर्चा में भाग लेने की तैयारी कर रही है। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी विधेयक पर पार्टी का पक्ष रख सकते हैं, जबकि प्रियंका गांधी वाड्रा के भी चर्चा में हिस्सा लेने की संभावना जताई जा रही है। लोकसभा अध्यक्ष की पहल के बाद सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच सहमति बनने से उम्मीद जताई जा रही है कि संसद में पेपर लीक जैसे गंभीर मुद्दे पर सार्थक बहस होगी और प्रतियोगी परीक्षाओं को अधिक पारदर्शी एवं निष्पक्ष बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम आगे बढ़ेगा।

आवारा कुत्तों पर सुप्रीम कोर्ट सख्त, जन्म नियंत्रण से जुड़ी याचिका पर सुनवाई से इनकार

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को आवारा कुत्तों के पशु जन्म नियंत्रण (एबीसी) कार्यक्रम और पशु कल्याण संगठनों की मान्यता से जुड़ी एक महत्वपूर्ण याचिका पर सुनवाई करने से इनकार कर दिया। याचिका में भारतीय पशु कल्याण बोर्ड (एडब्ल्यूबीआई) को निर्देश देने की मांग की गई थी कि वह पशु जन्म नियंत्रण केंद्रों और आश्रयों में कुत्तों के साथ कथित क्रूरता तथा नियमों के उल्लंघन पर प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करे। याचिका में केंद्र सरकार, सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को निर्देश देने की मांग की गई थी कि कोई भी नगर निकाय या स्थानीय प्राधिकरण किसी पशु कल्याण संगठन को तब तक आवारा कुत्तों के नसबंदी एवं जन्म नियंत्रण कार्यक्रम का जिम्मा न सौंपे, जब तक उसके पास एडब्ल्यूबीआई द्वारा जारी वैध परियोजना मान्यता प्रमाणपत्र न हो। सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता की ओर से पेश अधिवक्ता ने न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और संदीप मेहता की पीठ को बताया कि कई संस्थाएं बिना वैध मान्यता के पशु जन्म नियंत्रण अभियान चला रही हैं। उन्होंने इस संबंध में सुप्रीम कोर्ट के 19 मई के फैसले का भी हवाला दिया, जिसमें राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को पशु जन्म नियंत्रण व्यवस्था के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए आवश्यक आधारभूत ढांचा विकसित करने और समयबद्ध कदम उठाने के निर्देश दिए गए थे। याचिका में यह भी मांग की गई थी कि जिन पशु कल्याण संगठनों ने एडब्ल्यूबीआई से अपनी परियोजना मान्यता का नवीनीकरण नहीं कराया है, उन्हें नया प्रमाणपत्र मिलने तक सभी प्रकार के पशु जन्म नियंत्रण अभियान तत्काल बंद करने के निर्देश दिए जाएं।

एफआईआर वापस नहीं हुई तो फिर शुरू होगा आंदोलन : सीजेपी

समझौता तोड़ने का आरोप, गिर तार छात्रों की रिहाई और सभी एफआईआर वापस लेने की मांग

नई दिल्ली(एजेंसी)। पेपर लीक और छात्र आंदोलन के मुद्दे पर कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) ने केंद्र सरकार पर समझौते का उल्लंघन करने का आरोप लगाते हुए दोबारा आंदोलन शुरू करने की चेतावनी दी है। पार्टी के प्रवक्ता आशुतोष रांका ने केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा और डॉ. जितेंद्र सिंह को सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर संबोधित करते हुए कहा कि सरकार ने प्रदर्शनकारियों के खिलाफ पुलिस कार्रवाई नहीं करने का भरोसा दिया था, लेकिन इसके बावजूद विभिन्न राज्यों में छात्रों की गिरफ्तारियां और मुकदमे दर्ज किए जा रहे हैं। रांका ने आरोप लगाया कि सरकार और पुलिस प्रशासन आंदोलन को दबाने के लिए कार्रवाई कर रहे हैं। उनका कहना है कि बिहार और पश्चिम बंगाल में सैकड़ों छात्रों को गिरफ्तार किया गया है, जबकि दिल्ली सहित अन्य राज्यों में प्रदर्शन में शामिल छात्रों और स्वयंसेवकों की निगरानी की जा रही है। उन्होंने दावा किया कि प्रदर्शनकारियों तक भोजन, पानी और अन्य आवश्यक सामग्री पहुंचाने वाले कई स्वयंसेवकों को भी हिरासत में लिया गया है। सीजेपी प्रवक्ता ने कहा कि यह कार्रवाई सरकार और आंदोलनकारियों के बीच हुए उस समझौते के विपरीत है, जिसमें प्रदर्शनकारियों के खिलाफ किसी प्रकार की पुलिस कार्रवाई न करने का आश्वासन दिया गया था। उन्होंने आरोप लगाया कि समझौते का पालन न होने से छात्रों और युवाओं में असंतोष बढ़ रहा है। आशुतोष रांका ने सरकार के सामने कई मांगें रखते हुए कहा कि प्रदर्शनकारियों के खिलाफ दर्ज सभी एफआईआर तत्काल वापस ली जाएं और गिरफ्तार किए गए सभी छात्रों को बिना शर्त रिहा किया जाए। उन्होंने यह भी मांग की कि भविष्य में दिल्ली पुलिस, केंद्रीय जांच एजेंसियां तथा भाजपा-शासित राज्यों की पुलिस आंदोलनकारियों के खिलाफ कोई नई एफआईआर दर्ज न करे। इसके अलावा सीजेपी ने सरकार से मांग की है कि कानूनी मामलों की वापसी से जुड़े समझौते का लिखित मसौदा निर्धारित समय सीमा के भीतर उपलब्ध कराया जाए, ताकि दोनों पक्षों के बीच हुए समझौते का औपचारिक पालन सुनिश्चित हो सके। रांका ने कहा कि यदि सरकार ने उनकी मांगों पर तत्काल कार्रवाई नहीं की और पुलिस कार्रवाई नहीं रोकी गई, तो संगठन के पास एक बार फिर बड़े स्तर पर विरोध प्रदर्शन शुरू करने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचेगा। उन्होंने कहा कि छात्र अपने अधिकारों और निष्पक्ष परीक्षा व्यवस्था की मांग को लेकर पीछे हटने वाले नहीं हैं। उल्लेखनीय है कि हाल के दिनों में पेपर लीक और परीक्षा प्रणाली में पारदर्शिता की मांग को लेकर देश के विभिन्न हिस्सों में छात्र संगठनों द्वारा प्रदर्शन किए गए हैं। इसी बीच सीजेपी की ओर से सरकार को दी गई नई चेतावनी से एक बार फिर आंदोलन तेज होने की संभावना जताई जा रही है।

संक्षिप्त ख़बरें

भारोत्तोलक ज्ञानेश्वरी यादव ने जीता रजत

ग्लास्गो। भारतीय महिला भारोत्तोलक ज्ञानेश्वरी यादव ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 53 किलोग्राम भार वर्ग में रजत पदक जीतकर भारत की झोली में तीसरा रजत पदक डाला। ज्ञानेश्वरी ने स्नैच और क्लीन एंड जर्क दोनों स्पर्धाओं में बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए कुल 199 किलोग्राम (88+111 किग्रा) वजन उठाकर दूसरा स्थान हासिल किया। इस स्पर्धा का स्वर्ण पदक नाइजीरिया की ओनोमे ओमोलोला दिदिह ने कुल 206 किलोग्राम (93+113 किग्रा) वजन उठाकर जीता, जबकि कनाडा की रेबेका ग्रोउलेक्स ने 178 किलोग्राम (83+95 किग्रा) वजन उठाकर कांस्य पदक अपने नाम किया। ज्ञानेश्वरी यादव ने प्रतियोगिता की शुरुआत से ही पदक की दावेदारी मजबूत कर दी। उन्होंने स्नैच के पहले प्रयास में 82 किलोग्राम, दूसरे प्रयास में 85 किलोग्राम और तीसरे प्रयास में 88 किलोग्राम वजन सफलतापूर्वक उठाया। स्नैच में उनके तीनों प्रयास सफल रहे, जिससे वह पदक की दौड़ में बनी रहीं।

जौहर यूनिवर्सिटी को बड़ी राहत, 38 भवनों के ध्वस्तीकरण पर फिलहाल रोक

मुरादाबाद। समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता आजम खां की मोहम्मद अली जौहर विश्वविद्यालय को बड़ी राहत मिली है। रामपुर विकास प्राधिकरण (आरडीए) द्वारा विश्वविद्यालय के 38 भवनों को ध्वस्त करने के आदेश के खिलाफ दायर अपील पर सुनवाई करते हुए मुरादाबाद मंडलायुक्त आंजनेय कुमार सिंह ने अंतरिम राहत प्रदान की है। मंडलायुक्त ने अगली सुनवाई तक ध्वस्तीकरण की कार्रवाई पर रोक लगा दी है। इसके साथ ही फिलहाल विश्वविद्यालय परिसर में बुलडोजर कार्रवाई नहीं होगी। जौहर ट्रस्ट ने आरडीए के ध्वस्तीकरण आदेश को चुनौती देते हुए मंडलायुक्त न्यायालय में वैधानिक अपील दाखिल की थी। सोमवार को हुई सुनवाई के दौरान दोनों पक्षों की प्रारंभिक दलीलें सुनने के बाद मंडलायुक्त ने अंतरिम आदेश जारी करते हुए आरडीए की कार्रवाई पर रोक लगा दी। अब मामले की अगली सुनवाई तक यथास्थिति बनाए रखी जाएगी। गौरतलब है कि रामपुर विकास प्राधिकरण ने विश्वविद्यालय परिसर के 40 में से 38 भवनों को बिना स्वीकृत मानचित्र के निर्मित बताते हुए उन्हें अवैध घोषित किया था। प्राधिकरण ने इन भवनों को ध्वस्त करने के आदेश जारी किए थे, जिसके बाद विश्वविद्यालय प्रशासन, जौहर ट्रस्ट, छात्रों और कर्मचारियों ने इसका विरोध शुरू कर दिया था।

देव संस्कृति विश्वविद्यालय में 46वां ज्ञान दीक्षा समारोह

गडकरी बोले— विकास और चरित्र निर्माण ही शिक्षा का वास्तविक उद्देश्य

हरिद्वार(एजेंसी)। देव संस्कृति विश्वविद्यालय (देसंविवि), शांतिकुंज में सोमवार को 46वें ज्ञान दीक्षा संस्कार समारोह का भव्य आयोजन किया गया। समारोह में केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने ऑनलाइन वीडियो संदेश के माध्यम से विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि शिक्षा का वास्तविक उद्देश्य केवल डिग्री प्राप्त करना नहीं, बल्कि आत्मविकास, चरित्र निर्माण और लोकमंगल की भावना का विकास करना है। उन्होंने विद्यार्थियों से ज्ञान के साथ जीवन मूल्यों को अपनाकर राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। अपने संदेश में नितिन गडकरी ने भारतीय ऋषि परंपरा का उल्लेख करते हुए कहा कि भारत की शिक्षा व्यवस्था सदैव व्यक्ति के सर्वांगीण विकास पर आधारित रही है। उन्होंने कहा कि शिक्षा मनुष्य के भीतर छिपी श्रेष्ठता को जागृत करने का माध्यम है। यदि युवा उच्च जीवन-दृष्टि, नैतिक मूल्यों और सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ें तो देश को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया जा सकता है। उन्होंने विद्यार्थियों से ज्ञानार्जन के साथ समाज और राष्ट्र के प्रति अपने दायित्वों का भी निर्वहन करने का आह्वान किया। समारोह को संबोधित करते हुए देव संस्कृति विश्वविद्यालय के प्रतिकुलपति डॉ. चिन्मय पण्ड्या ने कहा कि आज का समय केवल व्यक्तिगत सफलता तक सीमित रहने का नहीं, बल्कि स्वयं को समाज और राष्ट्र के लिए समर्पित करने का है। उन्होंने कहा कि युवा केवल दीपक न बनें, बल्कि ऐसी ज्योति बनें जो समाज में सकारात्मक परिवर्तन का मार्ग प्रशस्त करे। ज्ञान दीक्षा केवल एक औपचारिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि जीवन को उद्देश्यपूर्ण, अनुशासित और सेवा-भाव से जोड़ने का संकल्प है। डॉ. चिन्मय पण्ड्या ने नवप्रवेशी छात्र-छात्राओं से अपनी आंतरिक शक्तियों को पहचानने और उन्हें राष्ट्र निर्माण, सामाजिक उत्थान तथा मानवता की सेवा के लिए उपयोग करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि शिक्षा तभी सार्थक है, जब वह व्यक्ति को संवेदनशील, जिम्मेदार और संस्कारित नागरिक बनाए। समारोह के दौरान विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ. प्रणव पण्ड्या ने ऑनलाइन माध्यम से नवप्रवेशी विद्यार्थियों को ज्ञान दीक्षा प्रदान की।

करूर भगदड़ मामले में तमिलनाडु सरकार को झटका

पीड़ित परिजनों को नौकरी देने का आदेश रद्द

चेन्नई(एजेंसी)। तमिलनाडु के चर्चित करूर भगदड़ मामले में राज्य सरकार को बड़ा कानूनी झटका लगा है। मद्रास हाई कोर्ट की मदुरै पीठ ने सोमवार को राज्य सरकार के उस सरकारी आदेश (जीओ) को निरस्त कर दिया, जिसके तहत भगदड़ में जान गंवाने वाले लोगों के परिजनों को अनुकंपा के आधार पर सरकारी नौकरी देने का निर्णय लिया गया था। यह फैसला राज्य सरकार द्वारा घोषित पुनर्वास पैकेज का हिस्सा था। अदालत ने इस मामले में दायर जनहित याचिकाओं (पीआईएल) पर सुनवाई के बाद स्पष्ट किया कि करूर भगदड़ की जांच फिलहाल केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) कर रही है और इसकी निगरानी सुप्रीम कोर्ट के स्तर पर की जा रही है। ऐसे में मामले के गुण-दोष पर कोई टिप्पणी करना उचित नहीं होगा। इसी आधार पर न्यायालय ने राज्य सरकार का संबंधित सरकारी आदेश रद्द कर दिया। गौरतलब है कि करूर भगदड़ की घटना के बाद मुख्यमंत्री विजय ने करूर का दौरा कर जिला कलेक्टर कार्यालय में मृतकों के परिजनों से मुलाकात की थी। उन्होंने प्रभावित परिवारों की समस्याएं सुनीं और राहत एवं पुनर्वास के तहत अनुकंपा नियुक्ति सहित कई सहायता उपायों की घोषणा की थी। बाद में सरकार ने इस संबंध में सरकारी आदेश जारी किया था।

म्यांमार मानव तस्करी-साइबर ठगी नेटवर्क पर एनआईए का शिकंजा

रायपुर(एजेंसी)। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने भारतीय नागरिकों की मानव तस्करी कर उन्हें म्यांमार भेजने और साइबर ठगी के अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क से जुड़े मामले में सोमवार को पश्चिम बंगाल और छत्तीसगढ़ में छापेमारी की। एजेंसी ने पश्चिम बंगाल के दुर्गापुर और छत्तीसगढ़ के जगदलपुर में तलाशी अभियान चलाकर कई महत्वपूर्ण दस्तावेज और डिजिटल साक्ष्य जुटाए हैं। यह कार्रवाई अंतरराष्ट्रीय मानव तस्करी और साइबर अपराध से जुड़े नेटवर्क की जांच के तहत की गई। एनआईए की यह कार्रवाई उस चार्जशीट के लगभग पांच महीने बाद हुई है, जिसे एजेंसी ने फरवरी के मध्य में तीन आरोपियों के खिलाफ पंचकूला स्थित विशेष एनआईए अदालत में दाखिल किया था। आरोपियों में अंकित कुमार उर्फ अंकित भारद्वाज, इश्तिखार अली उर्फ अली और एक फरार संदिग्ध चीनी नागरिक लीसा शामिल हैं। इन पर भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की विभिन्न धाराओं और प्रवासन अधिनियम की धारा-24 के तहत आरोप लगाए गए हैं। जांच के अनुसार यह गिरोह भारतीय और विदेशी एजेंटों के सहयोग से संचालित हो रहा था।

कांवड़ मेले की तैयारियां पूरी, 30 जुलाई से 11 अगस्त तक हरिद्वार के स्कूल रहेंगे बंद

हरिद्वार(एजेंसी)। कांवड़ मेले के शांतिपूर्ण और सुरक्षित आयोजन को लेकर जिला प्रशासन और हरिद्वार पुलिस ने तैयारियां पूरी कर ली हैं। सोमवार को प्रेस क्लब में आयोजित संवाद कार्यक्रम में जिलाधिकारी मयूर दीक्षित और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक नवनीत सिंह भुल्लर ने मेले की व्यवस्थाओं की जानकारी देते हुए बताया कि 30 जुलाई से 11 अगस्त तक जिले के सभी विद्यालयों में अवकाश रहेगा। इस अवधि में विद्यार्थियों की पढ़ाई प्रभावित न हो, इसके लिए ऑनलाइन कक्षाएं संचालित की जाएंगी। जिलाधिकारी मयूर दीक्षित ने बताया कि मेले के लिए सभी विभागों की तैयारियां लगभग पूरी हो चुकी हैं। विभिन्न सेक्टरों में अधिकारियों की तैनाती कर दी गई है और जहां भी किसी प्रकार की कमी मिलेगी, उसे तत्काल दूर किया जाएगा। उन्होंने कहा कि श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुविधाएं प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता हैं। मानसून, राष्ट्रीय राजमार्गों पर चल रहे निर्माण कार्य और कुंभ-2027 की तैयारियों के बावजूद मेले की व्यवस्थाओं में कोई कमी नहीं रहने दी जाएगी। उन्होंने खाद्य सुरक्षा विभाग को निर्देश दिए हैं कि मेले के दौरान मिलावटी खाद्य पदार्थों के खिलाफ विशेष अभियान चलाया जाए। साथ ही सभी दुकानों पर खाद्य सामग्री की रेट लिस्ट प्रदर्शित करना अनिवार्य होगा, ताकि श्रद्धालुओं से अधिक कीमत वसूलने जैसी शिकायतें न हों। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक नवनीत सिंह भुल्लर ने बताया कि इस वर्ष पहली बार कांवड़ मेले में साइबर कमांडो तैनात किए जा रहे हैं। ये विशेष टीमें सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर 24 घंटे निगरानी रखेंगी और किसी भी भ्रामक, फर्जी या एआई जनरेटेड वीडियो के प्रसार पर तत्काल कार्रवाई करेंगी, जिससे अफवाहों और भ्रम की स्थिति को रोका जा सके। उन्होंने बताया कि दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे को कांवड़ यात्रा के यातायात से अलग रखा जाएगा, ताकि सामान्य यातायात प्रभावित न हो। वहीं, डीजे वाहनों के संचालन के लिए निर्धारित मानकों का सख्ती से पालन कराया जाएगा।

झारखंड में 16 कुख्यात माओवादी करेंगे आत्मसमर्पण

15 लाख के इनामी रीजनल कमांडर समेत कई जोनल और सब-जोनल कमांडर मुयधारा में लौटेंगे

रांची(एजेंसी)। झारखंड में माओवादी उग्रवाद के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान को बड़ी सफलता मिलने जा रही है। पुलिस और सुरक्षा बलों की लगातार कार्रवाई, जंगलों में सघन अभियान तथा राज्य सरकार की आत्मसमर्पण एवं पुनर्वास नीति के प्रभाव से 28 जुलाई को 16 कुख्यात माओवादी सामूहिक रूप से आत्मसमर्पण कर मुख्यधारा में लौटेंगे। आत्मसमर्पण करने वाले इन उग्रवादियों पर कुल 60 लाख रुपये का इनाम घोषित है। सुरक्षा एजेंसियों के अनुसार आत्मसमर्पण करने वालों में सबसे बड़ा नाम 15 लाख रुपये के इनामी रीजनल कमांडर संतोष उर्फ गांधी का है। उसके साथ संगठन के कई वरिष्ठ माओवादी कैडर भी हिंसा का रास्ता छोड़कर लोकतांत्रिक व्यवस्था में शामिल होंगे। अधिकारियों का मानना है कि एक साथ इतने बड़े स्तर पर इनामी माओवादियों का आत्मसमर्पण संगठन के लिए बड़ा झटका साबित होगा। जानकारी के मुताबिक आत्मसमर्पण करने वाले माओवादियों में 10-10 लाख रुपये के इनामी तीन जोनल कमांडर, पांच-पांच लाख रुपये के इनामी तीन सब-जोनल कमांडर, छह एरिया कमांडर तथा संगठन के तीन दस्ता कैडर शामिल हैं। इन सभी ने वर्षों तक विभिन्न क्षेत्रों में माओवादी गतिविधियों में सक्रिय भूमिका निभाई है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि पिछले कुछ समय से झारखंड के माओवादी प्रभावित इलाकों में सुरक्षा बलों द्वारा लगातार चलाए जा रहे अभियान, जंगलों में चौतरफा घेराबंदी और खुफिया तंत्र की सक्रियता के कारण माओवादी संगठन की गतिविधियां लगातार कमजोर हुई हैं। दूसरी ओर, राज्य सरकार की आत्मसमर्पण एवं पुनर्वास नीति के तहत उग्रवादियों को समाज की मुख्यधारा में लौटने और सम्मानजनक जीवन जीने का अवसर भी दिया जा रहा है, जिसका सकारात्मक प्रभाव देखने को मिल रहा है। सुरक्षा एजेंसियों का मानना है कि 28 जुलाई को होने वाला यह सामूहिक आत्मसमर्पण झारखंड में माओवादी विरोधी अभियान की बड़ी उपलब्धियों में शामिल होगा। इससे न केवल संगठन की कमजोर होती पकड़ का संकेत मिलेगा, बल्कि जंगलों में सक्रिय अन्य माओवादियों को भी हिंसा छोड़कर लोकतांत्रिक व्यवस्था और समाज की मुख्यधारा से जुड़ने का संदेश जाएगा। अधिकारियों के अनुसार आत्मसमर्पण के बाद सभी माओवादियों को सरकार की पुनर्वास नीति के तहत निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार सहायता और पुनर्वास का लाभ उपलब्ध कराया जाएगा, ताकि वे सामान्य जीवन की ओर लौट सकें।

लखनऊ एयरपोर्ट पर उतरा चीनी विमान

लखनऊ(एजेंसी)। चौधरी चरण सिंह अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर रविवार देर रात पहली बार किसी चीनी विमान की लैंडिंग हुई। चाइना सदर्न एयरलाइंस का विमान खराब मौसम के कारण नेपाल की राजधानी काठमांडू में उतर नहीं सका, जिसके बाद एयर ट्रैफिक कंट्रोल (एटीसी) की अनुमति से उसे लखनऊ एयरपोर्ट पर डायवर्ट किया गया। मौसम सामान्य होने के बाद विमान को दो घंटे बाद पुन: काठमांडू के लिए रवाना कर दिया गया। जानकारी के अनुसार, चाइना सदर्न एयरलाइंस की फ्लाइट सीजेड-3067 चीन के गुआंगझू से काठमांडू के लिए निर्धारित समय पर रवाना हुई थी। स्थानीय समयानुसार विमान रात करीब 10:35 बजे काठमांडू पहुंचा, लेकिन खराब मौसम और कम दृश्यता के कारण उसे वहां उतरने की अनुमति नहीं मिल सकी। इसके बाद पायलट ने एटीसी से संपर्क किया और विमान को लखनऊ एयरपोर्ट पर उतारने की मंजूरी दी गई। रात करीब 11:35 बजे विमान सुरक्षित रूप से लखनऊ एयरपोर्ट पर उतरा और उसे पार्किंग बे तक ले जाया गया। विमान में क्रू सदस्यों सहित कुल 159 यात्री सवार थे। इस दौरान यात्रियों को विमान से बाहर नहीं उतारा गया और सभी लगभग दो घंटे तक विमान के भीतर ही रहे। काठमांडू में मौसम अनुकूल होने के बाद विमान को रात करीब दो बजे पुन: रवाना कर दिया गया। लखनऊ एयरपोर्ट प्रशासन के अनुसार, यह पहला अवसर है जब किसी चीनी एयरलाइन के विमान ने चौधरी चरण सिंह अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर लैंडिंग की। इससे पहले यहां अमेरिका और यूरोप की कई अंतरराष्ट्रीय उड़ानों की आपात अथवा डायवर्ट लैंडिंग हो चुकी है, लेकिन किसी चीनी विमान का यह पहला आगमन था। चीनी विमान के लखनऊ पहुंचने की सूचना मिलते ही सीआईएसएफ सहित अन्य सुरक्षा एवं खुफिया एजेंसियां सतर्क हो गईं।

संक्षिप्त खबरें

उर्वरक, बीज व कीटनाशी प्रतिष्ठानों का निरीक्षण, अनियमितता मिलने पर नोटिस जारी

अमेठी। जनपद में किसानों को उनकी मांग के अनुरूप निर्धारित दरों पर उर्वरकों की उपलब्धता सुनिश्चित कराने तथा उर्वरकों के साथ अन्य उत्पादों की अनिवार्य टैगिंग पर रोक लगाने के उद्देश्य से जिला कृषि अधिकारी अमेठी देवेंद्र सिंह निरंजन ने 26 जुलाई 2026 को विभागीय टीम के साथ विभिन्न उर्वरक, बीज एवं कीटनाशी प्रतिष्ठानों का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान मेसर्स किसान एग्री जंक्शन केंद्र, टीकरमाफी का रेट बोर्ड प्रदर्शित नहीं पाया गया। वहीं मेसर्स महेश ट्रेडर्स, टीकरमाफी का उर्वरक प्रतिष्ठान बंद मिलने पर संबंधित प्रतिष्ठान को नोटिस जारी किया गया। इसके अतिरिक्त शिवा बीज भंडार, टीकरमाफी तथा मौर्या बीज भंडार, अयोध्यानगर के निरीक्षण में उपलब्ध कीटनाशियों के संबंध में आवश्यक अभिलेख एवं 'रेडी स्टॉक' पत्र प्रस्तुत न किए जाने पर दोनों प्रतिष्ठानों को नोटिस जारी कर स्पष्टीकरण मांगा गया है। जिला कृषि अधिकारी ने बताया कि वर्तमान में जनपद में 11,791.356 मीट्रिक टन यूरिया, 4,156.511 मीट्रिक टन डीएपी तथा 2,009.838 मीट्रिक टन एनपीके उर्वरक उपलब्ध हैं, जिनकी बिक्री किसानों के मध्य नियमित रूप से की जा रही है। उन्होंने कहा कि किसानों को समय से गुणवत्तापूर्ण कृषि निवेश उपलब्ध कराने तथा अनियमितताओं पर अंकुश लगाने के लिए निरीक्षण अभियान निरंतर जारी रहेगा।।

राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती मिशन के तहत जिले में बनेगा बायो-इनपुट रिसोर्स सेंटर, उद्यमियों से आवेदन आमंत्रित

अम्बेडकरनगर। राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती मिशन (एनएमएनएफ) के तहत जनपद में बायो-इनपुट रिसोर्स सेंटर (बीआरसी) की स्थापना की जाएगी। उप निदेशक कृषि ने बताया कि प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने तथा स्थानीय स्तर पर प्राकृतिक जैव आदानों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से यह केंद्र इंटरप्राइज मॉडल के तहत स्थापित किया जाएगा। इसके लिए इच्छुक उद्यमियों, स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी), किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ) और अन्य पात्र इकाइयों से आवेदन आमंत्रित किए गए हैं।

उन्होंने बताया कि प्राकृतिक खेती की सफलता के लिए पशु एवं पौध आधारित जैव आदानों की स्थानीय उपलब्धता आवश्यक है। इसी उद्देश्य से राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती मिशन के क्लस्टरों में बीआरसी स्थापित किए जाएंगे, जहां प्राकृतिक जैव आदानों का उत्पादन और वितरण किया जाएगा। बीआरसी संचालक के चयन के लिए प्राकृतिक खेती का अनुभव होना या ऐसे सदस्य होना आवश्यक है जिन्हें प्राकृतिक खेती का प्रशिक्षण प्राप्त हो। आवेदक के खेतों में प्राकृतिक जैव आदानों का उपयोग किया जाना चाहिए। यदि किसी क्षेत्र में प्राकृतिक खेती करने वाला किसान उपलब्ध नहीं है, तो इच्छुक एवं प्रशिक्षित किसान भी आवेदन कर सकते हैं। इसके अलावा आवेदक के पास गोबर, गोमूत्र और पौध आधारित बायोमास जैसी कच्ची सामग्री की उपलब्धता होनी चाहिए। निकटवर्ती गौशालाओं से गोबर एवं गोमूत्र की आपूर्ति की व्यवस्था तथा जैव आदानों के निर्माण और भंडारण के लिए पर्याप्त स्थान भी आवश्यक होगा।

महिला उत्पीड़न मामलों पर गौरीगंज में राज्य महिला आयोग की जनसुनवाई

प्राप्त शिकायतों का संबंधित अधिकारियों को समयबद्ध व गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करने के दिए निर्देश

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

अमेठी। उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की सदस्य डॉ. प्रियंका मौर्या ने सोमवार को तहसील गौरीगंज सभागार में महिला उत्पीड़न से जुड़े मामलों की जनसुनवाई की। इस दौरान घरेलू हिंसा, दहेज उत्पीड़न, कार्यस्थल पर शोषण, संपत्ति विवाद और मानसिक उत्पीड़न सहित विभिन्न मामलों में पीड़ित महिलाओं की शिकायतें सुनीं तथा संबंधित अधिकारियों को उनके समयबद्ध और निष्पक्ष निस्तारण के निर्देश दिए। जनसुनवाई में कुल 15 महिलाओं ने अपनी शिकायतें आयोग के समक्ष प्रस्तुत कीं।

डॉ. मौर्या ने प्रत्येक मामले को गंभीरता से सुनते हुए शिकायतकर्ताओं को न्याय दिलाने का भरोसा दिलाया। उन्होंने कहा कि महिलाओं को न्याय, सुरक्षा और सम्मान दिलाना राज्य महिला आयोग की सर्वोच्च प्राथमिकता है तथा किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी मामलों में त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जाए और शिकायतकर्ताओं को कार्रवाई की प्रगति से भी अवगत कराया जाए। जनसुनवाई के दौरान कुछ मामलों का मौके पर ही निस्तारण किया गया, जबकि अन्य मामलों में संबंधित पुलिस थानों एवं विभागों को तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए गए। लंबित प्रकरणों की रिपोर्ट प्रस्तुत करने के लिए समय-सीमा भी निर्धारित की गई।

डॉ. मौर्या ने महिलाओं को संबोधित करते हुए कहा कि किसी भी प्रकार के उत्पीड़न की स्थिति में डरने की आवश्यकता नहीं है। कानून और महिला आयोग उनके साथ खड़ा है। उन्होंने महिलाओं को उनके कानूनी अधिकारों एवं शासन द्वारा संचालित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देते हुए जागरूक रहने का आह्वान किया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि पात्र महिलाओं को शासन की योजनाओं का लाभ प्राथमिकता के आधार पर उपलब्ध कराया जाए तथा प्रत्येक शिकायत पर नियमित फॉलोअप किया जाए। उन्होंने कहा कि आयोग का उद्देश्य केवल शिकायत सुनना नहीं, बल्कि पीड़ित महिलाओं को प्रभावी न्याय दिलाना है। जनसुनवाई में उपजिलाधिकारी गौरीगंज दिशा श्रीवास्तव, क्षेत्राधिकारी मनोज कुमार सिंह, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. अंशुमान सिंह, जिला प्रोबेशन अधिकारी वीरेंद्र प्रताप सिंह, डीपीओ आईसीडीएस पी.के. दास, महिला थानाध्यक्ष, नायब तहसीलदार अनुश्री त्रिपाठी सहित जिला प्रशासन, पुलिस, महिला कल्याण एवं बाल विकास विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे। महिलाओं ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजनों से उन्हें न्याय की उम्मीद और आत्मविश्वास मिलता है।

पुलिस मुठभेड़ में गोकशी की साजिश नाकाम, चार शातिर गिरफ्तार

पुलिस फायरिंग में हिस्ट्रीशीटर बदमाश घायल, एक आरोपी फरार; एसपी ने टीम को 20 हजार रुपये का पुरस्कार दिया

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

अमेठी। जनपद में अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे 'ऑपरेशन चक्रव्यूह' के तहत जामो थाना पुलिस और स्वाट टीम ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए गोकशी की योजना बना रहे चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। कार्रवाई के दौरान पुलिस मुठभेड़ में एक हिस्ट्रीशीटर बदमाश गोली लगने से घायल हो गया, जबकि उसका एक साथी अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गया। पुलिस ने मौके से तमंचा, चाकू सहित गोकशी में प्रयुक्त होने वाले उपकरण बरामद किए हैं। पुलिस अधीक्षक सरवणन टी. के निर्देशन तथा अपर पुलिस अधीक्षक ज्ञानेन्द्र कुमार सिंह के पर्यवेक्षण में क्षेत्राधिकारी गौरीगंज अखिलेश वर्मा के नेतृत्व में थाना जामो पुलिस और स्वाट टीम संदिग्ध व्यक्तियों एवं वाहनों की चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि ग्राम पूरे दुर्गापाल के पास कुछ लोग गोवंशीय पशुओं को बांधकर गोकशी की तैयारी कर रहे हैं। सूचना पर पुलिस टीम ने मौके पर घेराबंदी की। पुलिस को देखते ही एक आरोपी ने जान से मारने की नीयत से फायरिंग कर दी। आत्मरक्षा में पुलिस की जवाबी कार्रवाई में आरोपी मोहम्मद मोसिन निवासी इमामगंज, थाना बंधुआकला (सुलतानपुर) घायल हो गया। पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर अस्पताल भेज दिया। उसके कब्जे से एक तमंचा, एक जिंदा कारतूस और एक खोखा कारतूस बरामद हुआ। मौके से पुलिस ने मोहम्मद मोनू उर्फ असरफ, मोहम्मद आमिर (दोनों निवासी सुलतानपुर) तथा राम हृदय निवासी जामो, अमेठी को भी गिरफ्तार कर लिया। वहीं राजेश निवासी दतनपुर कटारी मौके से फरार हो गया, जिसकी तलाश की जा रही है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से दो चाकू, पांच प्लास्टिक के बोरे, तीन रस्सियां, लकड़ी का ठीहा, पेचकश, काली तिरपाल और एक टॉर्च बरामद की। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि फरार आरोपी राजेश गोवंशीय पशुओं को एकत्रित करता था और उन्हें गोकशी के लिए बुलाता था। गोकशी के बाद मांस को आसपास के जिलों में तथा बड़े गोवंशीय पशुओं को बिहार, पश्चिम बंगाल और झारखंड तक बेच दिया जाता था। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपी मोहम्मद मोसिन थाना बंधुआकला (सुलतानपुर) का हिस्ट्रीशीटर अपराधी है। उसके विरुद्ध अमेठी और सुलतानपुर में गोवध निवारण अधिनियम, गैंगस्टर एक्ट तथा हत्या के प्रयास सहित चार आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं। गिरफ्तारी और बरामदगी के संबंध में थाना जामो में विधिक कार्रवाई की जा रही है। इस सराहनीय कार्रवाई पर पुलिस अधीक्षक ने पूरी टीम को 20 हजार रुपये नकद पुरस्कार देने की घोषणा की है।

मिशन शक्ति अभियान के तहत महिलाओं व छात्राओं को किया जागरूक

देवरिया। पुलिस अधीक्षक अभिजीत आर. शंकर के निर्देशन में सोमवार को जिले के सभी थानों की मिशन शक्ति और एंटी रोमियो टीमों ने 'मिशन शक्ति फेज-5.0' एवं 'शक्ति दीदी' अभियान चलाकर महिलाओं और बालिकाओं को सुरक्षा एवं स्वावलंबन के प्रति जागरूक किया। थाना मदनपुर की टीम ने एसबीआई बैंक, थाना लार की टीम ने रामावती देवी इंटर कॉलेज तथा थाना एकौना की टीम ने पचलड़ी बाजार में महिलाओं, छात्राओं और बालिकाओं को पंपलेट वितरित किए।

इस दौरान पुलिसकर्मियों ने सरकार की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं और हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी दी। इसके अलावा जिले के सभी थानों की मिशन शक्ति एवं एंटी रोमियो टीमों ने सार्वजनिक और धार्मिक स्थलों पर भी महिलाओं को जागरूक किया। उन्हें डायल-112, महिला हेल्पलाइन-181, वूमेन पावर लाइन-1090, चाइल्ड हेल्पलाइन-1098, सीएम हेल्पलाइन-1076, साइबर हेल्पलाइन-1930, एंबुलेंस सेवा-108 समेत अन्य आपातकालीन सेवाओं की जानकारी देते हुए जरूरत पड़ने पर तत्काल इनका उपयोग करने की अपील की।

ग्रामीण इलाकों में बिजली संकट गहराया, घंटों की अघोषित कटौती से जनता बेहाल

चंदनपुर, मल्दा, बसंतपुर समेत कई फीडरों पर अनियमित आपूर्ति, उमस और बारिश के बीच ग्रामीणों का जीना हुआ मुश्किल

बलरामपुर जनपद के पचपेड़वा क्षेत्र में इन दिनों अघोषित बिजली कटौती ने ग्रामीणों की परेशानी बढ़ा दी है। चंदनपुर, मल्दा, बसंतपुर सहित कई ग्रामीण फीडरों पर घंटों तक बिजली गुल रहने से आम जनजीवन प्रभावित हो रहा है। क्षेत्र में लगातार हो रही बिजली कटौती से लोगों में बिजली विभाग के प्रति नाराज़गी बढ़ती जा रही है। पचपेड़वा ब्लॉक के अंतर्गत चंदनपुर, मल्दा और बसंतपुर जैसे गांव आते हैं जहां बारिश और उमस भरे मौसम में लंबे समय तक बिजली न रहने से लोगों को रातें जागकर बितानी पड़ रही हैं। किसानों का कहना है कि बिजली की अनियमित आपूर्ति से सिंचाई कार्य भी प्रभावित हो रहा है, जबकि विद्यार्थियों की पढ़ाई और छोटे व्यापारियों का कामकाज भी बाधित हो रहा है। ग्रामीणों का आरोप है कि बिजली कटौती का कोई निर्धारित समय नहीं है। कई बार बिना किसी पूर्व सूचना के घंटों तक आपूर्ति बंद रहती है, जिससे पेयजल व्यवस्था भी प्रभावित हो रही है। क्षेत्रवासियों ने विद्युत विभाग के उच्च अधिकारियों से ग्रामीण क्षेत्रों में नियमित और निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित कराने की मांग की है। लोगों का कहना है कि यदि जल्द ही व्यवस्था में सुधार नहीं हुआ तो वे जन आंदोलन करने को मजबूर होंगे।

महूघाट-अमारी रोड पर नीलगाय का आतंक: बाइक सवार पति-पत्नी घायल

1 महीने में 5 हादसे, ग्रामीणों ने की शिकायत

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बस्ती। बस्ती जिले के महूघाट से अमारी मार्ग पर नीलगायों और सड़क के किनारे उगी झाड़ियों के कारण हादसे लगातार बढ़ते जा रहे हैं। मंगलवार शाम लगभग 2 बजे महूघाट कृषि फार्म के पास नीलगाय से बाइक टकराने से रजवापुर निवासी चांदनी पत्नी जामील और उनके पति जामील गंभीर रूप से घायल हो गए। प्राप्त जानकारी के अनुसार जामील अपनी पत्नी चांदनी के साथ बाइक से रजवापुर जा रहे थे। तभी अचानक सामने आई नीलगाय से बाइक टकरा गई। हादसे में दोनों को चोटें आईं। स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को उपचार के लिए भेजा गया।ग्रामीणों का कहना है कि यह इस रोड पर नीलगाय से होने वाली दूसरी बड़ी घटना है। पिछले 1 महीने में महूघाट से अमारी तक 4 से 5 एक्सीडेंट नीलगाय की वजह से हो चुके हैं।हादसे की एक बड़ी वजह सड़क के दोनों तरफ उगी घनी झाड़ियां भी हैं। महूघाट से अमारी बाजार तक दोनों तरफ झाड़ियों के कारण नीलगाय अचानक सड़क पर आ जाती हैं और बाइक सवार उन्हें देख नहीं पाते। अंधेरा होते ही यह मार्ग और भी खतरनाक हो जाता है।

इस समस्या को लेकर ग्रामीणों ने 1076 हेल्पलाइन और ढ्वन्द्व पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराकर महूघाट से अमारी मार्ग की पटरी और दोनों तरफ की झाड़ियों की सफाई की मांग की है। ग्रामीणों ने वन विभाग और प्रशासन से नीलगायों को पकड़कर जंगल में छुड़वाने, मार्ग पर चेतावनी बोर्ड व रिफ्लेक्टर लगवाने की मांग की है। ग्रामीणों ने यह भी आरोप लगाया कि हादसे के बाद 108 पर कॉल करने के 45 मिनट बाद भी एंबुलेंस नहीं पहुंची। ग्रामीणों ने चेतावनी दी कि यदि जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो इस मार्ग पर कोई बड़ी जनहानि हो सकती है।

संस्था प्रबंधक ने दो विद्यालयों में किया वृक्षारोपण

पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश, विद्यालय के प्रबंधक मुकेश शुक्ला एव प्रबंधक रामकुमार सिंह रहे मौजूद

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

शुकुल बाजार, अमेठी। पर्यावरण संरक्षण और हरित भविष्य के निर्माण के उद्देश्य से कृष्णा जन कल्याण सेवा संस्थान के प्रबंधक एवं समाजसेवी पीके तिवारी द्वारा चलाए जा रहे 'एक हजार संकल्प वृक्षारोपण अभियान' के अंतर्गत सोमवार को शुकुल बाजार स्थित एसवी इंटर कॉलेज तथा जेवी पब्लिक इंटर कॉलेज परिसर में फलदार एवं छायादार पौधों का वृक्षारोपण किया गया। इस अवसर पर विद्यालय परिवार एवं स्थानीय लोगों ने बढ़-चढ़कर भाग लेते हुए पौधों के संरक्षण का संकल्प भी लिया।कार्यक्रम के दौरान पीके तिवारी ने कहा कि वर्तमान समय में पर्यावरण संरक्षण केवल एक सामाजिक जिम्मेदारी नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य की आवश्यकता है। लगातार बढ़ रहे प्रदूषण, जलवायु परिवर्तन और घटते वन क्षेत्र को देखते हुए प्रत्येक व्यक्ति को अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनकी नियमित देखभाल करने का संकल्प लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि वृक्ष हमें शुद्ध वायु, छाया, वर्षा और जीवनदायिनी ऑक्सीजन प्रदान करते हैं, इसलिए, प्रत्येक नागरिक को अपने जीवन में कम से कम एक पौधा अवश्य लगाना चाहिए। एसवी इंटर कॉलेज के प्रबंधन मुकेश शुक्ला ने संस्था द्वारा संचालित वृक्षारोपण अभियान की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे जनजागरूकता कार्यक्रम समाज में पर्यावरण के प्रति सकारात्मक सोच विकसित करते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से पौधों की नियमित देखभाल करने और पर्यावरण संरक्षण का संदेश जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया। वहीं, जेवी पब्लिक इंटर कॉलेज के प्रबंधन रामकुमार सिंह ने कहा कि कृष्णा जन कल्याण सेवा संस्थान शिक्षा, समाज सेवा और पर्यावरण संरक्षण जैसे क्षेत्रों में लगातार सराहनीय कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा कि विद्यालय परिसर में लगाए गए पौधे भविष्य में विद्यार्थियों को स्वच्छ एवं हरित वातावरण प्रदान करेंगे। कार्यक्रम के अंत में सभी शिक्षकों, कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों ने पौधों की सुरक्षा और संरक्षण का सामूहिक संकल्प लिया। उपस्थित लोगों ने विश्वास व्यक्त किया कि यदि समाज का प्रत्येक व्यक्ति वृक्षारोपण को जन आंदोलन का रूप दे, तो पर्यावरण संतुलन बनाए रखने के साथ-साथ आने वाली पीढ़ियों को भी स्वच्छ और सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराया जा सकता है। कृष्णा जन कल्याण सेवा संस्थान का 'एक हजार संकल्प वृक्षारोपण अभियान' क्षेत्र में पर्यावरण संरक्षण के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने की दिशा में एक प्रेरणादायी पहल बनता जा रहा है, जिसकी स्थानीय नागरिकों और शिक्षण संस्थानों द्वारा व्यापक सराहना की जा रही है।

श्री स्वीट हाउस पर एक्सपायरी डेट का कोल्ड ड्रिंक बेचने का आरोप

अनजान एक्सपायरी कोल्ड ड्रिंक को पी कर स्वास्थ्य के प्रति कर रहा है खिलवाड़

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बस्ती। बस्ती जिले के विकास खंड कप्तानगंज बाजार में ग्रामीण बैंक के पास स्थित श्री स्वीट हाउस पर एक ग्राहक को कथित रूप से एक्सपायरी डेट की ठंडी पेय (कोल्ड ड्रिंक) की बोतल बेच दी गई। ग्राहक के अनुसार, बोतल खरीदने के बाद जब उसने उस पर अंकित एक्सपायरी तिथि देखी तो वह दोबारा दुकान पर पहुंचा और बोतल वापस करने या बदलने की बात कही।

आरोप है कि दुकानदार ने बोतल वापस लेने से इनकार कर दिया, जिससे दोनों पक्षों के बीच विवाद बढ़ गया। इसके बाद ग्राहक ने डायल 112 पर सूचना दी। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों पक्षों को टीकी समझाकर मामला शांत कराया। घटना के बाद स्थानीय लोगों में खाद्य सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सवाल उठ रहे हैं। लोगों का कहना है कि यदि बाजार में एक्सपायरी खाद्य एवं पेय पदार्थ खुलेआम बिक रहे हैं तो यह उपभोक्ताओं के स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा है। अब देखना होगा कि खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग इस मामले की जांच कर संबंधित दुकान पर कोई कार्रवाई करता है या नहीं। फिलहाल, एक्सपायरी बोतल बेचे जाने के आरोप की स्वतंत्र आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

लखनऊ हाइवे पर सड़क हादसा, एक की मौत, मोटरसाइकिल-कार भिड़ंत में एक घायल

सुल्तानपुर के बंधुआ कलां थाना क्षेत्र में सोमवार को लखनऊ हाइवे पर दादूपुर ग्राम के पास एक सड़क दुर्घटना में एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि एक अन्य घायल हो गया। यह हादसा एक मोटरसाइकिल और स्विफ्ट डिजायर कार के बीच हुआ। पुलिस के अनुसार, 27 जुलाई को हुई इस दुर्घटना में घायल हुए दो लोगों को तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया। इलाज के दौरान लगभग 60 वर्षीय मोहम्मद अली की मृत्यु हो गई। दूसरे घायल व्यक्ति, 45 वर्षीय लईक अहमद पुत्र बशीर का जिला चिकित्सालय में इलाज चल रहा है और उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि स्विफ्ट कार का मालिक दुर्घटना के बाद अपनी गाड़ी लेकर शहर की ओर फरार हो गया। पुलिस फरार कार और उसके मालिक की तलाश कर रही है। इसके लिए घटनास्थल और आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं। घटनास्थल पर यातायात व्यवस्था सुचारू रूप से चल रही है और शांति व्यवस्था कायम है।

बस्ती में 36 जगहों पर अवैध प्लाटिंग, बीडीए की बड़ी चेतावनी

31 अगस्त तक नक्शा पास नहीं तो चलेगा बुलडोजर

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बस्ती। बस्ती विकासप्राधिकरण (बीडीए) ने जनपद में तेजी से बढ़ रही अवैध प्लाटिंग पर सख्त रुख अपनाते हुए आम जनता के लिए बड़ी चेतावनी जारी की है। सचिव एवं मुख्य राजस्व अधिकारी (सीआरओ) कीर्ति प्रकाश भारती ने बताया कि जिले में 36 स्थानों पर बिना स्वीकृत नक्शे के अवैध प्लाटिंग की जा रही है। इन सभी स्थानों की सूची सार्वजनिक कर दी गई है और लोगों से अपील की गई है कि किसी भी प्लाट को खरीदने से पहले उसकी वैधानिक स्थिति अवश्य जांच लें। सीआरओ ने बताया कि उत्तर प्रदेश नगर योजना एवं विकास अधिनियम-1973 की धारा-14 के अनुसार प्राधिकरण क्षेत्र में बिना नक्शा स्वीकृत कराए किसी भी प्रकार का निर्माण या प्लाटिंग अवैध है। जांच में यह सामने आया है कि कई विकासकर्ता बिना तलपट मानचित्र स्वीकृत कराए ही प्लाट बेच रहे हैं, जिससे खरीदारों की गाढ़ी कमाई डूबने का खतरा है। प्राधिकरण ने सभी संबंधित विकासकर्ताओं को 31 अगस्त 2026 शाम 5 बजे तक अपना नक्शा विनियमित कराने का अंतिम अवसर दिया है। इसके बाद अधिनियम की धारा-27 एवं 28 के तहत अवैध निर्माण और प्लाटिंग पर ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की जाएगी। कार्रवाई में आने वाला पूरा खर्च संबंधित विकासकर्ता से वसूला जाएगा।

जनता की सुविधा के लिए बीडीए कार्यालय में हेल्प डेस्क स्थापित किया गया है, जहां सोमवार से शुक्रवार सुबह 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक कोई भी व्यक्ति अपने प्लाट की वैधानिक स्थिति की जानकारी निःशुल्क प्राप्त कर सकता है। प्राधिकरण ने स्पष्ट किया है कि 36 अवैध प्लाटिंग स्थलों की सूची कार्यालय के नोटिस बोर्ड और वेबसाइट पर उपलब्ध है। लोगों से अपील की गई है कि किसी भी प्लाट की खरीद से पहले सूची में उसका नाम अवश्य जांच लें।

सीआरओ कीर्ति प्रकाश भारती ने जनता से सस्ते प्लाट के लालच में न आने, सभी दस्तावेजों की जांच करने, प्राधिकरण से वैधता की पुष्टि करने तथा अवैध प्लाटिंग की सूचना तत्काल बीडीए को देने की अपील की है। उन्होंने कहा कि अवैध प्लाट पर भविष्य में बिजली, पानी और अन्य सुविधाएं मिलने में भी कठिनाई हो सकती है तथा ध्वस्तीकरण की स्थिति में किसी प्रकार का मुआवजा नहीं दिया जाएगा। इसलिए सतर्कता ही आपकी पूंजी की सबसे बड़ी सुरक्षा है।

बस्ती पुलिस की ड्यूटी व्यवस्था हुई हाईटेक, एसपी की नई पहल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बस्ती। जनपद बस्ती में पुलिस ड्यूटी व्यवस्था को अधिक पारदर्शी, निष्पक्ष और जवाबदेह बनाने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक डॉ. यशवीर सिंह ने नई व्यवस्था लागू की है। इस पहल के तहत अब जिले के सभी थानों में ड्यूटी आवंटन की प्रक्रिया को व्यवस्थित और निगरानी योग्य बनाया गया है। इसके लिए प्रत्येक थाने पर अनिवार्य रूप से ड्यूटी रजिस्टर तैयार किया जाएगा, जिसमें सभी पुलिसकर्मियों की ड्यूटी का विस्तृत ब्यौरा दर्ज होगा। अपनी साफ सुथरी की इमेज, ईमानदार छवि और कार्य के प्रति सख्त माने जाने वाले बस्ती के पुलिस अधीक्षक डॉ. यशवीर सिंह लगातार बस्ती की पुलिस व्यवस्था को साफ सुथरा एवं चुस्त दुरुस्त करने में लगे हैं, इसी क्रम में उन्होंने प्रत्येक थाने पर अनिवार्य रूप से ड्यूटी रजिस्टर रखना और ड्यूटी लगाना अनिवार्य कर दिया है। नई व्यवस्था के अनुसार अब ड्यूटी लगाने की जिम्मेदारी थाना प्रभारी के निर्देशन में वरिष्ठ उपनिरीक्षक अथवा अतिरिक्त निरीक्षक/उपनिरीक्षक को सौंपी गई है। पहले की तरह कांस्टेबल मुहर्रिर या हेड मुहर्रिर द्वारा ड्यूटी आवंटन नहीं किया जाएगा, जिससे प्रक्रिया अधिक निष्पक्ष और पारदर्शी बन सके। ड्यूटी की नियमित निगरानी के लिए प्रत्येक थाने का एक विशेष ड्यूटी व्हाट्सएप ग्रुप भी बनाया गया है। इसमें प्रतिदिन ड्यूटी रजिस्टर की फोटो साझा की जाएगी, जिससे वरिष्ठ अधिकारी वास्तविक समय में ड्यूटी व्यवस्था पर नजर रख सकें। पुलिस अधीक्षक, अपर पुलिस अधीक्षक, क्षेत्राधिकारी एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारी इस ग्रुप के माध्यम से पूरी जानकारी के आधार पर थानों और ड्यूटी स्थलों का आकस्मिक निरीक्षण करेंगे, ताकि ड्यूटी प्वाइंट पर पुलिसकर्मियों की मौजूदगी और व्यवस्था की प्रभावी निगरानी सुनिश्चित हो सके।

नई व्यवस्था के तहत प्रत्येक माह के अंत में थाने पर तैनात सभी अधिकारियों और कर्मचारियों की ड्यूटी का मासिक गोश्वारा तैयार किया जाएगा। इससे यह स्पष्ट होगा कि किस पुलिसकर्मी ने कितने दिन और किन-किन स्थानों पर ड्यूटी की। इस प्रक्रिया से नाकाबंदी, पिकेट, वीआईपी, कोर्ट और थाना ड्यूटी सहित विभिन्न जिम्मेदारियों का समान एवं क्रमवार वितरण सुनिश्चित किया जाएगा।

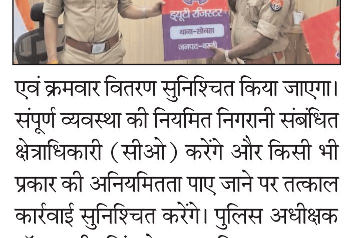

संपूर्ण व्यवस्था की नियमित निगरानी संबंधित क्षेत्राधिकारी (सीओ) करेंगे और किसी भी प्रकार की अनियमितता पाए जाने पर तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित करेंगे। पुलिस अधीक्षक डॉ. यशवीर सिंह ने बताया कि इस व्यवस्था का उद्देश्य कानून व्यवस्था को और मजबूत बनाना, ड्यूटी आवंटन में पारदर्शिता लाना, कार्यभार का समान वितरण सुनिश्चित करना, पुलिस बल का सर्वोत्तम उपयोग करना तथा कर्मचारियों की सुविधा और जवाबदेही बढ़ाना है। उन्होंने सभी थाना प्रभारियों, क्षेत्राधिकारियों एवं संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि नई व्यवस्था को पूरी गंभीरता से लागू किया जाए। किसी भी स्तर पर लापरवाही पाए जाने पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

मतदाता सूची से 300 नाम गायब, बीएलओ के विरुद्ध कार्रवाई की मांग

पूर्व प्रधान ने शपथ पत्र के साथ अधिकारियों को सौंपी शिकायत, निष्पक्ष जांच और विभागीय कार्रवाई की उठाई मांग

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बस्ती। जिले के विकास खंड दुबौलिया की ग्राम पंचायत पिठिया लश्करी में पंचायत मतदाता सूची से करीब 300 मतदाताओं के नाम हटाए जाने का मामला सामने आया है। ग्राम पंचायत के पूर्व प्रधान राम उजागिर यादव ने बीएलओ प्रियंका यादव पर राजनीतिक द्वेष के चलते मतदाताओं के नाम हटाने का आरोप लगाते हुए शपथ पत्र के साथ उच्च अधिकारियों को शिकायत सौंपकर निष्पक्ष जांच और विभागीय कार्रवाई की मांग की है। शिकायत के अनुसार, वर्ष 2026 की अंतिम पंचायत मतदाता सूची में बिना किसी वैध कारण के लगभग 300 मतदाताओं के नाम विलोपित कर दिए गए हैं। पूर्व प्रधान का कहना है कि सभी प्रभावित मतदाता ग्राम पंचायत पिठिया लश्करी के स्थायी निवासी हैं और उनके नाम न तो किसी अन्य ग्राम पंचायत की मतदाता सूची में दर्ज हैं और न ही उनका निवास स्थान बदला है।

शिकायत में आरोप लगाया गया है कि कुछ लोगों को पंचायत चुनाव में अनुचित लाभ पहुंचाने की नीयत से मतदाताओं के नाम हटाए गए हैं। बताया गया कि संबंधित मतदाताओं के नाम वर्ष 2021 की पंचायत मतदाता सूची और विधानसभा मतदाता सूची में दर्ज थे तथा उन्होंने विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण (एसआईआर) की प्रक्रिया भी पूरी की थी। इसके बावजूद उनके नाम नई सूची से हटा दिए गए, जिससे वे मताधिकार से वंचित हो गए हैं। पूर्व प्रधान ने मांग की है कि पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर सभी विलोपित मतदाताओं के नाम वर्ष 2026 की पंचायत मतदाता सूची में पुनः शामिल किए जाएं तथा दोषी पाए जाने पर संबंधित बीएलओ के विरुद्ध विधिक एवं विभागीय कार्रवाई की जाए। बताया गया कि एसडीओ पंचायत दुबौलिया द्वारा मामले की जांच की गई है, लेकिन अब तक मतदाताओं के नाम सूची में नहीं जोड़े गए हैं। प्रभावित मतदाताओं का कहना है कि यदि जल्द ही सभी पात्र मतदाताओं के नाम मतदाता सूची में शामिल नहीं किए जाते और जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई नहीं होती, तब तक उनका संघर्ष जारी रहेगा। इस संबंध में पक्ष जानने के लिए उपजिलाधिकारी हर्रैया उमाकांत तिवारी से फोन पर संपर्क करने का प्रयास किया गया, लेकिन उनसे संपर्क नहीं हो सका।

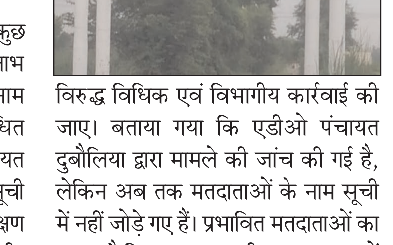

घर में घुसकर चोरी करने वाला शातिर चोर गिरफ्तार, मोबाइल, साइकिल व नकदी बरामद

भदोही। ज्ञानपुर थाना पुलिस ने घर में घुसकर चोरी करने वाले एक शातिर चोर को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से चोरी का मोबाइल फोन, साइकिल और 650 रुपये नकद बरामद किया है। आरोपी की निशानदेही पर चोरी की गई साइकिल भी बरामद कर ली गई। मामले में पुलिस ने संबंधित धाराओं की बढ़ोतरी करते हुए आगे की विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, तहसील ज्ञानपुर के पीछे स्थित एक मकान से साइकिल, गैस सिलेंडर, मोबाइल फोन और चार्जर चोरी होने के मामले में मुकदमा दर्ज किया गया था। विवेचना के दौरान मुखबिर की सूचना पर घाटमपुर पुलिया से कार्तिक उपाध्याय पुत्र स्व. भवानी प्रसाद निवासी ग्राम मिल्की, थाना ज्ञानपुर (वर्तमान पता नरपतपुर, थाना चौरी) को गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि उसने 26 जुलाई की रात घर में घुसकर चोरी की थी।

आईटीआई में 30 जुलाई को रोजगार व अप्रेंटिसशिप कैंप

देवरिया। राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान देवरिया में 30 जुलाई को सुबह 10:30 बजे रोजगार एवं अप्रेंटिसशिप चयन कैंप का आयोजन किया जाएगा। कैंप में निजी कंपनी के साथ-साथ जिले के औद्योगिक प्रतिष्ठानों में अप्रेंटिसशिप के लिए भी अभ्यर्थियों का चयन होगा। आईटीआई के प्रधानाचार्य के.के. राम ने बताया कि रोजगार के लिए त्रिवेणी आलमीरा प्रा. लि., ग्रेटर नोएडा अभ्यर्थियों का चयन करेगी। वहीं जनपद के पंजीकृत औद्योगिक प्रतिष्ठानों में अप्रेंटिसशिप के लिए भी आवेदन स्वीकार किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि फिटर, वेल्डर, इलेक्ट्रिशियन, टर्नर, मशीनिस्ट एवं इलेक्ट्रॉनिक्स मैकेनिक ट्रेड से आईटीआई उत्तीर्ण या अंतिम वर्ष में अध्ययनरत अभ्यर्थी कैंप में भाग ले सकते हैं। अभ्यर्थियों की आयु 18 से 25 वर्ष निर्धारित की गई है। चयन प्रक्रिया में शामिल होने के लिए अभ्यर्थियों को सभी शैक्षिक अंकपत्र एवं प्रमाण-पत्रों की मूल प्रति व छायाप्रति, बायोडाटा, आधार कार्ड तथा अप्रेंटिसशिप पंजीकरण से संबंधित आवश्यक अभिलेख साथ लाने होंगे।

नवंबर तक 75% बजट खर्च करें, लम्पी रोग पर तुरंत कार्रवाई हो: धर्मपाल सिंह

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। प्रदेश के पशुधन एवं दुग्ध विकास मंत्री धर्मपाल सिंह ने विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि सरकार की सभी योजनाओं का समयबद्ध, गुणवत्तापूर्ण और पारदर्शी तरीके से क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि नवंबर 2026 तक विभागीय बजट का कम से कम 75 प्रतिशत व्यय हर हाल में पूरा किया जाए। निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप बजट खर्च नहीं होने पर संबंधित अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाएगी और आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। सोमवार को विधान भवन स्थित अपने कार्यालय कक्ष में आयोजित पशुधन एवं दुग्ध विकास विभाग की समीक्षा बैठक में मंत्री ने विभाग की विभिन्न योजनाओं और कार्यक्रमों की प्रगति की विस्तार से समीक्षा की। उन्होंने कहा कि सरकार की प्राथमिकता पशुपालकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने, पशुधन संरक्षण तथा दुग्ध उत्पादन को बढ़ावा देने की है। इसलिए किसी भी स्तर पर लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। धर्मपाल सिंह ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रदेश में लम्पी स्किन डिजीज (एलएसडी) की रोकथाम के लिए सभी आवश्यक तैयारियां पहले से पूरी रखी जाएं। यदि कहीं से भी इस बीमारी की सूचना प्राप्त होती है तो तत्काल प्रभाव से चिकित्सा टीम भेजकर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि सभी जिलों में लगातार निगरानी रखी जाए तथा दवाइयों, टीकों और अन्य संसाधनों की पर्याप्त उपलब्धता बनी रहे, ताकि रोग के फैलाव को प्रारंभिक स्तर पर ही रोका जा सके। उन्होंने संचारी रोग नियंत्रण अभियान, एफएमडी टीकाकरण तथा निराश्रित गोवंश के संरक्षण की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि वर्षा ऋतु के दौरान पशुओं के स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान दिया जाए और सभी पशु चिकित्सालयों को पूरी तरह सक्रिय रखा जाए। मंत्री ने वर्षा ऋतु को देखते हुए गोआश्रय स्थलों की व्यवस्थाओं पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि किसी भी गोआश्रय स्थल पर जलभराव की स्थिति नहीं होनी चाहिए। परिसर को साफ-सुथरा और सूखा रखा जाए तथा गोवंश के बैठने के लिए पर्याप्त चबूतरे और शेड उपलब्ध कराए जाएं। बारिश से बचाव के सभी इंतजाम समय रहते पूरे कर लिए जाएं ताकि गोवंश को किसी प्रकार की परेशानी न हो। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि प्रत्येक जनपद में कम से कम पांच एकड़ भूमि पर हरे चारे की खेती कराई जाए। इस कार्य की नियमित प्रगति रिपोर्ट निदेशालय को भेजी जाए, जिससे निगरानी के साथ पशुओं के लिए पर्याप्त चारे की उपलब्धता सुनिश्चित की जा सके। धर्मपाल सिंह ने कहा कि प्रदेश में पशुपालकों के हित में नियमित रूप से पशु मेलों का आयोजन किया जाए। उन्होंने कहा कि पशु मेले आधुनिक पशुपालन तकनीकों, बेहतर नस्लों के प्रचार-प्रसार तथा पशुपालकों की आय बढ़ाने का महत्वपूर्ण माध्यम हैं। इसलिए इनके आयोजन में किसी भी प्रकार की शिथिलता नहीं बरती जानी चाहिए। बैठक में मंत्री ने दुग्ध विकास कार्यक्रमों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को दुग्ध समितियों की संख्या बढ़ाने, दुग्ध उत्पादों की गुणवत्ता बनाए रखने तथा किसानों को दुग्ध मूल्य का नियमित और समयबद्ध भुगतान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

बीजेएसपी ने डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम की 11वीं पुण्यतिथि पर किया नमन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

अध्यक्ष का संदेशः बृजमोहन सिंह ने कहाः 'डॉ. कलाम जी ने जीरो से शुरू करके भारत को बुलंदियों तक पहुंचाया। वो झोपड़ी से निकले और राष्ट्रपति भवन तक गए, लेकिन सादगी नहीं छोड़ी। आज उनकी पुण्यतिथि पर हम संकल्प लेते हैं कि उनके दिखाए रास्ते - ईमानदारी, विज्ञान और देशसेवा - पर चलेंगे।'

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में भारतीय जन समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष बृजमोहन सिंह ने 'भारत रत्न', 'मिसाइल मैन', 'जनता के राष्ट्रपति' डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम की 11वीं पुण्यतिथि पर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। डॉ. कलाम - देश के लिए उनका योगदानः 1. मिसाइल मैनः अग्नि, पृथ्वी, त्रिशूल जैसी मिसाइलें बनाकर भारत को रक्षा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाया। 2. परमाणु शक्तिः 1998 में पोखरण-2 परमाणु परीक्षण में अहम भूमिका निभाई। भारत को परमाणु शक्ति संपन्न देश बनाया। 3. वैज्ञानिक और शिक्षकः ISRO और DRDO में रहकर देश के अंतरिक्ष और रक्षा कार्यक्रमों को नई ऊंचाई दी। 4. युवाओं के प्रेरणा स्रोतः राष्ट्रपति बनने के बाद भी क्लासरूम में जाकर बच्चों को पढ़ाते रहे। 10 लाख से ज्यादा छात्रों से सीधे संवाद किया। 5. 'विकसित भारत 2020' का सपनः उन्होंने 21वीं सदी में भारत को महाशक्ति बनाने का रोडमैप दिया। अध्यक्ष का संदेशः बृजमोहन सिंह ने कहाः 'डॉ. कलाम जी ने जीरो से शुरू करके भारत को बुलंदियों तक पहुंचाया। वो झोपड़ी से निकले और राष्ट्रपति भवन तक गए, लेकिन सादगी नहीं छोड़ी। आज उनकी पुण्यतिथि पर हम संकल्प लेते हैं कि उनके दिखाए रास्ते - ईमानदारी, विज्ञान और देशसेवा - पर चलेंगे।' भारतीय जन समाज पार्टी के स्लोगन डॉ. कलाम के नामः 1. 'सपने देखो, उन्हें पूरा करने की हिम्मत रखो' - BJSP 2. 'कलाम के विचार, युवा का अधिकार' 3. 'भ्रष्टाचार मुक्त भारत, यही कलाम का सपना' 4. 'पेपर लीक नहीं, प्रतिभा की जीत - यही सच्ची श्रद्धांजलि' भारतीय जन समाज पार्टी युवाओं से अपील करती है कि आज के दिन 1 घंटा पढ़ाई करके और 1 पेड़ लगाकर डॉ. कलाम जी को सच्ची श्रद्धांजलि दें। 'मृत्यु तब होती है जब लोग आपको भूल जाते हैं - कलाम जी, आप अमर हैं।

नंदेश्वर धाम स्थापना दिवस पर उमड़ा आस्था का सैलाब

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में उद्यान विभाग परिसर स्थित नंदेश्वर धाम मंदिर का स्थापना दिवस मंगलवार को श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के साथ धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर मंदिर परिसर में सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में कर्मचारियों, अधिकारियों एवं श्रद्धालुओं ने भाग लेकर भगवान के प्रति अपनी आस्था व्यक्त की। कार्यक्रम का शुभारंभ विधिवत पूजा-अर्चना एवं हवन-पूजन के साथ हुआ। सुंदरकांड पाठ के दौरान पूरा वातावरण भक्तिमय हो उठा। श्रद्धालुओं ने भगवान के जयकारों के बीच धार्मिक अनुष्ठानों में सहभागिता निभाई और सुख-समृद्धि की कामना की। पूजा-अर्चना के उपरांत भव्य भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें सैकड़ों श्रद्धालुओं ने भक्तिभाव के साथ प्रसाद ग्रहण किया। स्थापना दिवस समारोह में उद्यान विभाग के कर्मचारी एवं अधिकारी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। इस अवसर पर राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद के जिला मंत्री सुभाष चंद्र तिवारी, उद्यान विभाग लिपिक संवर्ग कर्मचारी संघ उत्तर प्रदेश के संयुक्त मंत्री अतुल कपूर तथा उद्यान महासंघ के अध्यक्ष अविनाश चंद श्रीवास्तव सहित सैकड़ों कर्मचारी एवं अधिकारी मौजूद रहे। सभी ने नंदेश्वर धाम मंदिर की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए स्थापना दिवस की शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम के सफल आयोजन को लेकर उपस्थित श्रद्धालुओं और कर्मचारियों ने आयोजन समिति की सराहना की। पूरे आयोजन के दौरान मंदिर परिसर में श्रद्धा, भक्ति और उत्साह का माहौल बना रहा।

धनुआसाड़ में उमड़ा जनसैलाब, पूर्व मंत्री शिवपाल सिंह यादव ने स्व. सत्यदेव सिंह यादव को दी भावभीनी श्रद्धांजलि

......पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि सभा में जनसेवा को किया याद, विशाल भंडारे में सैकड़ों लोगों ने ग्रहण किया प्रसाद; सपा नेताओं और जनप्रतिनिधियों की रही बड़ी मौजूदगी।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मोहनलालगंज, लखनऊ। राजधानी लखनऊ के मोहनलालगंज क्षेत्र के धनुआसाड़ गांव में सोमवार को समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व मंत्री शिवपाल सिंह यादव ने समाजसेवी और पूर्व जिला पंचायत सदस्य स्वर्गीय सत्यदेव सिंह यादव की पुण्यतिथि पर आयोजित श्रद्धांजलि सभा में पहुंचकर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने स्व. सत्यदेव सिंह यादव के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उनके सामाजिक योगदान को नमन किया। इस दौरान श्रद्धांजलि सभा में बड़ी संख्या में समर्थकों, जनप्रतिनिधियों और ग्रामीणों की मौजूदगी से पूरा परिसर श्रद्धा और सम्मान के भाव से सराबोर हो उठा। श्रद्धांजलि सभा को संबोधित करते हुए शिवपाल सिंह यादव ने कहा कि स्व. सत्यदेव सिंह यादव ने अपना पूरा जीवन समाजसेवा और जनकल्याण के लिए समर्पित किया। वे हमेशा गरीबों, किसानों और जरूरतमंदों की सहायता के लिए आगे रहते थे। उनका सादगीपूर्ण व्यक्तित्व, सेवा भाव और समाज के प्रति समर्पण आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत रहेगा। उन्होंने कहा कि ऐसे व्यक्तित्व कभी भुलाए नहीं जा सकते और उनके आदर्शों पर चलना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी। कार्यक्रम में पूर्व चेयरमैन सहदेव सिंह यादव, ग्राम प्रधान पदम सिंह यादव, पूर्व विधायक श्याम किशोर यादव, पूर्व विधायक अम्ब्रीश सिंह पुष्कर, समाजवादी पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष सीएल वर्मा, राम सिंह यादव, वरिष्ठ अधिवक्ता श्रवण यादव, अभिषेक दीक्षित, अभिषेक सिंह, आर्यन सिंह तथा क्रिधव सिंह सहित बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि और गणमान्य नागरिक मौजूद रहे। श्रद्धांजलि सभा के उपरांत आयोजित विशाल भंडारे में क्षेत्र के सैकड़ों लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। आयोजन स्थल पर दिनभर श्रद्धालुओं और समर्थकों का तांता लगा रहा। पूरे कार्यक्रम में सामाजिक एकता, आपसी सद्भाव और स्व. सत्यदेव सिंह यादव के प्रति लोगों के सम्मान की झलक स्पष्ट दिखाई दी। आयोजन को सफल बनाने में परिवार के सदस्यों एवं ग्रामीणों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

संक्षिप्त खबरें

38 सड़क परियोजनाओं के लिए 36.64 करोड़ रुपये की धनराशि जारी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार ने राज्य सड़क निधि योजना के अंतर्गत विभिन्न मंडलों के अलग-अलग जनपदों में स्वीकृत एवं निर्माणाधीन 38 सड़क परियोजनाओं को गति देने के लिए 36 करोड़ 64 लाख 7 हजार रुपये की अवशेष धनराशि जारी कर दी है। इस संबंध में लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) ने शासनादेश जारी करते हुए संबंधित अधिकारियों को समयबद्ध तरीके से कार्य पूरा करने के निर्देश दिए हैं। जारी शासनादेश के अनुसार यह धनराशि राज्य सड़क निधि योजना के तहत पहले से स्वीकृत और प्रगति पर चल रहे मार्गों के निर्माण एवं विकास कार्यों पर खर्च की जाएगी। सरकार का उद्देश्य सड़क परियोजनाओं को निर्धारित समय सीमा के भीतर पूरा कर आमजन को बेहतर और सुरक्षित यातायात सुविधाएं उपलब्ध कराना है।

पर्यटन परियोजनाएं अब केवल प्रस्तावों पर नहीं, जमीनी सत्यापन के बाद होंगी मंजूरः जयवीर सिंह

लखनऊ। प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने वित्तीय वर्ष 2026-27 की पर्यटन विभाग की कार्ययोजना की समीक्षा शुरू करते हुए स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि अब पर्यटन परियोजनाओं को केवल कागजी प्रस्तावों के आधार पर मंजूरी नहीं मिलेगी। प्रत्येक परियोजना का पहले जमीनी सत्यापन, उसकी उपयोगिता, जनहित और व्यावहारिकता का आकलन किया जाएगा। साथ ही सभी लंबित परियोजनाओं को आगामी नवंबर 2026 तक पूरा करने के निर्देश भी दिए गए हैं। सोमवार को जारी बयान में मंत्री ने बताया कि प्रदेश में पर्यटन को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने और पर्यटकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए पर्यटन अवस्थापना के विकास पर विशेष जोर दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि वित्तीय वर्ष 2025-26 में राज्य सेक्टर के अंतर्गत प्रदेश के विभिन्न पर्यटन स्थलों पर आधारभूत सुविधाओं के विकास के लिए 575 परियोजनाएं स्वीकृत की गई हैं, जिन पर 1,198.41 करोड़ रुपये (119841.10 लाख रुपये) खर्च किए जा रहे हैं।

राज्य संग्रहालय में कारगिल विजय दिवस पर प्रदर्शनी, डॉ. वासुदेव शरण अग्रवाल स्मृति व्याख्यानमाला का शुभारंभ

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह की पहल पर राज्य संग्रहालय, लखनऊ में 26 जुलाई से 7 अगस्त 2026 तक आयोजित होने वाली 'डॉ. वासुदेव शरण अग्रवाल स्मृति व्याख्यानमाला' का शुभारंभ कारगिल विजय दिवस के अवसर पर किया गया। कार्यक्रम के तहत कारगिल के शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए विशेष प्रदर्शनी का उद्घाटन किया गया तथा भारतीय कला, संस्कृति, इतिहास और पुरातत्व के विभिन्न आयामों पर व्याख्यानों की श्रृंखला शुरू हुई। कार्यक्रम की शुरुआत में आमंत्रित अतिथियों और राज्य संग्रहालय के अधिकारियों ने कारगिल के अमर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की और प्रदर्शनी का अवलोकन किया। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि व्याख्यानमाला का उद्देश्य भारतीय कला, संस्कृति, इतिहास एवं पुरातत्व के प्रख्यात विद्वान डॉ. वासुदेव शरण अग्रवाल के बहुमूल्य योगदान का स्मरण करते हुए देश की सांस्कृतिक विरासत के विभिन्न पहलुओं पर सार्थक संवाद को बढ़ावा देना है। मुख्य वक्ता प्रो. के.के. थपल्याल, पूर्व विभागाध्यक्ष, प्राचीन भारतीय इतिहास एवं पुरातत्व विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय ने अपने व्याख्यान में डॉ. अग्रवाल के व्यक्तित्व, कृतित्व और शोध कार्यों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि डॉ. अग्रवाल ने भारतीय संस्कृति, कला और इतिहास के अध्ययन को नई दृष्टि प्रदान की। उनके शोध कार्यों ने भारतीय परंपराओं, लोकसंस्कृति और सांस्कृतिक निरंतरता को समझने का मजबूत आधार तैयार किया। उन्होंने कहा कि डॉ. अग्रवाल के लेखन में भारतीयता की गहरी संवेदना और सांस्कृतिक चेतना का अद्भुत समन्वय दिखाई देता है। विशिष्ट अतिथि प्रो. शैलेन्द्र नाथ कपूर ने डॉ. अग्रवाल की प्रसिद्ध कृति 'पाणिनिकालीन भारत' का उल्लेख करते हुए कहा कि यह भारतीय इतिहास लेखन की अमूल्य धरोहर है। उन्होंने बताया कि इस ग्रंथ में महर्षि पाणिनि की अष्टाध्यायी को ऐतिहासिक स्रोत मानकर तत्कालीन भारतीय समाज, प्रशासन, अर्थव्यवस्था, शिक्षा, व्यापार, उद्योग, धर्म, संस्कृति और जनजीवन का वैज्ञानिक एवं प्रमाणिक चित्र प्रस्तुत किया गया है। उन्होंने कहा कि डॉ. अग्रवाल ने यह सिद्ध किया कि व्याकरण जैसे साहित्यिक ग्रंथ भी इतिहास और संस्कृति के अध्ययन के महत्वपूर्ण स्रोत हो सकते हैं।

लुलु मॉल में फनटुरा की दो दिवसीय शतरंज प्रतियोगिता सम्पन्न

26 जिलों के 330 खिलाड़ियों ने दिखाई प्रतिभा।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। लुलु मॉल, लखनऊ स्थित प्रमुख इनडोर एम्यूज़मेंट एवं फैमिली एंटरटेनमेंट डेस्टिनेशन फनटुरा द्वारा 25 एवं 26 जुलाई 2026 को एट्रियम-1 में आयोजित दो दिवसीय फनटुरा शतरंज प्रतियोगिता का सफल समापन हुआ। प्रतियोगिता में उत्तर प्रदेश के 26 जिलों से आए कुल 330 खिलाड़ियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और अपनी शतरंज प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता में अंडर-7, अंडर-9, अंडर-11, अंडर-13, अंडर-15, अंडर-19, महिला, ओपन एवं वेटरन सहित विभिन्न वर्गों में मुकाबले आयोजित किए गए। इससे सभी आयु वर्ग के खिलाड़ियों को अपनी रणनीतिक क्षमता और खेल कौशल प्रदर्शित करने का अवसर मिला। आयोजन ने खिलाड़ियों, अभिभावकों और दर्शकों के बीच विशेष उत्साह का माहौल बनाया। कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों, युवाओं एवं वयस्कों में रणनीतिक सोच, खेल भावना और बौद्धिक विकास को बढ़ावा देना था। विभिन्न स्कूलों, शतरंज अकादमियों तथा स्वतंत्र खिलाड़ियों ने प्रतियोगिता के दौरान अनुशासन, एकाग्रता और उत्कृष्ट खेल भावना का परिचय दिया। इस अवसर पर श्री जयाकुमार गंगाधरन, डायरेक्टर - यूपी, दिल्ली एवं तेलंगाना, लुलु ग्रुप ने कहा कि ऐसे बौद्धिक एवं कौशल-आधारित आयोजन बच्चों और युवाओं के मानसिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि लुलु ग्रुप भविष्य में भी प्रतिभाओं को मंच प्रदान करने वाले आयोजनों का समर्थन करता रहेगा। बिजू सुगाथन, रीजनल डायरेक्टर - यूपी, दिल्ली एवं तेलंगाना, लुलु ग्रुप ने अपने संबोधन में कहा कि शतरंज केवल मनोरंजन का साधन नहीं, बल्कि धैर्य, रणनीतिक सोच और निर्णय क्षमता विकसित करने का प्रभावी माध्यम है। वहीं समीर वर्मा, रीजनल मैनेजर - यूपी, दिल्ली एवं तेलंगाना, लुलु ग्रुप ने प्रतिभागियों को बधाई देते हुए कहा कि ऐसी प्रतियोगिताएं युवाओं में विश्लेषणात्मक सोच, अनुशासन और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना को प्रोत्साहित करती हैं। वसीम अहमद ख़ान, ऑपरेशंस मैनेजर - लुलु फनटुरा ने प्रतियोगिता में मिली शानदार भागीदारी पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि फनटुरा का उद्देश्य केवल मनोरंजन उपलब्ध कराना नहीं, बल्कि सीखने, कौशल विकास और पारिवारिक सहभागिता को भी बढ़ावा देना है। उन्होंने कहा कि भविष्य में भी फनटुरा इस प्रकार के शैक्षिक, खेल एवं कौशल-आधारित आयोजनों का आयोजन करता रहेगा। प्रतियोगिता का समापन भव्य पुरस्कार वितरण समारोह के साथ हुआ, जिसमें विभिन्न वर्गों के विजेताओं को सम्मानित किया गया। 26 जिलों से आए 330 खिलाड़ियों की भागीदारी ने इस आयोजन को राज्य स्तरीय पहचान दिलाई। फनटुरा ने एक बार फिर साबित किया कि वह लखनऊ में पारिवारिक मनोरंजन के साथ-साथ ज्ञान, खेल और कौशल विकास को बढ़ावा देने वाला अग्रणी केंद्र है।

बी0 आर0 सी0 खैराबाद में ब्लॉक स्तरीय शिक्षकों की मासिक बैठक संपन्न

सभी कार्यों को गुणवत्ता पूर्ण और समय से पूरा करें:- प्रियांशी ससेना खण्ड शिक्षा अधिकारी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

खैराबाद सीतापुर। ब्लॉक स्तरीय विद्यालयों के प्रधानाध्यापकों की मासिक बैठक स्थानीय बी आर सी में खंड शिक्षा अधिकारी खैराबाद प्रियांशी सक्सेना की अध्यक्षता में संपन्न हुई जिसमें ब्लॉक के सभी विद्यालयों के प्रधान अध्यापकों ने प्रतिभाग किया, बैठक में खण्ड शिक्षा अधिकारी ने कहा कि अपने सभी कार्यों को प्रथम वरीयता में किया करें ताकि किसी भी प्रकार की कोई पेंडिंग न रहने पाए वर्तमान समय में जवाहर नवोदय विद्यालय में प्रवेश फॉर्म भरने के लिए सभी से युद्ध स्तर पर कार्य करने को कहा तथा विभागीय निर्देशों के अनुसार अपने समस्त कार्य शीघ्र पूरे करें प्रत्येक विद्यालय में अच्छे से रंगाई पुताई होनी चाहिए कक्षा कक्ष में ग्रीन बोर्ड मानक के अनुसार लगे होना चाहिए समय का पालन अनिवार्य रूप से किया जाए इसमें किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त न की जाएगी।इसके बाद ए आर पी आशुतोष कुमार और संजीव पटेरिया ने मीटिंग एजेंडा के प्रत्येक बिंदु को साझा किया जबकि ए आर पी पूनम बाजपेई और शिवेन्द्र प्रताप सिंह ने चर्चा किया तथा जिला अधिकारी महोदय द्वारा जारी इक्कीस बिंदु की एस ओ पी पर भी विस्तार से समझाया खण्ड शिक्षा अधिकारी ने कहा कि प्रत्येक विद्यालय में समाचार पत्र को आवश्यक रूप से मंगवाया जाए और बच्चों को पढ़ने के लिए दिया जाए जिससे उनकी पठन पाठन क्रिया में सुधार हो सके, निपुण आंकलन प्रत्येक माह के पहले सप्ताह में आवश्यक रूप से पूर्ण कर लेना चाहिए । विद्यालयों में प्रत्येक माह में अधिक उपस्थिति वाले बच्चों के साथ साथ उनके अभिभावकों का भी सम्मान किया जाए। ज्ञात रहे कि इस बार बैठक दो दिवस में सम्पन्न हुई पहले दिन पांच संकुल और आज पांच संकुलों को आमंत्रित किया गया था इन दोनों दिवसों में पूर्व माध्यमिक जूनियर हाईस्कूल शिक्षक संघ खैराबाद अध्यक्ष नरेश मिश्रा मंत्री जहीर आलम वरिष्ठ उपाध्यक्ष काजिम हुसैन सिद्दीकी उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ अध्यक्ष पवन कुमार सिंह , मंत्री अमित त्रिपाठी आदि मौजूद रहे ।इसके अलावा बी आर सी स्टाफ में पंकज कुमार रावत,ब्रजेश दीक्षित, सुधीर कुमार,मनीष पाल,प्रमोद यादव,सिराज अहमद,रमेश रस्तोगी, संतोष त्रिवेदी अदीब अंसारी संजय कुमार आदि ने सभी कार्यों में सहयोग किया।

प्रदेश की छह बड़ी औद्योगिक परियोजनाओं को मिली एलओसी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार ने राज्य में औद्योगिक निवेश को बढ़ावा देने और रोजगार के नए अवसर सृजित करने की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए उत्तर प्रदेश औद्योगिक निवेश एवं रोजगार प्रोत्साहन नीति-2022 के तहत वृहद श्रेणी की छह औद्योगिक इकाइयों को लेटर ऑफ कम्फर्ट (एलओसी) जारी करने की स्वीकृति प्रदान की है। अधिकृत समिति की संस्तुतियों के आधार पर लिए गए इस निर्णय से प्रदेश में 716 करोड़ रुपये से अधिक के नए औद्योगिक निवेश का मार्ग प्रशस्त होगा। अपर मुख्य सचिव आलोक कुमार द्वारा जारी शासनादेश के अनुसार स्वीकृत परियोजनाओं में धामपुर बायो ऑर्गेनिक्स लिमिटेड (बरेली) की 60 करोड़ रुपये, के.एन. इंजीनियरिंग सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड (फिरोजाबाद) की 160.20 करोड़ रुपये, वीफॉर्म टेक्नोपैक लिमिटेड (वाराणसी) की 167.22 करोड़ रुपये, वीफॉर्म टेक्नोपैक लिमिटेड (गौतमबुद्ध नगर) की 120.97 करोड़ रुपये, प्रीमियर मेडिकल सिस्टम्स एंड डिवाइसेज प्राइवेट लिमिटेड (गौतमबुद्ध नगर) की 68 करोड़ रुपये तथा एस्ट्रल लिमिटेड (कानपुर देहात) की 139.53 करोड़ रुपये की निवेश परियोजनाएं शामिल हैं। सरकार के अनुसार इन सभी परियोजनाओं को औद्योगिक नीति-2022 के तहत पूंजीगत सब्सिडी और नेट एसजीएसटी प्रतिपूर्ति सहित विभिन्न प्रोत्साहन दिए जाएंगे। इससे प्रदेश में नई औद्योगिक इकाइयों की स्थापना और मौजूदा इकाइयों के विस्तार को गति मिलेगी।

संपादकीय

क्या सपा कांग्रेस में समझौता हो चुका है

2027 के यूपी विधानसभा चुनाव को लेकर कांग्रेस के राज्य स्तरीय नेताओं के सीट बंटवारे को लेकर बयान जारी हैं लेकिन सपा प्रमुख अखिलेश यादव और कांग्रेस के राहुल गांधी सीट के मुद्दों पर नहीं बोल रहे हैं। सूत्रों से पता चला है कि विपक्ष के दोनों नेताओं के बीच सीट बंटवारे को लेकर बातचीत हो चुकी है। उत्तर प्रदेश में कांग्रेस अपने दम पर चुनाव लड़कर कुछ भी हासिल नहीं कर सकती लेकिन यह जरूर है कि वह समाजवादी पार्टी का नुक़सान अवश्य कर सकती है। पिछले लोकसभा चुनाव में सपा ने भारतीय जनता पार्टी को उत्तर प्रदेश में पछाड़ दिया था। यहां सपा ने 37 तो भाजपा ने 33 सीटों पर विजय प्राप्त की थी। इस चुनाव परिणाम को लेकर सपा नेताओं के हौसले बुलंद हैं लेकिन वो लोकसभा चुनाव थे और 27 में विधानसभा चुनाव होने हैं दोनों में काफी अंतर है। 2027 के यूपी विधानसभा चुनाव को लेकर क्या अखिलेश और राहुल में समझौता हो गया है ? उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2027 अभी कुछ महीने दूर है, लेकिन राजनीतिक हलचल तेज हो चुकी है। सबसे अधिक चर्चा समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव और कांग्रेस नेता राहुल गांधी के बीच संभावित चुनावी समझौते को लेकर है। हाल के दिनों में दोनों नेताओं की मुलाकातों, संयुक्त रणनीति की खबरों और सीट बंटवारे पर चल रही चर्चाओं ने इस सवाल को जन्म दिया है कि क्या दोनों दलों के बीच समझौता हो चुका है या अभी केवल बातचीत का दौर चल रहा है। उपलब्ध राजनीतिक संकेतों के आधार पर यह कहा जा सकता है कि समाजवादी पार्टी और कांग्रेस दोनों साथ चुनाव लड़ने की इच्छा सार्वजनिक रूप से जता चुके हैं, लेकिन सीटों के अंतिम बंटवारे और औपचारिक घोषणा पर अभी सहमति नहीं बनी है। लोकसभा चुनाव की सफलता बनी आधार – 2024 के लोकसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी और कांग्रेस ने मिलकर भाजपा को उत्तर प्रदेश में कड़ी चुनौती दी थी। इस प्रदर्शन ने दोनों दलों का आत्मविश्वास बढ़ाया। यही कारण है कि दोनों नेतृत्व यह मानकर चल रहे हैं कि विधानसभा चुनाव में भी गठबंधन उन्हें राजनीतिक लाभ दे सकता है। राहुल–अखिलेश की मुलाकात से बढ़ी अटकलें हाल ही में संसद सत्र के दौरान राहुल गांधी, प्रियंका गांधी और अखिलेश यादव की बैठक ने राजनीतिक चर्चाओं को और तेज कर दिया। कई रिपोर्टों में दावा किया गया कि इस बैठक में उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव और सीट बंटवारे पर प्रारंभिक चर्चा हुई। हालांकि किसी भी दल ने आधिकारिक रूप से समझौते की घोषणा नहीं की है। सबसे बड़ा सवाल: सीट बंटवारा– गठबंधन की सबसे बड़ी चुनौती सीटों का बंटवारा है। समाजवादी पार्टी स्वयं को उत्तर प्रदेश की सबसे मजबूत विपक्षी पार्टी मानती है। कांग्रेस चाहती है कि उसे सम्मानजनक हिस्सेदारी मिले। कांग्रेस के कुछ नेताओं ने बराबरी के आधार पर सीट साझेदारी की मांग भी रखी है। दूसरी ओर, सपा अपने संगठनात्मक आधार के अनुसार अधिक सीटों पर चुनाव लड़ना चाहती है। यही कारण है कि राजनीतिक इच्छा होने के बावजूद अंतिम फार्मूले पर अभी बातचीत जारी है। क्या दोनों दलों के बीच मतभेद खत्म हो गए ? ऐसा कहना जल्दबाज़ी होगी। समय–समय पर कांग्रेस और सपा के कुछ नेताओं के बयान गठबंधन को लेकर अलग–अलग संकेत देते रहे हैं। लेकिन शीर्ष नेतृत्व लगातार यह संदेश देता रहा है कि भाजपा के खिलाफ विपक्षी एकजुटता बनाए रखना उनकी प्राथमिकता है। भाजपा की रणनीति– भाजपा भी विपक्षी एकता की संभावना को ध्यान में रखकर अपनी रणनीति बना रही है। संगठन विस्तार, सामाजिक समीकरण और सरकार की योजनाओं के आधार पर वह लगातार चुनावी तैयारी में जुटी है। ऐसे में यदि विपक्ष एकजुट होता है तो मुकाबला अधिक रोचक हो सकता है। ओवैसी की एंट्री ने बदला समीकरण– हाल के दिनों में AIMIM प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने भी समाजवादी पार्टी के साथ मिलकर चुनाव लड़ने की इच्छा जताई है। इससे विपक्षी राजनीति में नई चर्चा शुरू हुई है। हालांकि सपा की ओर से इस पर कोई औपचारिक निर्णय सामने नहीं आया है। क्या समझौता हो गया है ? दोनों दल गठबंधन के पक्ष में सार्वजनिक संकेत दे रहे हैं। शीर्ष नेतृत्व के बीच संवाद लगातार जारी है। लेकिन अभी तक कोई आधिकारिक और अंतिम समझौते की घोषणा नहीं हुई है। उत्तर प्रदेश की राजनीति में अखिलेश यादव और राहुल गांधी की संभावित साझेदारी 2027 के चुनाव का सबसे महत्वपूर्ण राजनीतिक विषय बन चुकी है। दोनों दल जानते हैं कि अलग–अलग लड़ने की तुलना में साथ लड़ने से उनकी चुनावी संभावना बेहतर हो सकती है। दूसरी ओर, सीटों के बंटवारे, स्थानीय नेताओं की महत्वाकांक्षाओं और संगठनात्मक संतुलन जैसी चुनौतियां अभी भी मौजूद हैं। इसलिए वर्तमान परिस्थितियों में यह कहना अधिक उचित होगा कि समझौते की दिशा में महत्वपूर्ण प्रगति हुई है, लेकिन अंतिम और औपचारिक समझौता अभी घोषित नहीं हुआ है। आने वाले हफ्तों में सीट बंटवारे और संयुक्त अभियान पर होने वाले फैसले ही तय करेंगे कि 2027 का चुनाव वास्तव में राहुल गांधी और अखिलेश यादव की संयुक्त रणनीति के तहत लड़ा जाएगा या नहीं।

राजीव शुक्ला -(संपादक)

मेष-आज का दिन उत्साह और प्रसन्नता से भरा रहने की संभावना है। परिवार और मित्रों के साथ समय बिताने का अवसर मिल सकता है, जिससे मन प्रसन्न रहेगा। किसी करीबी की बात आपको क्षणभर के लिए परेशान कर सकती है, लेकिन उसे अधिक महत्व देने से बचना बेहतर रहेगा। यदि किसी यात्रा की योजना बना रहे हैं तो घर के वरिष्ठ सदस्यों की सलाह लाभदायक सिद्ध होगी।

वृषभ-आज सामाजिक और व्यावसायिक क्षेत्र में आपकी प्रतिष्ठा बढ़ सकती है। लंबे समय से किए जा रहे प्रयासों का सकारात्मक परिणाम मिलने के संकेत हैं। कार्यस्थल पर वरिष्ठ अधिकारियों के साथ किसी विषय पर मतभेद हो सकता है, इसलिए संयमित व्यवहार बनाए रखें। परिवार के किसी सदस्य की इच्छा पूरी करने से मानसिक संतोष मिलेगा।

मिथुन-आज कार्यक्षेत्र में सतर्कता बनाए रखना आवश्यक रहेगा। किसी व्यक्ति की सलाह पर बिना सोचे-समझे निर्णय लेने से बचें। परिवार के किसी बड़े सदस्य की बात पहले कठोर लग सकती है, लेकिन बाद में उसका महत्व समझ आएगा।

कर्क-आज का दिन पारिवारिक सुख और आर्थिक संतुलन लेकर आ सकता है। घर में किसी शुभ समाचार से प्रसन्नता का वातावरण बनेगा। यदि किसी पुराने आर्थिक दायित्व को लेकर चिंता थी तो उससे राहत मिलने के संकेत हैं।

सिंह-आज आपको अपने कार्यों को व्यवस्थित ढंग से पूरा करने की आवश्यकता होगी। एक साथ कई जिम्मेदारियां आने से व्यस्तता बढ़ सकती है। जल्दबाजी में लिए गए निर्णय बाद में परेशानी का कारण बन सकते हैं, इसलिए धैर्य बनाए रखें।

कन्या-आज का दिन आत्मविश्वास और सकारात्मक ऊर्जा से भरपूर रहेगा। प्रतियोगी परीक्षाओं या सरकारी सेवा की तैयारी कर रहे लोगों को शुभ समाचार मिल सकता है। किसी भी प्रकार का वचन देने से पहले परिस्थितियों का आकलन अवश्य करें।

तुला -आज सामान्य दिन रहेगा, लेकिन छोटी-छोटी बातों को लेकर मन विचलित हो सकता है। स्वास्थ्य संबंधी मामलों में लापरवाही न करें। आर्थिक लेन-देन सोच-समझकर करें और किसी पर आंख मूंदकर भरोसा करने से बचें। जीवनसाथी के कार्यों में व्यस्त रहने के कारण समय कम मिल सकता है, लेकिन आपसी समझ संबंधों को मजबूत बनाए रखेगी।

वृश्चिक-आज आर्थिक स्थिति में सुधार के संकेत मिल रहे हैं। आय बढ़ने से भविष्य की योजनाओं को गति मिलेगी। कार्यस्थल पर किसी सहकर्मी का व्यवहार आपको असहज कर सकता है, लेकिन संयम बनाए रखना ही उचित रहेगा।

धनु -आज जीवन में सुविधाओं और संसाधनों में वृद्धि के संकेत हैं। व्यवसाय में उतार-चढ़ाव के बावजूद लाभ मिलने की संभावना बनी रहेगी। नए विचारों को व्यवहार में लाने का यह उचित समय हो सकता है।

मकर -आज आपको अपनी वाणी और व्यवहार पर विशेष ध्यान देना होगा। अनावश्यक विवादों और दूसरों के मामलों में हस्तक्षेप करने से बचें। परिवार के सदस्यों का सहयोग कठिन परिस्थितियों में आपका मनोबल बढ़ाएगा।

कुंभ -आज व्यवसाय से जुड़े मामलों में विशेष सावधानी रखने की आवश्यकता है। किसी भी साझेदारी या नए समझौते से पहले सभी पहलुओं की अच्छी तरह जांच कर लें। स्वास्थ्य संबंधी आवश्यक जांच कराने की आवश्यकता महसूस हो सकती है।

मीन राशि-आज आपके भीतर नई योजनाओं पर काम करने का उत्साह रहेगा। हालांकि किसी भी कार्य में जल्दबाजी करने से बचना आवश्यक होगा। परिवार का सहयोग मिलेगा और संतान की उपलब्धियों से प्रसन्नता होगी।

प्रदेश में स्थापित ऊर्जा वन हरित भविष्य, ऊर्जा सुरक्षा और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में ठोस पहल

इन चुनौतियों के समाधान के लिए उत्तर प्रदेश सरकार ने 'एक पेड़ मां के नाम' वृक्षारोपण महायज्ञ-2026 के अंतर्गत ऊर्जा वन स्थापित करने की अभिनव पहल की है। यह पहल केवल वृक्षारोपण तक सीमित नहीं है, बल्कि ऊर्जा सुरक्षा, पर्यावरण संरक्षण, प्राकृतिक संसाधनों के सतत उपयोग तथा ग्रामीण आजीविका को मजबूत बनाने की दिशा में एक दूरदर्शी प्रयास है। प्रदेश के प्रत्येक विकास खण्ड में ऊर्जा वन स्थापित कर सरकार ने भविष्य की ऊर्जा आवश्यकताओं तथा पर्यावरणीय संतुलन दोनों को ध्यान में रखते हुए एक प्रभावी मॉडल प्रस्तुत किया है। भारत के ग्रामीण क्षेत्रों में आज भी बड़ी संख्या में परिवार ईंधन के रूप में लकड़ी का उपयोग करते हैं।

वर्तमान समय में पूरी दुनिया ऊर्जा संकट, जलवायु परिवर्तन और पर्यावरणीय असंतुलन जैसी गंभीर चुनौतियों का सामना कर रही है। बढ़ती जनसंख्या, औद्योगिकीकरण और प्राकृतिक संसाधनों के अत्यधिक दोहन के कारण ऊर्जा की मांग लगातार बढ़ रही है। भारत जैसे विशाल ग्रामीण आबादी वाले देश में आज भी बड़ी संख्या में परिवार भोजन पकाने और घरेलू आवश्यकताओं के लिए जलौनी लकड़ी पर निर्भर हैं। इसके परिणामस्वरूप प्राकृतिक वनों पर दबाव बढ़ता है, जिससे वनों का क्षरण, जैव विविधता पर प्रतिकूल प्रभाव तथा पर्यावरणीय असंतुलन जैसी समस्याएं उत्पन्न होती हैं। इन चुनौतियों के समाधान के लिए उत्तर प्रदेश सरकार ने 'एक पेड़ मां के नाम' वृक्षारोपण महायज्ञ–2026 के अंतर्गत ऊर्जा वन स्थापित करने की अभिनव पहल की है। यह पहल केवल वृक्षारोपण तक सीमित नहीं है, बल्कि ऊर्जा सुरक्षा, पर्यावरण संरक्षण, प्राकृतिक संसाधनों के सतत उपयोग तथा ग्रामीण आजीविका को मजबूत बनाने की दिशा में एक दूरदर्शी प्रयास है। प्रदेश के प्रत्येक विकास खण्ड में ऊर्जा वन स्थापित कर सरकार ने भविष्य की ऊर्जा आवश्यकताओं तथा पर्यावरणीय संतुलन दोनों को ध्यान में रखते हुए एक प्रभावी मॉडल प्रस्तुत किया है। भारत के ग्रामीण क्षेत्रों में आज भी बड़ी संख्या में परिवार ईंधन के रूप में लकड़ी का उपयोग करते हैं। विशेषकर वन क्षेत्रों के आसपास रहने वाले लोगों की दैनिक आवश्यकताओं का बड़ा हिस्सा जलौनी लकड़ी पर आधारित है। लगातार बढ़ती मांग के कारण प्राकृतिक वनों से लकड़ी का दोहन बढ़ता है, जिससे वन संपदा पर अतिरिक्त दबाव पड़ता है। पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा वर्ष 2020 में जारी रिपोर्ट के अनुसार वनों के निकट रहने वाले ग्रामीण अक्सर जलौनी लकड़ी का उपयोग करते हैं। देश में वन क्षेत्रों के आसपास करोड़ों ग्रामीण निवास करते हैं। जलौनी लकड़ी की मांग अत्यंत व्यापक है और यदि इसका वैकल्पिक एवं नियोजित समाधान विकसित नहीं किया गया, तो भविष्य में प्राकृतिक वनों पर दबाव और अधिक बढ़ सकता है। ऐसी परिस्थितियों में ऊर्जा वनों की अवधारणा एक व्यावहारिक और पर्यावरण अनुकूल समाधान के रूप में प्रदेश सरकार ने ठोस कदम उठाए है। ऊर्जा वन ऐसे विशेष वृक्षारोपण क्षेत्र हैं, जहां तीव्र गति से बढ़ने वाली प्रजातियों का रोपण किया जाता है ताकि अपेक्षाकृत कम समय में पर्याप्त मात्रा में लकड़ी उपलब्ध हो सके। इन वनों का उद्देश्य प्राकृतिक वनों पर निर्भरता कम करना, ग्रामीण क्षेत्रों में जलौनी लकड़ी की उपलब्धता सुनिश्चित करना तथा पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देना है। उत्तर प्रदेश सरकार ने 23 जुलाई 2026 को आयोजित 'एक पेड़ मां के नाम' वृक्षारोपण महायज्ञ–2026 के अंतर्गत प्रदेश के प्रत्येक विकास खण्ड में न्यूनतम एक हेक्टेयर क्षेत्र में ऊर्जा वन स्थापित किए। इस पहल का उद्देश्य भविष्य में जलौनी लकड़ी की आवश्यकता को योजनाबद्ध तरीके से पूरा करना तथा प्राकृतिक वनों को अनावश्यक दोहन से बचाना है। ऊर्जा वनों की सफलता इस बात पर निर्भर करती है कि उनमें ऐसी प्रजातियों का चयन किया जाए जो कम समय में तेजी से विकसित हों तथा पर्याप्त मात्रा में बायोमास उपलब्ध करा सकें। इसी उद्देश्य से ऊर्जा वनों में सिरस, बबूल, सुबबूल, गुटेल तथा कदम्ब जैसी तीव्र गति से बढ़ने वाली प्रजातियों का रोपण किया गया। इन वृक्षों की विशेषता यह है कि ये अपेक्षाकृत कम समय में विकसित होकर पर्याप्त लकड़ी उपलब्ध कराते हैं। साथ ही ये विभिन्न प्रकार की जलवायु एवं भूमि परिस्थितियों में भी अच्छी वृद्धि करते हैं। इन प्रजातियों से प्राप्त लकड़ी ग्रामीण क्षेत्रों में ईंधन के रूप में उपयोगी होने के साथ–साथ पर्यावरणीय दृष्टि से भी लाभकारी है। ऊर्जा वन स्थापना का अभियान प्रदेश के सभी विकास खण्डों में एक साथ संचालित किया गया। प्रत्येक विकास खण्ड में न्यूनतम एक हेक्टेयर भूमि पर ऊर्जा वन विकसित किए गए, जिससे यह अभियान पूरे प्रदेश में समान रूप से लागू हो सका। इस महाअभियान के अंतर्गत 242.40200 हेक्टेयर क्षेत्रफल में 2,81,233 पौधों का रोपण किया गया। उत्तर प्रदेश सरकार ने ऊर्जा सुरक्षा और पर्यावरण संरक्षण को जोड़ते हुए एक व्यापक और योजनाबद्ध कार्यक्रम लागू किया है। ऊर्जा वनों का सबसे बड़ा लाभ यह है कि इससे प्राकृतिक वनों से जलौनी लकड़ी की कटाई की आवश्यकता कम होगी। जब ग्रामीण क्षेत्रों में योजनाबद्ध तरीके से विकसित ऊर्जा वनों से ईंधन उपलब्ध होगा, तब प्राकृतिक वन अपने मूल स्वरूप में सुरक्षित रह सकेंगे। इससे वनों में रहने वाले वन्यजीवों का प्राकृतिक आवास सुरक्षित रहेगा, जैव विविधता का संरक्षण होगा तथा वनों की पारिस्थितिकी पर सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। प्राकृतिक वन केवल लकड़ी का स्रोत नहीं हैं, बल्कि वे जल संरक्षण, वर्षा चक्र, मिट्टी संरक्षण तथा जलवायु संतुलन के लिए भी अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। ऊर्जा वन इन प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण में सहायक सिद्ध होंगे। ऊर्जा वन केवल ईंधन की आवश्यकता पूरी करने तक सीमित नहीं हैं। यदि भविष्य में ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छ ऊर्जा स्रोतों का व्यापक विस्तार हो जाता है और जलौनी लकड़ी की मांग कम भी हो जाती है, तब भी इन ऊर्जा वनों का महत्व बना रहेगा। वृक्ष अपने जीवनकाल में वातावरण से कार्बन डाइऑक्साइड का अवशोषण कर उसे जैविक पदार्थ के रूप में संग्रहित करते हैं। इसे कार्बन अवशोषण (ब्तइवद ैमुनमेजतंजपवद) कहा जाता है। बड़ी संख्या में लगाए गए वृक्ष वातावरण में ग्रीनहाउस गैसों की मात्रा कम करने में सहायक होंगे, जिससे जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभावों को कम करने में मदद मिलेगी। इस प्रकार ऊर्जा वन भविष्य की ऊर्जा आवश्यकताओं के साथ–साथ पर्यावरण संरक्षण और जलवायु परिवर्तन के विरुद्ध लड़ाई में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। ऊर्जा वनों से ग्रामीण क्षेत्रों में अनेक प्रकार के सामाजिक एवं आर्थिक लाभ भी प्राप्त होंगे। स्थानीय स्तर पर जलौनी लकड़ी की उपलब्धता बढ़ने से ग्रामीण परिवारों का समय और श्रम बचेगा। विशेषकर महिलाओं और बच्चों को दूर–दराज के क्षेत्रों से लकड़ी लाने की आवश्यकता कम होगी। इसके अतिरिक्त भविष्य में ऊर्जा वनों के वैज्ञानिक प्रबंधन से ग्रामीण समुदायों को रोजगार, पौध संरक्षण, रखरखाव तथा वृक्ष आधारित आजीविका के नए अवसर भी प्राप्त हो सकते हैं। इससे स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिलेगी। इस अभियान को सफल बनाने में ग्राम्य विकास विभाग तथा पंचायती राज विभाग ने भी सक्रिय सहयोग एवं सहभागिता प्रदान की। ग्राम पंचायतों, विकास खण्डों तथा स्थानीय प्रशासन के समन्वित प्रयासों से उपयुक्त भूमि का चयन, पौधरोपण तथा अभियान का प्रभावी क्रियान्वयन संभव हो सका। विभिन्न विभागों की यह साझेदारी सुशासन और समन्वित विकास का उत्कृष्ट उदाहरण है। ऊर्जा वन की यह पहल सतत विकास की अवधारणा को साकार करती है। यह कार्यक्रम ऊर्जा, पर्यावरण, ग्रामीण विकास और जलवायु संरक्षण जैसे अनेक लक्ष्यों को एक साथ संबोधित करता है। भविष्य में यदि इन ऊर्जा वनों का वैज्ञानिक प्रबंधन किया जाए, नियमित निगरानी की जाए तथा स्थानीय समुदायों को इनके संरक्षण से जोड़ा जाए, तो यह मॉडल देश के अन्य राज्यों के लिए भी अनुकरणीय बन सकता है। 'एक पेड़ मां के नाम' वृक्षारोपण महायज्ञ–2026 के अंतर्गत उत्तर प्रदेश के प्रत्येक विकास खण्ड में स्थापित ऊर्जा वन ऊर्जा सुरक्षा, पर्यावरण संरक्षण और सतत विकास की दिशा में एक दूरदर्शी एवं प्रभावी पहल है। 242.40200 हेक्टेयर क्षेत्रफल में 2,81,233 पौधों का रोपण कर प्रदेश ने यह संदेश दिया है कि विकास और पर्यावरण संरक्षण साथ–साथ चल सकते हैं।

-रवि यादव, सूचना अधिकारी

जनपद प्रतापगढ़ में अनाथ एवं निराश्रित बच्चों का स्वर्णिम भविष्य गढ़ रही "मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना"

योजना का मुय उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि संसाधनों एवं आर्थिक अभाव के कारण किसी भी बच्चे की शिक्षा बीच में न छूटे और उनका भविष्य सुरक्षित तथा आत्मनिर्भर बन सके। उार प्रदेश सरकार द्वारा संचालित इस दूरदर्शी योजना के अंतर्गत मार्च-2020 के बाद जिन बच्चों के माता, पिता अथवा दोनों का असमय निधन हो गया है, उन्हें शिक्षा, पोषण और दैनिक आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए प्रतिमाह 2,500 रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है। यह धनराशि बच्चों के 23 वर्ष की आयु तक अथवा शिक्षा ग्रहण करने की अवधि तक सीधे लाभार्थी या उनके विधिक अभिभावक के बैंक खाते में पारदर्शी प्रक्रिया (डीबीटी) के माध्यम से हस्तांतरित की जाती है। योजना के तहत बच्चों के सर्वांगीण विकास और शैक्षणिक प्रगति को ध्यान में रखते हुए विशेष प्रावधान किए गए हैं। उच्च शिक्षा एवं व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में प्रवेश लेने वाले पात्र छात्र-छात्राओं को डिजिटल माध्यमों से अपनी पढ़ाई सुचारू रखने हेतु निःशुल्क टैबलेट अथवा स्मार्टफोन उपलध कराए जा रहे हैं।

प्रदेश में अनाथ, निराश्रित और आर्थिक संकट का सामना कर रहे बच्चों को सामाजिक सुरक्षा एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा 'मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना (सामान्य)' का संवेदनशील एवं प्रभावी क्रियान्वयन किया जा रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में राज्य सरकार की यह एक अत्यंत महत्वपूर्ण जनकल्याणकारी पहल है, जो माता–पिता अथवा किसी एक अभिभावक को खो चुके बच्चों के जीवन में नई उम्मीद जगा रही है। योजना का मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि संसाधनों एवं आर्थिक अभाव के कारण किसी भी बच्चे की शिक्षा बीच में न छूटे और उनका भविष्य सुरक्षित तथा आत्मनिर्भर बन सके। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा संचालित इस दूरदर्शी योजना के अंतर्गत मार्च–2020 के बाद जिन बच्चों के माता, पिता अथवा दोनों का असमय निधन हो गया है, उन्हें शिक्षा, पोषण और दैनिक आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए प्रतिमाह 2,500 रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है। यह धनराशि बच्चों के 23 वर्ष की आयु तक अथवा शिक्षा ग्रहण करने की अवधि तक सीधे लाभार्थी या उनके विधिक अभिभावक के बैंक खाते में पारदर्शी प्रक्रिया (डीबीटी) के माध्यम से हस्तांतरित की जाती है। योजना के तहत बच्चों के सर्वांगीण विकास और शैक्षणिक प्रगति को ध्यान में रखते हुए विशेष प्रावधान किए गए हैं। उच्च शिक्षा एवं व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में प्रवेश लेने वाले पात्र छात्र–छात्राओं को डिजिटल माध्यमों से अपनी पढ़ाई सुचारू रखने हेतु नि:शुल्क टैबलेट अथवा स्मार्टफोन उपलब्ध कराए जा रहे हैं। इसके अतिरिक्त निराश्रित बालिकाओं के सुरक्षित भविष्य हेतु विवाह योग्य आयु होने पर आर्थिक सहायता का विशेष प्रावधान किया गया है तथा बच्चों के बेहतर स्वास्थ्य के लिए नियमित स्वास्थ्य जांच व परामर्श की व्यवस्था भी की जा रही है। प्रदेश सरकार के निर्देशों के क्रम में जनपदों में योजना को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए पूरी सतर्कता और संवेदनशीलता के साथ कार्य किया जा रहा है। स्थानीय स्तर पर आवेदन प्रक्रिया को अत्यंत सरल और सुलभ बनाया गया है ताकि प्रभावित परिवारों को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो। पारदर्शी चिह्निकरण और सत्यापन प्रक्रिया के माध्यम से प्रत्येक पात्र बच्चे तक योजना का लाभ पहुँचाना प्रशासन की प्राथमिकताओं में शामिल है। इसी क्रम में जनपद प्रतापगढ़ में भी महिला कल्याण विभाग और जिला प्रशासन के संयुक्त प्रयासों से योजना का बेहद सफल और प्रभावी क्रियान्वयन देखने को मिल रहा है। जनपद में वित्तीय वर्ष 2026–27 के जून माह तक 471 नए लाभार्थियों को इस योजना से जोड़ा जा चुका है। वर्तमान समय में प्रतापगढ़ जनपद के कुल 2,907 बच्चे इस कल्याणकारी योजना के माध्यम से प्रतिमाह वित्तीय सहायता प्राप्त कर अपने सपनों को साकार कर रहे हैं। मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना के इस सफल क्रियान्वयन का एक प्रत्यक्ष उदाहरण जनपद प्रतापगढ़ के टक्करगंज की निवासी और कक्षा–8 की होनहार छात्रा दर्पिता सिंह हैं। दर्पिता के पिता स्वर्गीय प्रदीप सिंह के आकस्मिक और असमय निधन के बाद परिवार पर आर्थिक दुखों का पहाड़ टूट पड़ा था। परिवार की दयनीय स्थिति के कारण दर्पिता की माता प्रतिभा वर्मा के सामने बेटी की पढ़ाई जारी रखने और उसके भविष्य को लेकर गहरी चिंता पैदा हो गई थी। सीमित संसाधनों और आर्थिक संकट के कारण ऐसा लगने लगा था कि दर्पिता की शिक्षा बीच में ही थम जाएगी और उसके सपने अधूरे रह जाएंगे। ऐसे कठिन समय में जिला प्रशासन और महिला कल्याण विभाग की मदद से दर्पिता का आवेदन ''मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना'' के तहत स्वीकृत किया गया। योजना से मिलने वाली 2,500 रुपये की मासिक सहायता ने दर्पिता के परिवार को बहुत बड़ा सहारा प्रदान किया। सरकार द्वारा दी जा रही इस वित्तीय सहायता से दर्पिता की पढ़ाई अब बिना किसी बाधा के नियमित रूप से जारी है। स्कूल की फीस, पुस्तकें, यूनिफॉर्म, स्टेशनरी और पोषण संबंधी जरूरतों की व्यवस्था आसान हो गई है, जिससे परिवार का मानसिक तनाव समाप्त हुआ है। दर्पिता अब पूरे आत्मविश्वास के साथ पढ़ाई कर रही है और भविष्य में भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) अधिकारी बनकर देश और समाज की सेवा करने का लक्ष्य रखती है। राज्य सरकार और जिला प्रशासन के इन समन्वित प्रयासों से मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना आज प्रदेश के हजारों अनाथ और निराश्रित बच्चों के लिए संबल बनकर उभरी है। यह योजना न केवल आर्थिक सहायता दे रही है, बल्कि बच्चों को आत्मनिर्भरता और सम्मान की नई राह दिखाते हुए उन्हें समाज की मुख्यधारा से जोड़ने का ऐतिहासिक कार्य कर रही है। राज्य सरकार बाल कल्याण की इस प्रतिबद्धता को निरंतर पूरी निष्ठा के साथ आगे बढ़ाने के लिए संकल्पबद्ध है।

सूचनाधिकारी जनपद- प्रतापगढ़/ डॉ0 सीमा गुप्ता (से0नि0 सहा0निदे0)

शिक्षा व्यवस्था में भरोसा पैदा करने की जरूरत

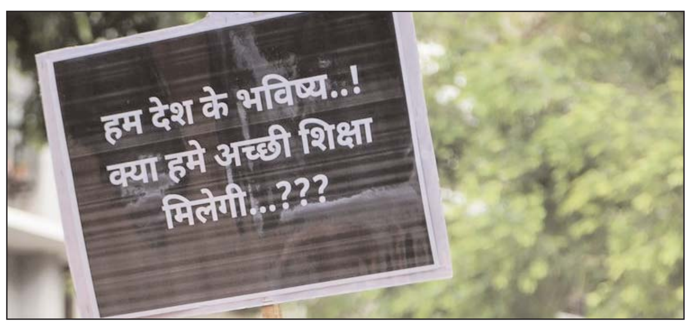

वर्तमान स्थिति से असंतुष्ट होने पर ही आक्रोश पैदा होता है। जब मूलभूत सपने देखने का साहस भी खंडित होने लगे तो आक्रोश पैदा होता है। यह आक्रोश बहुत दिन तक अपने लिए कोई समाधान तलाशता है। लेकिन जब सब चलता है का वातावरण हो और तंत्र उदासीन होता है तो प्रतिरोध के सिवाय और कोई विकल्प नहीं रहता। शिक्षा विकासशील भारत के लिए एक आधारभूत नींव है, जब यही नींव लड़खड़ाने लगे तो युवा शक्ति निराश होकर कुछ भी कर गुजरने के लिए तैयार हो जाती है। युवाओं के लिये यह समय परीक्षाओं का समय होता है। उन्हें ऐसे समाधान देने पड़ते हैं जो उनके भरोसे और विश्वास का जीता–जागता प्रतीक बन सके । इसके लिए एक संवाद की जरूरत होती है। संवाद जो अभिभावक का अपनी संतान के साथ हो, अध्यापक का अपने छात्र के साथ हो और नेता से अपनी जनता के साथ हो। जब भरोसा ही खत्म होने लगे, आधारभूत नींव हिलती नजर आए और युवा संवादहीनता की स्थिति में पहुंच जाएं तब वही होता है जो इस समय दुर्भाग्य से अपने देश में हो रहा है।समस्या शिक्षा व्यवस्था के ढांचे पैदा हो गई त्रुटियों के साल–दर–साल न सुधरने से पैदा हुई। पेपर लीक या नकल कोई ऐसी समस्या नहीं जो 2024 से शुरू हुई और अब 2026 में अपने भयावह रूप में हमारे सामने आई है, मानते हैं कि यह समस्या अलग–अलग समय में अलग–अलग राज्यों में पैदा होती रही और नौजवानों के सपनों को खंडित करती रही । लेकिन शिक्षा के व्यापक प्रसार उम्मीदों की ऊंचाई के बढ़ने के साथ–साथ जब एक देश एक परीक्षा का सिद्ध ?ांत बनाकर इसे अखिल भारतीय स्तर पर लागू करने का प्रयास किया गया तो ये त्रुटियां सही न हो पाने के कारण आज भस्मासुर सी लगने लगी हैं। पेपर लीक का यह मसला इस सरकार के दौरान पैदा नहीं हुआ, इसके पीछे देश से शिक्षा व्यवस्था के अक्षम होते जाने का कारण भी था। जो त्रुटियां पैदा हो जाती हैं, उन्हें सही क्यों नहीं किया जाता, यह सवाल भी था। इस सवाल के समाधान के लिए त्वरित एक्शन की जगह अगर बातूनी संतोष मिलेगा तो युवाओं का गुस्सा व्यापक स्तर पर फैलता नजर आएगा। जंतर–मंतर का धरना इसलिए हुआ क्योंकि लाखों नौजवानों को अपनी शिक्षा की परिणति व परीक्षा के अर्थहीन होने का संकट नजर आने लगा। यही कारण है कि दिल्ली में ही नहीं बल्कि बिहार के अलग–अलग स्थानों, जयपुर और जम्मू से लेकर महाराष्ट्र तक युवाओं का गुस्सा सड़कों पर नजर आता है। भरोसा यूं बिगड़ता है कि तत्काल संवाद स्थापित न होने की जगह जिस नियंत्रक पुलिस को उतारा जाता है, उसकी अमानवीयता की शिकायतें आने लगती हैं। उधर राजनीति संवाद की स्थिति में आने की बजाय गतिरोध की स्थिति में आ जाती है। संसद का मानसून सत्र चल रहा है और लगातार काम नहीं हंगामा होता रहा है। विचार नहीं, आरोप–प्रत्यारोप हो रहे हैं।

उधर उखड़े हुए राजनीतिज्ञ भी अपने लिए जमीन तलाश करने की उम्मीद में नौजवानों की कतारों में रूप बदलकर घुस रहे हैं। देखते ही देखते युवा आक्रोश की यह तपिश देशभर में फैलने लगी। युवाओं का देश की व्यवस्था में विश्वास जगाना बहुत आवश्यक है।

स्वामी-स्वतंत्र प्रभात मीडिया, मुद्रक एवं प्रकाशक प्रीती शुक्ला द्वारा अनवर ऑफसेट एम- 58, 59 बेसमेंट विकासदीप बिल्डिंग स्टेशन रोड लखनऊ से मुदित ई-4 सेक्टर-एम/29 अपोजिट उस्मान एन्क्लेव, अलीगंज-लखनऊ 226024 से प्रकाशित, संपादक-राजीव कुमार शुक्ला , मो0-9511151254
Mail: news@swatantraprabhat.com, RNI No: UPHIN/2019/79073 इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी आर वी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। किसी भी कानूनी विवाद का निपटारा न्यायलय जनपद लखनऊ ही होगा।

संक्षिप्त खबरें

डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम की पुण्यतिथि पर कांग्रेसियों ने दी श्रद्धांजलि

देवरिया। भारत के पूर्व राष्ट्रपति एवं भारत रत्न डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम की पुण्यतिथि पर जिला कांग्रेस कमेटी ने टाउन हॉल स्थित जिला कांग्रेस कार्यालय में श्रद्धांजलि सभा आयोजित की। इस दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने डॉ. कलाम के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी और उनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व को याद किया। जिला कांग्रेस अध्यक्ष विजय शेखर मल्ल 'रोशन' ने कहा कि 'मिसाइल मैन' के नाम से प्रसिद्ध डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम के विचार और सिद्धांत आज भी पूरे देश के लिए प्रेरणास्रोत हैं। उन्होंने कहा कि डॉ. कलाम ने वैज्ञानिक और राष्ट्रपति के रूप में देश को नई दिशा दी तथा उनका योगदान सदैव स्मरणीय रहेगा। कांग्रेस उनके आदर्शों और सिद्धांतों को आत्मसात कर जनहित और देशहित में कार्य करती रहेगी। कार्यक्रम में कोषाध्यक्ष चंदन वर्मा, जिला उपाध्यक्ष जुलेखा खातून, जिला प्रवक्ता संजीव मिश्रा, जिला महासचिव मार्कण्डेय मिश्रा, शिव शंकर सिंह, मनोज मणि, रजनीश प्रसाद, रीता देवी, शहर अध्यक्ष मिर्जा खुर्शीद अहमद, पिछड़ा प्रकोष्ठ जिलाध्यक्ष राजकुमार यादव, राशिद अंसारी, जिला सचिव पन्नालाल पाठक, रविन्द्र मल्ल, उत्तेज मिश्रा, डॉ. सी.पी. चौहान, रमाशंकर यादव, आशीष शर्मा समेत अन्य कांग्रेसजन मौजूद रहे।

हाई टेंशन तार की चपेट में आने से मजदूर की मौत

रूद्रपुर, देवरिया। ट्रैक्टर ट्रॉली से धान की भूसी लेकर जा रहे एक मजदूर की हाई टेंशन तार की चपेट में आने से मौके पर ही मौत हो गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार एक राइस मिल से धान की भूसी लेकर ट्रैक्टर चालक छित्तौनी बाजार की तरफ जा रहा था। ट्रॉली पर भूसी काफी ऊंचाई तक लदी थी और उस पर एक मजदूर बैठा हुआ था। ट्रैक्टर ट्राली हाई टेंशन तार के नीचे से गुजरी। भूसी लगे ट्राली की ऊंचाई अधिक होने के कारण मजदूर बिजली के तार के संपर्क में आ गया और उसकी हृदय विदारक मौत हो गई। घटना स्थल पर काफी लोगों की भीड़ जमा हो गई। मृतक मजदूर की पहचान सूर्यभान भारती उम्र 50 वर्ष पुत्र रामसमुज निवासी पिपराइच थाना एम्स जिला गोरखपुर के रूप में हुई। घटना की सूचना मिलने पर राम लक्ष्मण चौकी पुलिस ने घटनास्थल का दौरा किया और मामले की छानबीन शुरू किया।

मार्केट से घर जा रहे युवक को देखकर मनबढ़ों ने धारदार हथियार से किया हमला

सहजनवा/गोरखपुर सहजनवा थाना क्षेत्र के उज्जिखोर निवासी रविवार को एक युवक शाम आठ बजे के करीब घर आ रहा था। उज्जिखोर पोखरे के पास मनबढ़ों ने पुरानी रंजिश को लेकर धारदार हथियार से हमला कर गम्भीर रूप से घायल कर दिया। पीड़ित का इलाज जिला अस्पताल में चल रहा था। मिली जानकारी से थाना क्षेत्र के उज्जिखोर निवासी गंगाशरण पुत्र रामसुमेर रविवार को रात्रि में आठ बजे के करीब सहजनवा से घर आ रहा था। अभी वह ड्रेमहर स्थित पोखरे पर पहुंचा था कि सात नामजद तथा दो अज्ञात की संख्या में मनबढ़ घात लगाए थे। पीड़ित को देखते ही सभी ने हमला बोल दिया। और धारदार हथियार से मारकर घायल कर दिया। जिससे बेहोश हो गया। साथ में जा रहे गाँव के दो लोगों ने बीच बचाव करना चाहा तो मनबढ़ों ने उन्हें भी मारपीट कर घायल कर दिया। पीड़ित ने थाने में सात नामजद तथा दो अज्ञात मनबढ़ों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। इस संदर्भ में थाना प्रभारी बलराम पांडेय ने कहा कि पीड़ित की तहरीर पर आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

तस्करी की चार बोरी यूरिया खाद बरामद

रतनपुर/महराजगंज। परसामलिक थाना पुलिस ने सोमवार को झिंगटी स्थित एसएसबी रोड से चार बोरी भारतीय यूरिया खाद बरामद की है। पुलिस ने बरामद खाद को जब्त कर कस्टम विभाग को सौंप दिया है। जानकारी के मुताबिक थानाध्यक्ष विवेक कुमार सिंह के नेतृत्व में सोमवार शाम करीब चार बजे सेवतरी चौकी पुलिस कांस्टेबल रोशन मणि त्रिपाठी और कांस्टेबल जितेश कुमार ने गश्त के दौरान क्षेत्र के ग्राम पंचायत झिंगटी स्थित बार्डर डेवलपमेंट रोड से तस्करी की 4 बोरी अवैध भारतीय यूरिया खाद बरामद किया है। पुलिस ने बरामद यूरिया को अपने कब्जे में लेकर थाने लाई तत्पश्चात कागजी कार्यवाही के बाद नौतनवां कस्टम कार्यालय को सौंप दिया। इस संबंध में थानाध्यक्ष विवेक कुमार सिंह ने बताया कि बरामद यूरिया खाद को कस्टम अधिनियम की धारा 113 के तहत कार्यवाही करते हुए अग्रिम कार्यवाही के लिए नौतनवा कस्टम कार्यालय को सुपुर्द कर दिया गया है।

सीएचसी गोला में डॉक्टरों और विशेषज्ञों की भारी कमी

तीन महत्वपूर्ण पद वर्षों से खाली, मरीज बेहाल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गोलाबाजार, गोरखपुर। जिले के तहसील मुख्यालय गोला के समीप स्थित 30 शैय्या वाले सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) गोला की स्वास्थ्य व्यवस्था बदहाल होती जा रही है। अस्पताल में विशेषज्ञ चिकित्सकों की भारी कमी के साथ-साथ स्वास्थ्य विभाग के तीन महत्वपूर्ण पद लंबे समय से रिक्त पड़े हैं। इसका सीधा असर मरीजों के उपचार, स्वास्थ्य योजनाओं के संचालन और जनजागरूकता कार्यक्रमों पर पड़ रहा है। क्षेत्रीय लोगों में स्वास्थ्य सेवाओं की इस स्थिति को लेकर लगातार असंतोष बढ़ रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि सीएचसी गोला पर मानक के अनुरूप चिकित्सकों की तैनाती नहीं है। विशेषज्ञ डॉक्टरों के अभाव में जटिल बीमारी से पीड़ित मरीजों को प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल या निजी अस्पतालों के लिए रेफर कर दिया जाता है। ऐसे में गरीब और दूरदराज के मरीजों को आर्थिक व मानसिक परेशानियों का सामना करना पड़ता है।

स्वास्थ्य केंद्र में चिकित्सा सेवाओं के साथ-साथ प्रशासनिक व्यवस्था भी प्रभावित है। यहां सहायक शोध अधिकारी, स्वास्थ्य शिक्षा अधिकारी और ब्लॉक प्रोग्राम प्रबंधक जैसे तीन अहम पद लंबे समय से रिक्त हैं। सहायक शोध अधिकारी टीकाकरण, एनएचएम की रिपोर्ट और अन्य स्वास्थ्य संबंधी कार्यों की निगरानी करता है। स्वास्थ्य शिक्षा अधिकारी का दायित्व जनजागरूकता अभियान चलाना, स्वास्थ्य योजनाओं की जानकारी लोगों तक पहुंचाना, आईजीआरएस, आरटीआई, पत्राचार तथा विभिन्न बैठकों में विभाग का प्रतिनिधित्व करना होता है। इसी प्रकार ब्लॉक प्रोग्राम प्रबंधक राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन की योजनाओं के संचालन, पोर्टल पर आंकड़ों के अद्यतन, स्वास्थ्य कार्यक्रमों की निगरानी तथा जिला स्तर से समन्वय स्थापित करने की जिम्मेदारी निभाता है। इन पदों के रिक्त रहने से कई योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन प्रभावित हो रहा है और ग्रामीण क्षेत्रों तक स्वास्थ्य संबंधी जानकारी समय से नहीं पहुंच पा रही है। क्षेत्रवासियों का आरोप है कि सीएचसी गोला में वर्षों से न तो पर्याप्त डॉक्टरों की नियुक्ति हो सकी और न ही विशेषज्ञ चिकित्सकों की उपलब्धता सुनिश्चित की गई। परिणामस्वरूप यह अस्पताल क्षेत्र की अपेक्षाओं पर खरा नहीं उतर पा रहा है। स्थानीय नागरिकों ने शासन और स्वास्थ्य विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों से मांग की है कि अस्पताल में मानक के अनुरूप विशेषज्ञ चिकित्सकों की तैनाती के साथ रिक्त महत्वपूर्ण पदों पर भी शीघ्र नियुक्ति की जाए, ताकि गोला और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों की जनता को बेहतर एवं गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध हो सकें।

गोला सरयू तटीय गांवों में बाढ़ से पहले प्रशासन अलर्ट

एसडीएम ने किया निरीक्षण; राहत तैयारियों को परखा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गोलाबाजार, गोरखपुर। सरयू नदी के बढ़ते जलस्तर और संभावित बाढ़ के खतरे को देखते हुए गोला तहसील प्रशासन पूरी तरह सतर्क हो गया है। इसी क्रम में उप जिलाधिकारी गोला मनीष कुमार ने नायब तहसीलदार बड़हलगंज जयप्रकाश के साथ सरयू नदी से प्रभावित ग्राम पटना, बगहा, झांकोल समेत आसपास के संभावित बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का विस्तृत निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों से राहत एवं बचाव कार्यों की तैयारियों का जायजा लेने के साथ ग्रामीणों से संवाद कर उनकी समस्याओं और आवश्यकताओं की जानकारी भी ली। निरीक्षण के दौरान एसडीएम ने ग्राम प्रधानों, पंचायत सचिवों और राजस्व कर्मियों को निर्देश दिए कि संभावित बाढ़ प्रभावित परिवारों का चिन्हांकन कर उनकी अद्यतन सूची तत्काल तैयार रखें। उन्होंने कहा कि राहत शिविरों में स्वच्छ पेयजल, शौचालय, विद्युत व्यवस्था, खाद्यान्न, दवाइयों सहित सभी आवश्यक सुविधाएं पहले से सुनिश्चित की जाएं, ताकि आपदा की स्थिति में लोगों को किसी प्रकार की परेशानी न हो।

ग्रामीणों से अपील करते हुए एसडीएम ने कहा कि यदि सरयू का जलस्तर तेजी से बढ़ता है अथवा प्रशासन की ओर से सुरक्षित स्थानों पर जाने की सूचना दी जाती है तो बिना देर किए तुरंत राहत शिविरों या सुरक्षित स्थानों पर पहुंचें। उन्होंने स्पष्ट किया कि समय रहते सुरक्षित स्थानों पर पहुंचना ही जनहानि रोकने का सबसे प्रभावी उपाय है। प्रशासन ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र को भी अलर्ट करते हुए गर्भवती महिलाओं, गंभीर बीमारियों से पीड़ित मरीजों, बुजुर्गों एवं अन्य संवेदनशील नागरिकों की सूची पहले से तैयार रखने और आवश्यकता पड़ने पर उन्हें सुरक्षित स्थानों अथवा अस्पतालों में स्थानांतरित करने के निर्देश दिए। वहीं पशुपालन विभाग को पशुओं के उपचार, टीकाकरण और चारे सहित आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने को कहा गया। स्थानीय पुलिस और बीट पुलिस कर्मियों को संवेदनशील गांवों में लगातार भ्रमण कर हर गतिविधि पर नजर रखने तथा किसी भी आपात सूचना को तत्काल प्रशासन तक पहुंचाने के निर्देश दिए गए। साथ ही सभी संबंधित विभागों, ग्राम प्रधानों और राजस्व कर्मचारियों का क्षेत्रवार व्हाट्सएप समूह बनाकर बाढ़ की स्थिति और राहत कार्यों की नियमित निगरानी सुनिश्चित करने को कहा गया। निरीक्षण के दौरान सिंचाई विभाग द्वारा घाघरा (सरयू) नदी के किनारे कराए जा रहे तटबंध एवं कटानरोधी कार्यों का भी जायजा लिया गया। एसडीएम मनीष कुमार ने संबंधित अधिकारियों को सभी सुरक्षात्मक कार्य युद्धस्तर पर शीघ्र पूरा करने के निर्देश देते हुए कहा कि सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ बाढ़ पूर्व तैयारियां समयबद्ध ढंग से पूरी करें, ताकि किसी भी आपदा की स्थिति में राहत एवं बचाव कार्य तेजी और प्रभावी ढंग से संचालित किए जा सकें।

राम जन्मभूमि न्यास समिति के नवनामित सदस्य रामानंद दास महाराज से मिला पत्रकार प्रतिनिधिमंडल

गोलाबाजार, गोरखपुरः पत्रकारों की एक प्रतिनिधिमंडल ने रविवार को अयोध्या पहुंचकर राम जन्मभूमि न्यास समिति के नवनामित सदस्य पूज्य रामानंद दास महाराज से शिष्टाचार भेंट की। प्रतिनिधिमंडल ने उन्हें पुष्पगुच्छ भेंट कर नई जिम्मेदारी के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं दीं तथा सफल कार्यकाल की कामना की। पत्रकारों ने कहा कि रामानंद दास महाराज लंबे समय से धार्मिक, सामाजिक और आध्यात्मिक क्षेत्र में जनसेवा से जुड़े हैं। उनका राम जन्मभूमि न्यास समिति में नामित होना समाज के लिए गौरव का विषय है। उन्होंने विश्वास जताया कि उनके अनुभव और समर्पण से अयोध्या के धार्मिक एवं सांस्कृतिक विकास को नई दिशा मिलेगी। इस अवसर पर रामानंद दास महाराज ने प्रतिनिधिमंडल का स्वागत करते हुए पत्रकारों की भूमिका की सराहना की। उन्होंने कहा कि निष्पक्ष, सकारात्मक और जिम्मेदार पत्रकारिता लोकतंत्र की मजबूत आधारशिला है तथा समाज को सही दिशा देने में मीडिया की महत्वपूर्ण भूमिका है। भेंट के दौरान अयोध्या के विकास, धार्मिक पर्यटन और सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण जैसे विषयों पर भी चर्चा हुई। प्रतिनिधिमंडल में वरिष्ठ पत्रकार ललित मोहन त्रिपाठी, राम आशीष त्रिपाठी, बृजनाथ तिवारी, पंकज पांडेय, शैलेंद्र दुबे, पद्माकर मिश्र, अवनीश सिंह सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

गोण्डा में सूरज सिंह ने निकाली जन-आक्रोश पद यात्रा, जिलाधिकारी को सौंपा ज्ञापन

चंदा चोर गद्दी छोड़ के नारों से गूँजा गोंडा।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गोंडा। समाजवादी पार्टी शीर्ष नेतृत्व के निर्देश पर सपा नेता सूरज सिंह के नेतृत्व में हजारों की संख्या में समाजवादी पार्टी कार्यकर्ताओं ने पैदल मार्च निकाला और कलेक्ट्रेट पहुंचकर प्रदर्शन कर नारेबाजी की और तमाम मांगों को लेकर हुंकार भरी। सपा नेता सूरज सिंह की अगुआई में जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन को सपाइयों ने 22 सूत्रीय ज्ञापन सौंपा। नगर कोतवाली के पास सपा नेता सूरज सिंह के नेतृत्व में हजारों लोग इकठ्ठा हुए जहां नगर कोतवाली के पास एक निजी होटल से जन-आक्रोश पैदल मार्च करते हुए डीजे के साथ हाथों में तिरंगा और समाजवादी पार्टी का झंडा लिए सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी करते हुए कलेक्ट्रेट परिसर पहुंचे। सपाइयों ने देशव्यापी और प्रदेशव्यापी जन समस्याओं को लेकर गोंडा जिला अधिकारी प्रियंका निरंजन को ज्ञापन सौंपा। सपा नेताओ के ने खाद की समस्या, सिलेंडर की समस्या शहर में जल भराव की समस्या, बिजली की समस्या, जर्जर ट्रांसफार्मर, पुलिस उत्पीड़न, सरकारी अस्पतालों में दुर्व्यवस्था, बजाज चीनी मिल गन्ना भुगतान, सीवर लाइन, नगर में जाम, जौहर विश्वविद्यालय का ध्वस्तीकरण करने के आदेश को लेकर के विरोध प्रदर्शन करते हुए अपनी मांगों को लेकर ज्ञापन सौंपा। समाजवादियों द्वारा जन आक्रोश पैदल मार्च के दौरान 'चंदा चोर गद्दी छोड़, शिक्षा का सम्मान बचाओ, हर बेटी की यही पुकार बंद करो उत्पीड़न और अत्याचार, पेपर लीक बंद करो माफियाओं पर कार्रवाई करो' जैसे नारे भी समाजवादियों ने लगाए हैं। प्रदर्शन के दौरान सपा नेता सूरज सिंह ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की सरकार में जिन भी समाजवादियों पर मुकदमा गलत तरीके से लिखा जाएगा सपा सरकार आने पर उसे पर कठोर से कठोर कार्रवाई की जाएगी। खाद की समस्या के लिए आज किसान परेशान है, बिजली की समस्या के लिए किसान

परेशान है सिलेंडर की समस्या को लेकर की किसान परेशान है। पुलिस उत्पीड़न से आम लोग़ परेशान है सरकारी अस्पतालों में सभी व्यवस्थाएं में मिले हैं लोग परेशान है। किसानों का गन्ना भुगतान नहीं हो रहा है लोग परेशान है बाढ़ से कटान हो रही है कोई आर्थिक मदद नहीं मिली है लोग परेशान हैं।सूरज सिंह ने कहा कि भगवान राम को लाने की बात करने का फर्जी दावा ठोकने वालों की नाक के नीचे से हजारों करोड़ों की चंदा चोरी हो गई और आज तक दूध का दूध पानी का पानी नहीं हुआ।अरशद हुसैन जिलाध्यक्ष, रणविजय सिंह पूर्व एमएएलसी, महफूज खान पूर्व एमएएलसी सहित आदि उपस्थित रहे और सरकार बदलने का आह्वाहन किया।

क्षेत्राधिकारी ने किया परसामलिक थाने का निरीक्षण

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

रतनपुर/महराजगंज। परसामलिक थाने के प्रभावी संचालन एवं क्षेत्र की कानून व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने के क्रम में सोमवार को क्षेत्राधिकारी नौतनवा बसंत सिंह ने थाने का अर्धवार्षिक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने थाना कार्यालय के प्रचलित अभिलेखों का गहन अवलोकन करते हुए उनके रखरखाव के संबंध में मातहतों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के क्रम में उन्होंने मिशन शक्ति केंद्र, महिला हेल्प डेस्क, साइबर हेल्प डेस्क, हवालात, मालखाना तथा थाना परिसर की व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

उन्होंने संबंधित पुलिसकर्मियों को अभिलेखों को समय से अपडेट रखने, कार्यालय व थाना परिसर में उच्च स्तरीय साफ-सफाई बनाए रखने तथा जनता की शिकायतों के त्वरित व गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के लिए संवेदनशील और जिम्मेदारीपूर्ण तरीके से कार्य करने की हिदायत दी। सीओ

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
स्वतंत्र प्रभात
जो लिखेगा, वही टिकेगा
www.swatantraprabhat.com
ब्रेकिंग न्यूज़

ने पुलिस कार्यप्रणाली को और अधिक प्रभावी एवं जनोन्मुखी बनाने पर विशेष बल दिया। निरीक्षण के अंत में उन्होंने ग्राम चौकीदारों को साफा भेंट कर सम्मानित किया और उन्हें उनके कर्तव्यों के प्रति जागरूक करते हुए पुलिस का सहयोग करने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर थानाध्यक्ष विवेक कुमार सिंह, वरिष्ठ उपनिरीक्षक महेन्द्र बहादुर सिंह, उपनिरीक्षक रामजीत, घनश्याम सिंह यादव, महिला उपनिरीक्षक संजू गौड़, कांस्टेबल सुजीत कुमार निर्मल, विजय कुमार यादव और रामप्रवेश गौड़ सहित अन्य मौजूद रहे।

सड़क हादसे के बाद घायल का मोबाइल लेकर भागा आरोपी गिरफ्तार

भदोही। ऊंज थाना पुलिस ने सड़क दुर्घटना के बाद घायल व्यक्ति का मोबाइल लेकर फरार हुए आरोपी को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से चोरी का वीवो मोबाइल बरामद किया है। पुलिस ने घटना में प्रयुक्त एक्सयूवी-300 वाहन को भी कब्जे में लिया है। पुलिस के अनुसार, 31 मई को ऊंज क्षेत्र में स्कूटी सवार को टक्कर मारने के बाद आरोपी घायल का मोबाइल लेकर फरार हो गया था। विवेचना के दौरान पुलिस ने इंगला प्रसाद निवासी हिसामपुर परसाखी, थाना कोखराज, जनपद कौशाम्बी को गिरफ्तार कर चोरी का मोबाइल बरामद किया। मामले में बरामदगी के आधार पर संबंधित धारा की बढ़ोतरी करते हुए आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है।

जौहर विश्वविद्यालय के ध्वस्तीकरण आदेश के विरोध में समाजवादी पार्टी का विरोध

जिलाधिकारी कार्यालय पहुँच राज्यपाल के नाम सौंपा पत्रक

देवरिया। समाजवादी पार्टी ने सोमवार को मौलाना मोहम्मद अली जौहर विश्वविद्यालय, रामपुर से जुड़े ध्वस्तीकरण आदेश के विरोध में कलेक्ट्रेट पहुंचकर राज्यपाल के नाम जिलाधिकारी के माध्यम से ज्ञापन सौंपा। कार्यक्रम का नेतृत्व सपा अल्पसंख्यक सभा के जिलाध्यक्ष जैनुल अख्तर ने किया, जबकि जिलाध्यक्ष व्यास यादव के नेतृत्व में बड़ी संख्या में पदाधिकारी और कार्यकर्ता शामिल हुए। ज्ञापन में विश्वविद्यालय से संबंधित ध्वस्तीकरण आदेश पर पुनर्विचार करने तथा शिक्षा संस्थानों की स्वायत्तता, संवैधानिक मूल्यों और विधि के शासन के अनुरूप निर्णय लेने की मांग की गई। जिलाध्यक्ष व्यास यादव ने कहा कि शिक्षा समाज के भविष्य और सामाजिक न्याय की आधारशिला है। किसी भी शैक्षणिक संस्थान से जुड़े निर्णय संविधान और विधि सम्मत प्रक्रिया के अनुसार लिए जाने चाहिए। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी लोकतांत्रिक एवं संवैधानिक मूल्यों की रक्षा के लिए संवैधानिक दायरे में रहकर संघर्ष जारी रखेगी। ज्ञापन के दौरान पूर्व विधायक खोखा सिंह, स्वामीनाथ यादव, हाफिज शहादत हुसैन अंसारी, अजय प्रताप सिंह (पिंटू सिंह सैथवार) समेत बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

रामगढ़ताल नौका हादसाः दो मोटर बोटों की टक्कर में एक की मौत

चालक हिरासत में, मुकदमा दर्ज

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गोरखपुर। शहर के रामगढ़ताल स्थित नौका विहार में रविवार रात हुए दर्दनाक हादसे में दो मोटर बोटों की आमने-सामने टक्कर हो जाने से एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि कुछ अन्य लोग घायल हो गए। हादसे के बाद नौका विहार परिसर में अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलते ही पुलिस और राहत दल मौके पर पहुंचा तथा घायलों को तत्काल जिला अस्पताल भेजा गया, जहां उनका उपचार जारी है।

पुलिस के अनुसार घटना थाना रामगढ़ताल क्षेत्र के नौका विहार में हुई। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक दोनों मोटर बोटों में सवार लोग ताल में भ्रमण कर रहे थे। इसी दौरान किसी कारणवश दोनों नौकाओं के बीच तेज टक्कर हो गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल होकर पानी में गिर गया। उसे बाहर निकालकर अस्पताल पहुंचाया गया, लेकिन चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। हादसे में अन्य लोग भी घायल हुए हैं, जिनका इलाज सदर अस्पताल, गोरखपुर में चल रहा है।

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और पूरे प्रकरण की जांच शुरू कर दी। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण करने के साथ ही प्रत्यक्षदर्शियों के बयान भी दर्ज किए। मामले में मृतक के परिजनों की ओर से

प्राप्त तहरीर के आधार पर थाना रामगढ़ताल में संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। पुलिस अधीक्षक नगर ने बताया कि नौका हादसे के संबंध में प्राप्त शिकायत के आधार पर विधिक कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने कहा कि मामले में एक आरोपी को पुलिस हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है तथा उसके विरुद्ध अग्रिम विधिक कार्रवाई की जा रही है। साथ ही दुर्घटना के वास्तविक कारणों की विस्तृत जांच भी कराई जा रही है, ताकि यह स्पष्ट हो सके कि हादसा लापरवाही, तेज गति अथवा अन्य किसी वजह से हुआ। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि जांच में जो भी तथ्य सामने आएंगे, उनके आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन ने नौका संचालन से जुड़े सभी संचालकों को सुरक्षा मानकों का कड़ाई से पालन करने की हिदायत भी दी है, ताकि भविष्य में इस प्रकार की दुर्घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। रामगढ़ताल में हुई इस घटना के बाद पर्यटकों और स्थानीय लोगों में भी चिंता का माहौल है।

खजनी में 12 वर्षीय बालक के रहस्यमय ढंग से लापता होने से सनसनी

सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही पुलिस

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

खजनी गोरखपुर। गोरखपुर जिले के खजनी कस्बे में सोमवार को एक प्रतिष्ठित स्वर्ण व्यवसायी के 12 वर्षीय नाती के रहस्यमय परिस्थितियों में लापता होने से इलाके में हड़कंप मच गया। घटना की सूचना मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया, जबकि स्थानीय लोगों में भी चिंता और बेचैनी का माहौल है। सूचना पर सक्रिय हुई खजनी पुलिस बच्चे की तलाश में जुट गई है और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है। जानकारी के अनुसार, खजनी कस्बे के प्रतिष्ठित स्वर्ण व्यवसायी लक्ष्मी वर्मा के 12 वर्षीय नाती वैभव वर्मा, पुत्र हनुमान वर्मा, सोमवार दोपहर करीब दो बजे अपनी साइकिल से कस्बे में टहलने के लिए घर से निकले थे। परिजनों के अनुसार वैभव अक्सर आसपास ही घूमकर कुछ देर में घर लौट आते थे, लेकिन इस बार काफी समय बीत जाने के बाद भी वह वापस नहीं पहुंचे। करीब डेढ़ घंटे तक वैभव के घर नहीं लौटने पर परिजनों की चिंता बढ़ गई। उन्होंने पहले रिश्तेदारों और परिचितों के यहां जानकारी ली तथा आसपास के क्षेत्रों में स्वयं तलाश शुरू की। काफी खोजबीन के बाद भी जब बच्चे का कोई पता नहीं चला तो तत्काल खजनी थाने को सूचना दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस हरकत में आ गई। पुलिस टीम ने कस्बे के प्रमुख चौराहों, बाजारों और आसपास के मार्गों पर लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालनी शुरू कर दी।

साथ ही संभावित स्थानों पर बच्चे की तलाश के लिए पुलिसकर्मियों को लगाया गया है। स्थानीय लोगों से भी पूछताछ की जा रही है ताकि वैभव की अंतिम लोकेशन का पता लगाया जा सके। शाम करीब छह बजे तक वैभव का कोई सुराग नहीं मिल सका था।

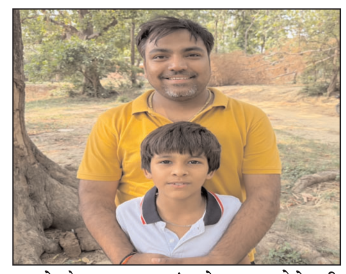

बच्चे के रहस्यमय ढंग से गायब होने की घटना से परिवार गहरे सदमे में है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है और वे जल्द से जल्द बच्चे के सकुशल मिलने की प्रार्थना कर रहे हैं। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले को गंभीरता से लिया गया है। सभी संभावित पहलुओं पर जांच की जा रही है और बच्चे की तलाश के लिए हरसंभव प्रयास किए जा रहे हैं। वहीं, कस्बे के व्यापारियों और स्थानीय नागरिकों ने भी वैभव की शीघ्र सकुशल बरामदगी की मांग करते हुए पुलिस से तेजी से कार्रवाई करने की अपील की है।

खाद आते ही समिति पर उमड़ा भीड़, सर्वर डाउन होने से किसान परेशान

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

रतनपुर/महराजगंज। परसामलिक थाना क्षेत्र के पेड़ारी चौराहे पर स्थित साधन सहकारी समिति लिमिटेड बैकुंठपुर में यूरिया और डीएपी खाद आने की सूचना पर बड़ी संख्या में जरूरतमंद किसानों की भीड़ उमड़ पड़ी। खाद वितरण के दौरान सर्वर धीमा होने के कारण किसानों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। समिति के सचिव धीरेंद्र सिंह ने बताया कि किसानों की मांग को देखते हुए समिति पर 700 बोरी यूरिया और 300 बोरी डीएपी खाद मंगवाई गई है। भीड़ को नियंत्रित करने और पारदर्शिता बनाए रखने के लिए किसानों को किसान कार्ड और खतौनी देखने के बाद ही खाद का वितरण किया जा रहा है। लंबे समय के बाद खाद मिलने से कई किसानों के चेहरे खिल उठे। वहीं दूसरी ओर वितरण प्रणाली की तकनीकी

खामियों ने किसानों को परेशान भी किया। मौके पर मौजूद किसान रमेश, विजय चौरसिया, शिवपूजन, जगदीश, शिवनाथ, रामनाथ, चंद्रभान, चंद्रिका प्रसाद और रामकेवल आदि ने बताया कि वितरण के दौरान सर्वर सही से काम नहीं कर रहा था जिसके कारण कठिनाइयां झेलनी पड़ी। किसानों ने सर्वर की समस्या को जल्द ठीक कराने की मांग की है। सचिव धीरेंद्र सिंह ने आश्वस्त किया है कि सभी पात्र और जरूरतमंद किसानों को तय नियमों के तहत खाद उपलब्ध कराई जाएगी।

छात्र नेताओं पर दर्ज मुकदमे वापस लेने की मांग, कांग्रेस ने जताया विरोध

भदोही। जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष वसीम अंसारी और पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष डॉ. राजेंद्र कुमार दूबे 'राजन' ने छात्र आंदोलन के बाद दर्ज एफआईआर पर आपत्ति जताते हुए कहा कि शांतिपूर्ण आंदोलन करना छात्रों का लोकतांत्रिक अधिकार है।

उन्होंने कहा कि यदि किसी ने उपद्रव किया है तो उसके खिलाफ निष्पक्ष कार्रवाई हो, लेकिन निर्दोष छात्र नेताओं का उत्पीड़न स्वीकार नहीं किया जाएगा। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि पार्टी छात्रों के साथ मजबूती से खड़ी है और जरूरत पड़ने पर हाईकोर्ट से लेकर सुप्रीम कोर्ट तक कानूनी सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। उन्होंने सरकार से निर्दोष छात्र नेताओं पर दर्ज मुकदमे वापस लेने की मांग करते हुए कहा कि कांग्रेस अन्याय के खिलाफ छात्रों की लड़ाई हर स्तर पर लड़ेगी।

वायरल पोस्टर से स्वास्थ्य महकमे में हलचल, तीन डिप्टी सीएमओ पर लगे आरोप

आजाद हिंद सेना वाहिनी के संस्थापक अध्यक्ष ऋषि पाण्डेय का पोस्टर हुआ जारी, स्वास्थ्य विभाग की कार्यप्रणाली और निजी अस्पतालों से कथित सांठगांठ पर उठाए सवाल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

देवरिया। जिले में सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति को लेकर एक पोस्टर सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। पोस्टर में सरकारी स्वास्थ्य व्यवस्था को बदहाल बताते हुए स्वास्थ्य विभाग के तीन डिप्टी सीएमओ पर निजी अस्पतालों को बढ़ावा देने के गंभीर आरोप लगाए गए हैं। पोस्टर में दावा किया गया है कि एक डिप्टी सीएमओ यूनिवर्सल हॉस्पिटल के साथ मिलकर नया अस्पताल शुरू कराने की तैयारी में हैं, दूसरे डिप्टी सीएमओ पर यश हॉस्पिटल में लगातार सर्जरी करने का आरोप लगाया गया है, जबकि तीसरे डिप्टी सीएमओ पर बाल गोपाल हॉस्पिटल का संचालन कराने और सरकारी मरीजों को निजी अस्पतालों की ओर भेजने का आरोप लगाया गया है।

पोस्टर में यह भी आरोप लगाया गया है कि संबंधित अधिकारी अस्पतालों के साथ-साथ टेंडर प्रबंधन और अन्य वित्तीय गतिविधियों में भी प्रभाव रखते हैं। पोस्टर के अंत में सवाल उठाया गया है ऐसे में क्या हो, जब कोतवाल ही डाकू बन जाए! यह पोस्टर आजाद हिंद सेना वाहिनी के संस्थापक अध्यक्ष एडवोकेट ऋषि पांडेय के नाम से जारी किया गया है, जिसने जिले में स्वास्थ्य विभाग की कार्यशैली को लेकर नई बहस छेड़ दी है।

हालांकि, इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है और संबंधित अधिकारियों की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

वरिष्ठ नागरिकों से संवाद कर पुलिस ने जाना हालचाल

यातायात अभियान में 73 वाहनों का चालान

देवरिया। पुलिस अधीक्षक अभिजीत आर. शंकर के निर्देशन में सोमवार को जिले के सभी थानों की कम्यूनिटी पुलिसिंग यूनिट ने वरिष्ठ नागरिकों से संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं। पुलिस टीमों ने घर-घर पहुंचकर बुजुर्गों का हालचाल जाना, मोबाइल नंबर साझा किए तथा साइबर अपराध, ऑनलाइन ठगी और आपात स्थिति में तत्काल पुलिस से संपर्क करने के लिए जागरूक किया। मौके पर प्राप्त शिकायतों का यथासंभव निस्तारण किया गया, जबकि अन्य मामलों के समाधान के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए गए। वरिष्ठ नागरिकों ने इस पहल की सराहना की। उधर, यातायात पुलिस ने शहर में सड़क सुरक्षा को लेकर विशेष अभियान चलाया। बस स्टैंड, हनुमान मंदिर और मालवीय रोड पर नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहनों की जांच की गई। बिना हेलमेट, तीन सवारी, बिना ड्राइविंग लाइसेंस, बिना फिटनेस वाले ऑटो व ई-रिक्शा तथा सड़क पर सवारी भरने वाले वाहनों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए कुल 73 वाहनों का ई-चालान और दो वाहनों को सीज किया गया। अभियान के दौरान मॉडिफाइड साइलेंसर, प्रेशर हॉर्न, सायरन और हूटर लगे वाहनों पर भी कार्रवाई की गई। मौके पर 30 मॉडिफाइड साइलेंसर और 12 हूटर/प्रेशर हॉर्न हटवाए गए। पुलिस ने कहा कि सड़क सुरक्षा और यातायात नियमों के पालन के लिए ऐसे अभियान आगे भी जारी रहेंगे।

संक्षिप्त खबरें

साइबर ठगों ने मोबाइल हैक कर खाते से उड़ाई नगदी

कोंच(जालौन)- मोबाइल हैक कर 9 हजार रुपए पार कर देने का साइबर क्राइम से जुड़ा एक मामला सामने आया है। पीड़ित व्यक्ति ने मामले की शिकायत पुलिस से कर कार्यवाही किए जाने की मांग की है। नदीगांव थाना क्षेत्र के ग्राम अखनीबा निवासी एवं वर्तमान में मलंगा पुल रॉयल गार्डन कोंच के समीप रहने वाले ध्रुव कुमार पुत्र रामलखन ने कोतवाली पुलिस को तहरीर देकर बताया कि उसका पंजाब नेशनल बैंक की कोंच शाखा में बचत खाता है। बीती 24 जुलाई को उसके बचत खाते में ऑनलाइन माध्यम से 15 हजार रुपए प्राप्त हुए थे। उक्त रुपए में से उसने 6 हजार रुपए दूसरे बचत खाते में स्थानांतरित कर दिए थे जबकि शेष 9 हजार रुपए इसी बचत खाते में मौजूद थे। ध्रुव के अनुसार, उसी दिन किसी अज्ञात व्यक्ति ने उसका मोबाइल नंबर हैक कर उसके बचत खाते से 9 हजार रुपए अपने खाते में ट्रांसफर कर लिए। बचत खाते से रकम निकलने की जानकारी होते ही वह बैंक शाखा पहुंचा और अपनी शिकायत बताई। बैंक कर्मियों ने बताया कि मोबाइल हैक होने के कारण साइबर ठगों ने बचत खाते से रुपये निकाल लिए हैं। मामले को लेकर पीड़ित ध्रुव ने पुलिस से कार्यवाही किए जाने की मांग की है।

सडक के किनारे उगी झाडियो से कांवडियो को विषैले जन्तुओ से खतरा

गोला गोकर्णनाथ खीरी- लोक निर्माण विभाग के सौजन्य से नव निर्मित हुए सिकंदरा बाद मार्ग से जडौरा से कोटवारा होते हुए गोला को जाने वाले 9 किलोमीटर लंबे मार्ग के दोनों तरफ झाड़ियां उग आने से वहां जंगली जानवरों का खतरा उत्पन्न हो गया है, क्षेत्र वासियों का कहना है कि दो दिन पूर्व सावन मेला शुरू हो रहा है। सिकंदराबाद मार्ग से आने वाले पदयात्री कांवरिया इसी मार्ग से गोला के शिव मंदिर में जलाभिषेक करने जाते हैं। जिससेवहां जंगली जानवरों का खतरा बना हुआ है। क्योंकि यह मार्ग कोटवारा जंगल से होकर गुजरता है ।जहां जंगली जानवरों की भरमार है। फिर भी अब तक सड़क के दोनों ओर खड़ी झाड़ी की सफाई अब तक नहीं कराई गई है। क्षेत्र वासियों ने झाड़ी की सफाई शीघ्र कराने की मांग विभागीय अधिकारियों से की है। जेई लोक निर्माण विभाग नीरज पांडे का कहना है कि सावन मेला शुरू होने से पहले ही सड़क के किनारे उगी झाड़ी को साफ कराया जाएगा। जिसका मौके पर जाकर मुआयना किया जा जाचुका है।

रिटायर्ड फौजी अरविंद मिश्र ने शहादत देने बाले वीर सपूतो को किया नमन

गोला गोकर्णनाथ खीरी- दिनांक 26 जुलाई 1999 को कारगिल युद्ध में भारत ने पाकिस्तान पर अंतिम जीत हासिल की थी। कारगिल युद्ध में शहादत देने वाले सभी वीरों को अलीगंज चौराहे पर श्रद्धांजलि अर्पित की गई तदुपरांत अरविंद फौजी ने बताया सबूतों के पराक्रम से जो तिरंगा लहराकर विजय पताका फहराने वाले सभी धरती माता के वीर सपूतों को बारंबार प्रणाम, तिरंगा ऑपरेशनः इसे भारतीय सेना द्वारा ऑपरेशन विजय नाम दिया गया था, जो लद्दाख के द्रास और कारगिल सेक्टर में लड़ा गया था। बलिदानः इस कठिन युद्ध में भारत के 527 वीर जवान शहीद हुए थे। कारगिल युद्ध में शहादत देने वाले सभी वीरों को अलीगंज चौराहे पर श्रद्धांजलि अर्पित की गई अमर सपूतों के पराक्रम से जो तिरंगा लहराकर विजय पताका फहराने वाले सभी धरती माता के वीर सपूतों को बारंबार प्रणाम आप सभी देशवासियों को विजय दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं।

सिंगाही में कोल्हू में चोरी, लगभग हजारो के उपकरण ले उड़े चोर

सिंगाही-खीरी। कस्बे में चोरी की घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही हैं। शुक्रवार रात अज्ञात चोरों ने कस्बे के पूर्व सभासद जोगेंद्र कुमार शाक्य के गुड़ बनाने वाले कोल्हू को निशाना बनाते हुए लगभग 40 हजार कीमत के उपकरण चोरी कर लिए। जानकारी के अनुसार, सिंगाही- चिरकुवा-खैरीगढ़ पीडब्ल्यूडी मार्ग पर स्थित जोगेंद्र कुमार शाक्य के कोल्हू में शुक्रवार देर रात चोरों ने पीछे की ओर से नकब लगाकर स्टोर रूम में प्रवेश किया। इसके बाद चोर वहां रखे कोल्हू के महत्वपूर्ण पार्ट्स, जिनमें गरारी, शाफ्ट समेत अन्य उपकरण शामिल हैं, चोरी कर फरार हो गए। शनिवार सुबह जब कोल्हू मालिक अपने कारखाने पहुंचे तो स्टोर का सामान बिखरा मिला और उपकरण गायब थे। चोरी की जानकारी मिलते ही उनके होश उड़ गए। घटना की सूचना तत्काल सिंगाही पुलिस को दी गई। पीड़ित ने पुलिस से मामले की जांच कर चोरी गए सामान की बरामदगी और आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने सूचना मिलने के बाद मामले की जांच शुरू कर दी है।

IAS रिंकू सामान लेकर पहुंचे तहसील

IAS रिंकू सिंह राही बोले- कक्ष नहीं मिला तो गेट पर डाल दूंगा चारपाई

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

उरई। शासन को आधे काम का आधा वेतन देने को पत्र लिखकर इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित करने वाले आइएएस रिंकू सिंह राही का विवादों से नाता कम होने का नाम नहीं ले रहा। अभी पुरानी चर्चाओं की आंच ठंडी भी नहीं पड़ी है कि सोमवार को उनकी ओर से नवीन तहसील में कार्यालय कक्ष न मिलने पर हंगामा कर दिया गया। शाम को फाइलों के साथ अन्य साजो सामान लेकर वह पहुंचे और कहाकि जल्द कक्ष न मिला तो वह यहीं गेट पर चारपाई डाल कर लेट जाएंगे। नायब तहसीलदार पहुंचे और देर से पत्र मिलने का हवाला दिया। इसके बाद उनके लिए कक्ष उपलब्ध करा दिया गया। बिना काम के वेतन लेना नियम के विपरीत बता कर भारतीय प्रशासनिक सेवा (आइएएस) से इस्तीफा देने वाले अधिकारी रिंकू सिंह राही को पांच मई को जालौन तहसील में एसडीएम के पद पर तैनाती मिली थी। जालौन ब्लाक प्रमुख रामराजा निरंजन के कोल्ड स्टोरेज के निरीक्षण को लेकर उनका विवाद हो गया था। जिसके बाद 30 जून को इनको एसडीएम न्यायिक उरई सदर के पद पर भेजा गया था। यहां नगरपालिका के कार्यों की जांच करने में ईओ राम अचल कुरील से विवाद हो गया। उसके बाद नौ जुलाई को उन्होंने शासन के नाम एक पत्र इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित कर दिया जिसमें आधे काम पर आधा वेतन दिलाने की बात कही थी। अब सोमवार नवीन तहसील भवन में कार्यालय कक्ष के लिए वह अभिलेख व फर्नीचर आदि लेकर पहुंच गए। करीब दो घंटे कक्ष खुलने का इंतजार किया। बाद में कहा कि कुछ देर अगर कक्ष नहीं मिला तो वह सरकारी दस्तावेजों की सुरक्षा के लिए परिसर में ही पलंग डालकर लेट जाएंगे। सदर तहसील नवीन भवन के निर्माण के चलते अस्थाई रूप से गल्ला मंडी परिसर में संचालित हो रही थी। अब तहसील भवन का निर्माण कार्य पूरा हो जाने के बाद स्थानांतरण का कार्य चल रहा है। एसडीएम न्यायिक रिंकू सिंह भी तहसील में कार्यालय के लिए कक्ष चाहते हैं ताकि वकीलों और वादकारियों को परेशानी न हो। सोमवार को लगभग चार बजे रिंकू सिंह अपने कार्यालय का सामान अभिलेख फर्नीचर आदि लेकर तहसील परिसर पहुंच गए। उन्होंने काफी देर तक इंतजार किया लेकिन किसी ने उनके कार्यालय कक्ष के लिए किसी भी कमरे का ताला नहीं खोला। इससे क्षुब्ध होकर एसडीएम न्यायिक परिसर में ही टहलते रहे। शाम करीब सात बजे उन्होंने कहा कि अगर उनको कुछ देर और कार्यालय के लिए कक्ष नहीं मिलता है तो वे यहीं परिसर में फोल्डिंग डालकर लेटेंगे ताकि सरकारी अभिलेखों की सुरक्षा की जा सके। इस संबंध में नायब तहसीलदार राहुल ने कहा कि एसडीएम न्यायिक को कार्यालय कक्ष उपलब्ध करा दिया गया है।

सजेती थाना क्षेत्र में नाबालिग किशोरी ने फांसी लगा दी जान

कानपुर ग्रामीण। कानपुर कमिश्नरेट अंतर्गत थाना सजेती में 17 वर्षीया किशोरी ने साड़ी के सहारे फांसी लगा अपनी जान दे दी,, परिजनों ने शव को लटकते देखा तो पुलिस को सूचना दी, मौके पर पहुंची पुलिस और फोरेंसिक टीम मौके पर पहुंची, हालांकि कमरे में कोई सुसाइड नोट नहीं मिला, सजेती थाना प्रभारी निरीक्षक अनुज भारती ने बताया कि किशोरी के फांसी लगाने का कारण स्पष्ट नहीं हो सका, पुलिस घटना की जांच पड़ताल कर रही है,, आपको बताते चलें कि सजेती थाना क्षेत्र के सिधौल गांव के रहने वाले नन्दू सचान परिवार के साथ रहते हैं, ऊनकी 17 वर्षीया बेटी हैं सुबह किशोरी को परिवार के लोग जगाने पहुंचे तो कमरे का दरवाजा नहीं खुला,और तब अंदर जाकर देखा तो साड़ी के फंदे के सहारे किशोरी लटकी हुई है, तों तुरंत पुलिस को घटना की जानकारी दी, पुलिस मौके पर पहुंची,अभी सुसाइड की बजह साफ नहीं है,, पुलिस जांच पड़ताल कर रही है।

पाली रोड पर अज्ञात वाहन ने ई रिक्शा में मारी जोरदार टक्कर,चालक समेत दो घायल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कानपुर ग्रामीण। कानपुर कमिश्नरेट अंतर्गत थाना नरवल क्षेत्र के पाली क्षेत्र के छतमरा स्थिति इंडियन आयल पेट्रोल पंप के सामने सोमवार सुबह ई-रिक्शा और अज्ञात वाहन की टक्कर में चालक समेत दो लोग घायल हो गए, सूचना पर पहुंची पुलिस ने दोनों घायलों को अस्पताल पहुंचाया, जबकि हादसे के बाद अज्ञात वाहन चालक मौके से फरार हो गया,और परिजनों को सूचना दी,, आपको बताते चलें कि पाली चौराहे से रामादेवी की ओर जा रहा था ई रिक्शा,, पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार घटना सोमवार सुबह करीब 07 बजें की हैं,सचेडी थाना क्षेत्र गांव लालभूला निवासी पंकज पुत्र प्यारेलाल ई-रिक्शा चला कर पाली चौराहे से रामादेवी की ओर जा रहा था, जैसें ही ई-रिक्शा छतमरा स्थिति इंडियन आयल पेट्रोल पंप के सामने पहुंचा,तभी सामने से आ रहे एक तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने ई-रिक्शा में सीधी टक्कर मार दी,, टक्कर इतनी तेज़ थी

कि ई-रिक्शा के परखच्चे उड़ गए,और चालक समेत उसमें सवार दूसरा व्यक्ति सड़क पर गिर कर गंभीर रूप से घायल हो गए हादसे की खबर मिलते ही पाली चौकी प्रभारी निरीक्षक अतुल कुमार मिश्र पुलिस टीम के साथ तुरंत मौके पर पहुंचे, पुलिस ने राहगीरों की मदद से दोनों घायलों को एंबुलेंस की मदद से कांशीराम अस्पताल भिजवाया, जहां उनका इलाज जारी है,, पुलिस ने घटना की सूचना परिजनों को दी, वहीं पुलिस का कहना है कि आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है,ताकि टक्कर मारने वाले, अज्ञात वाहन और उसके चालक का सुराग लग सके।

180 वर्षों बाद असम में दुर्लभ पौधा 'रुंगिया मास्टर्सी' फिर मिला, केवल 40 पौधे मिले

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

श्रीभूमि। लगभग 180 वर्षों बाद असम में अत्यंत दुर्लभ वनस्पति प्रजाति 'रुंगिया मास्टर्सी' (Rungia mastersii) की पुनर्खोज हुई है। असम विश्वविद्यालय के जीवन विज्ञान विभाग के शोधकर्ताओं की यह उपलब्धि पूर्वोत्तर भारत की जैव विविधता और वनस्पति विज्ञान के लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर मानी जा रही है। शोधकर्ता कंकन कुमार दास और प्रोफेसर देबज्योति भट्टाचार्य ने दीमा हसाओ जिले के जाटिंगा पहाड़ी क्षेत्र में एक झरने के समीप नम और छायादार चट्टानों की दरारों में इस दुर्लभ पौधे की पहचान की। इस खोज का विस्तृत विवरण वनस्पति विज्ञान की एक अंतरराष्ट्रीय शोध पत्रिका में प्रकाशित हुआ है। ऐतिहासिक अभिलेखों के अनुसार, वर्ष 1845 में ब्रिटिश वनस्पतिशास्त्री जे. डब्ल्यू. मास्टर्स ने असम की सुंदर नदी के किनारे स्थित एक अज्ञात क्षेत्र से इस पौधे का पहला नमूना एकत्र किया था। इसके बाद लगभग 180 वर्षों तक दुनिया में कहीं भी इस प्रजाति का कोई जीवित पौधा दर्ज नहीं किया गया। भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण (बीएसआई) के संग्रहालय में भी इसका केवल एक सूखा संरक्षित नमूना उपलब्ध था, जिसके कारण यह प्रजाति वनस्पतिशास्त्रियों के लिए रहस्य बनी हुई थी। प्रोफेसर भट्टाचार्य के अनुसार, रुंगिया मास्टर्सी एकैंथेसी (Acanthaceae) कुल का झाड़ीदार पौधा है। इसकी ऊँचाई 60 से 110 सेंटीमीटर तक होती है और यह समुद्र तल से 900 से 1,250 मीटर की ऊँचाई वाले नम एवं छायादार क्षेत्रों में उगता है। इसके फूलों का ऊपरी भाग हल्के हरे या सफेद रंग का होता है, जिन पर बैंगनी रंग के महीन धब्बे दिखाई देते हैं। शोधकर्ताओं ने बताया कि फिलहाल इस पौधे का केवल एक प्राकृतिक आवास चिन्हित किया गया है, जहां लगभग 40 पौधे मौजूद हैं। अंतरराष्ट्रीय प्रकृति संरक्षण संघ (आईयूसीएन) की सूची में यह प्रजाति अभी 'नॉट इवैल्यूएटेड' श्रेणी में है, लेकिन इसकी अत्यंत सीमित संख्या को देखते हुए

विशेषज्ञों ने तत्काल संरक्षण उपायों की आवश्यकता पर जोर दिया है। विशेषज्ञों का मानना है कि यह पुनर्खोज इस बात का संकेत है कि पूर्वोत्तर भारत, विशेषकर असम के वन क्षेत्र, अब भी दुर्लभ और कम-अन्वेषित जैव विविधता का महत्वपूर्ण भंडार हैं। उनका कहना है कि इस प्रजाति को विलुप्त होने से बचाने के लिए सरकारी स्तर पर निगरानी, आवास संरक्षण और वैज्ञानिक अध्ययन को प्राथमिकता दी जानी चाहिए।

बचत योजनाओं का होगा सत्यापन, चकरपुर उपडाकघर में लगेगा विशेष कैंप

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कानपुर। पावर ग्रिड परिसर स्थित चकरपुर उपडाकघर में डाकघर की विभिन्न बचत योजनाओं से संबंधित खातों के सत्यापन के लिए 29 जुलाई से 31 जुलाई 2026 तक विशेष सत्यापन शिविर आयोजित किया जाएगा। शिविर प्रतिदिन सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक संचालित होगा। स्वाड चेयरमैन एवं सहायक अधीक्षक डाकघर (भ्रमण) कानपुर नगर मंडल एल.के. अग्रवाल ने बताया कि डाकघर की बचत योजनाओं से जुड़ी वित्तीय अनियमितताओं की जांच के क्रम में यह विशेष अभियान चलाया जा रहा है। शिविर में बचत खाता, आवर्ती जमा (आरडी), सावधि जमा (टीडी), मासिक आय योजना (एमआईएस), वरिष्ठ नागरिक बचत योजना (एससीएसएस), लोक भविष्य निधि (पीपीएफ), सुकन्या समृद्धि योजना, राष्ट्रीय बचत प्रमाणपत्र (एनएससी), किसान विकास पत्र (केवीपी) तथा महिला सम्मान बचत प्रमाणपत्र सहित सभी बचत योजनाओं के खातों का सत्यापन किया जाएगा। डाक विभाग ने ऐसे सभी खाताधारकों से शिविर में पहुंचकर अपने खातों का सत्यापन कराने की अपील की है, जिनके खाते अब तक जांच दल द्वारा सत्यापित नहीं किए जा सके हैं। खाताधारकों से मूल पासबुक या प्रमाणपत्र, जमा-निकासी रसीदें (यदि उपलब्ध हों), आधार कार्ड अथवा अन्य वैध पहचान पत्र साथ लाने का अनुरोध किया गया है, ताकि जमा, निकासी एवं खातों के शेष धनराशि का सत्यापन किया जा सके।

मालगोदाम के निर्माण कार्य ने पकड़ी तेजी, सीसी सड़क के लिए हुई नापजोख

कोंच(जालौन)- कोंच में प्रस्तावित रेलवे मालगोदाम के निर्माण कार्य में तेजी आने लगी है। नई माललाइन के चालू होने के बाद अब परियोजना के अगले चरण के तहत संपर्क मार्ग के निर्माण की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। सोमवार को रेलवे की ओर से नई लाइन के किनारे प्रस्तावित सीसी सड़क के लिए नापजोख और लेवलिंग का कार्य कराया गया।रेलवे स्टेशन के सामने मंडी परिसर की ओर विकसित किए जा रहे मालगोदाम के निर्माण के लिए विभिन्न कार्य चरणबद्ध तरीके से पूरे किए जा रहे हैं। इससे पहले मालगाड़ियों की आवाजाही के लिए बिछाई गई नई लाइन को मुख्य रेल लाइन से जोड़कर चालू किया जा चुका है। निर्माण कार्य से जुड़े इंजीनियर प्रकाश कुमार ने बताया कि कंजड़ बाबा मंदिर की ओर से नई माललाइन के समानांतर करीब 500 मी. लंबी और लगभग 20 फीट चौड़ी सीसी सड़क बनाई जाएगी। इसके साथ माल की लोडिंग और अनलोडिंग के लिए प्लेटफॉर्म भी तैयार किया जाएगा। ठेकेदार सौरभ साहू ने बताया कि फिलहाल सड़क निर्माण से पहले भूमि की लेवलिंग और अन्य तकनीकी तैयारियां कराई जा रही हैं।

बड़ागांव नया पुरवा में महिला का शव फंदे से लटका मिला

लखीमपुर खीरी। जनपद के क्षेत्र पंचायत नकहा के ग्राम सभा बड़ागांव, नया पुरवा में शनिवार को एक महिला का शव संदिग्ध परिस्थितियों में फंदे से लटका मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई।घटना की सूचना मिलते ही शारदा नगर थाना प्रभारी निरीक्षक बृजमोहन सैनी पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर आवश्यक कानूनी कार्रवाई शुरू की और पंचनामा भरने के बाद पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया। मामले की गंभीरता को देखते हुए अपर पुलिस अधीक्षक विवेक तिवारी भी घटनास्थल पर पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण कर जांच के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।फिलहाल मौत के कारणों की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। पुलिस आत्महत्या और अन्य सभी संभावित पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच कर रही है। वास्तविक कारण पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच पूरी होने के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा।पुलिस परिजनों और अन्य संबंधित लोगों से पूछताछ कर रही है। अधिकारियों के अनुसार, प्राप्त तथ्यों और तहरीर के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

बिजली संकट से धान की सूख रही फसल

फसल बचाने किसानों ने एसडीएम से लगाई गुहार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कोंच(जालौन)- खेतों में बोई गई धान की फसल में पर्याप्त विद्युत आपूर्ति न मिलने से सिंचाई की समस्या सामने आने से परेशान भदेवरा और अटा गांव के तमाम किसानों ने सोमवार को एसडीएम को शिकायती पत्र देकर पर्याप्त मात्रा में निर्बाध रूप से विद्युत आपूर्ति दिलाए जाने की मांग की है। इससे पहले किसान चंदकुआं स्थित विद्युत कार्यालय भी पहुंचे और उपखंड अधिकारी धर्मेंद्र कुमार के समक्ष अपनी शिकायत रखी। किसान आशीष कुमार, मनोज कुमार, सौरभ पटेल, अनिल कुमार, नरेश पटेल, राजू पटेल, भगतराम आदि ने एसडीएम अभिनव कुमार को दिए अपने शिकायती पत्र में बताया कि खेतों में फसलों की सिंचाई

के लिए वह निजी नलकूप संचालन के लिए वैध विद्युत कनेक्शन लिए हुए हैं। इन दिनों खेतों में धान की फसल बोई हुई है लेकिन पिछले कई दिनों से बिजली आपूर्ति की स्थिति बेहद खराब है। 24 घंटे में अधिकतम 4 घंटे ही बिजली मिल रही है जिससे फसल में सिंचाई नहीं हो पा रही है और फसल सूखने की कगार पर पहुंच गई है। यदि जल्द ही पर्याप्त बिजली आपूर्ति नहीं की गई तो उन्हें भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ सकता है। मामले को लेकर किसानों ने एसडीएम से कार्यवाही किए जाने की मांग की है।

आदर्श लोक दल ने भेजा राष्ट्रपति को ज्ञापन

जौहर विश्वविद्यालय के खिलाफ कार्यवाही से खफा आदर्श लोक दल ने भेजा राष्ट्रपति को ज्ञापन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कानपुर। उत्तर प्रदेश का आदर्श लोकदल समाजवादी पार्टी की सरकार में कद्दावर पूर्व मंत्री रहे आजम खान के मौलाना मोहम्मद अली जौहर विश्व विद्यालय के साथ ही दिल्ली दंगे के आरोपित 6 साल से जेल में बंद शरजिल इमाम व उमर खालिद के पक्ष में मैदान में आ गया है। आदर्श लोकल उत्तर प्रदेश के अध्यक्ष समाज सेवी शाकिर अली अली उस्मानी ने इसके लिए यहां के जिलाधिकारी के माध्यम सेराष्ट्रपति को ज्ञापन भी भेजा है। राष्ट्रपति को भेजे गए इस ज्ञापन में हर जाति, हर धर्म और हर वर्ग के मतदाताओं में चुनाव जीतने की हद तक मजबूत पकड़ रखने के साथ ही हर किसी के सुख-दुख में सदैव खड़े होने वाले, जन समस्याओं के खिलाफ शुरू से ही अग्रणी जुझारू तेवरों वाले तेजतर्रार और व्यवहार कुशल आदर्श लोक दल उत्तर प्रदेश के अध्यक्ष शाकिर अली उस्मानी ने जौहर विश्वविद्यालय के 38 कमरों को डिमोलिस नहीं किये जाने के साथ ही जेल में बंद दिल्ली दंगे के आरोपी शरजिल इमाम व उमर खालिद को तत्काल रिहा किये जाने, दिल्ली सरकार में मंत्री कपिल मिश्रा को दिल्ली दंगे का साजिशकर्ता और मुख्य आरोपी बताते हुए उन्हें गिरफ्तार कर जेल भेजे जाने, पूरे देश में गौहत्या पर और बीफ के निर्यात पर पूर्ण प्रतिबन्ध लगाने ,मस्जिद, मजार, मदरसे व मकबरों को सरकारी जमीन बताकर उस पर चलाए जा रहे बुलडोजर को रोकने, चारागाहों व तालाबों को अवैध कब्ज से मुक्त कराकर पशुओं के चरने व पीने के लिए पानी की व्यवस्था किए जाने ,जाति व धर्म के आधार पर पुलिस द्वारा की जा रही कार्रवाई पर तत्कालअंकुश लगाने आदि की भी मांग की है। आदर्श लोक दल के यूपी अध्यक्ष शाकिर अली उस्मानी ने राष्ट्रपति को जिलाधिकारी

के माध्यम से भेजे गए ज्ञापन में आगे यह भी कहा है कि उत्तर प्रदेश के सभी इण्टर व डिग्री कालेज व विश्वविद्यालय नक्शे के अनुरूप नहीं बने हैं। ऐसे में उ0प्र0 सरकार के अधिकारियों द्वारा रामपुर के जिलाधिकारी, रामपुर विकास प्राधिकरण, बरेली मण्डल के मण्डलायुक्त द्वारा जानबूझ कर जो डिमोलिश का फरमान जारी किया है, उसे तत्काल छात्रों के भविष्य को देखते हुए वापस ले लेना चाहिए। उन्होंने अभी चेतावनी दी कि अगर उनकी यह सभी मांगेनहीं मानी गई तोउनका संगठन आदर्श लोकदल अपना आंदोलन तब तक जारी रखेगा जबतक उसकी सभी न्यायोचित मांगे पूरी नहीं हो जाएंगी।

सराफा दुकान चोरी में पुलिस को बड़ी सफलता के संकेत, गैर जनपदीय युवक से पूछताछ तेज

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

तिलहर, शाहजहांपुर। कपसेड़ा गांव स्थित सांवरिया सेठ ज्वेलर्स में हुई लाखों रुपये की चोरी के मामले में पुलिस जांच निर्णायक मोड़ पर पहुंच गई है। घटना के खुलासे के करीब पहुंची पुलिस ने एक गैर जनपदीय युवक को हिरासत में लेकर गहन पूछताछ शुरू की है। प्रारंभिक पूछताछ में युवक से महत्वपूर्ण जानकारियां मिलने के बाद पुलिस चोरी गए सोने-चांदी और नकदी की बरामदगी के लिए लगातार दबिश दे रही है। गौरतलब है कि शहर के मोहल्ला मतानी निवासी कृष्ण वर्मा ने पुलिस को दी तहरीर में बताया था कि कपसेड़ा गांव में हाईवे किनारे स्थित उनकी सांवरिया सेठ ज्वेलर्स की दुकान का शटर तोड़कर चोर करीब आठ किलो चांदी, 23 ग्राम सोना और 98 हजार की नकदी समेट ले गए थे। घटना के बाद पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर कई टीमों को खुलासे में लगाया था। रविवार को एसपी ग्रामीण दीक्षा भंवरे अरुण ने मौके का निरीक्षण कर आसपास के लोगों से जानकारी जुटाई थी और पुलिस टीम को शीघ्र खुलासा करने के निर्देश दिए थे। इसके बाद पुलिस ने संदिग्ध गतिविधियों के आधार पर चार लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ की। पूछताछ के दौरान लखीमपुर खीरी निवासी एक युवक पर शक गहराया, जिसके बाद उससे अलग से गहन पूछताछ शुरू की गई। सूत्रों के अनुसार, युवक से चोरी के माल को खपाने के नेटवर्क और जिन सराफा कारोबारियों तक माल पहुंचाया गया, उनके बारे में भी जानकारी जुटाई जा रही है। पुलिस संभावित ठिकानों पर दबिश देकर चोरी गए जेवर और नकदी की बरामदगी का प्रयास कर रही है। जांच के दौरान पुलिस इस पहलू को भी खंगाल रही है कि कहीं हिरासत में लिया गया युवक 10 जून को मोहनपुर गांव में रनवीर के घर हुई लाखों रुपये की चोरी में भी शामिल तो नहीं था। दोनों घटनाओं के बीच संभावित संबंधों को लेकर उससे लगातार पूछताछ की जा रही है। सीओ विदुष सक्सेना ने बताया कि सराफा दुकान चोरी के मामले में एक गैर जनपदीय युवक से पूछताछ की जा रही है। साक्ष्य जुटाने और चोरी के माल की बरामदगी की कार्रवाई जारी है।

पुलिस उपायुक्त दक्षिण ने की जनसुनवाई दिये आवश्यक दिशा-निर्देश

कानपुर। पुलिस उपायुक्त दक्षिण दीपेन्द्र नाथ चौधरी द्वारा कार्यालय में जन-सुनवाई की गई । जन-सुनवाई के दौरान उपस्थित नागरिकों की शिकायतें सुनी गई तथा उनके समाधान हेतु संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। जनसमस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर दर्ज कर संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि वे समयबद्ध व प्रभावी कार्यवाही सुनिश्चित करें। शिकायतों के त्वरित निस्तारण हेतु पुलिसकर्मियों को स्पष्ट निर्देश दिए गए कि विलंब किसी भी स्थिति में न हो और प्रत्येक शिकायतकर्ता को समाधान से अवगत कराया जाए। जन-सुनवाई में आए प्रत्येक आगंतुक से सम्मानजनक व्यवहार करने, उन्हें बैठने हेतु उचित व्यवस्था देने एवं उनकी समस्याएं धैर्यपूर्वक सुनने पर विशेष जोर दिया गया। स्थानीय स्तर पर बार-बार उत्पन्न होने वाली समस्याओं के स्थायी समाधान हेतु प्राथमिकता से कार्य करने के निर्देश भी दिए गए।

परमात्मा का नाम स्मरण ही प्राणिमात्र को भवसागर से पार कर देता है- विष्णुकांत

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कोंच(जालौन)- प्रसिद्ध गुदरिया हनुमान मंदिर में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा के दौरान कथा व्यास विष्णुकांत मिश्रा ने सुदामा चरित्र की कथा सुनाई। उन्होंने कहा कि सुदामा श्रीकृष्ण के गुरु भाई और परम भक्त हैं जिन्होंने बिना किसी कामना के परमात्मा में अडिग विश्वास रखते हुए उनकी भक्ति की। जन कल्याणार्थ संयोजित श्रीमद्भागवत कथा सप्ताह के दौरान कथा व्यास ने भगवान द्वारिकाधीश के विवाहों का वर्णन कर श्रोताओं को भावविभोर कर दिया। उन्होंने रुक्मिणी हरण भगवान द्वारिकाधीश के सत्यभामा, कालिंद्री, जामवंती आदि से भी विवाहों की कथा विस्तार से सुनाते हुए बताया कि इस प्रकार भगवान द्वारिकाधीश ने सोलह हजार एक सौ आठ विवाह किए। उन्होंने सुदामा चरित्र का मार्मिक चित्रण कर श्रोताओं को भावुक कर दिया। कहा कि भगवान द्वारिकाधीश और सुदामा की मित्रता मानव मात्र को निश्छल मैत्री संबंधों के साथ आदर्श मित्रधर्म की भी शिक्षा देती है। उन्होंने कहा कि परमात्मा का नाम स्मरण ही कलिकाल में प्राणिमात्र को भवसागर से पार कर देता है। जब-जब पृथ्वी पर अत्याचार अनाचार और दुष्प्रवृत्तियां सिर उठाते हैं तब परमात्मा किसी न किसी रूप में इस धरा पर अवतार धारण करते हैं। कथा व्यास बताते हैं कि परमात्मा का वास सब जगह है, बस जरूरत है उसे

पहचानने की, जो भी उसे सच्चे मन से याद करता है उसे वे अवश्य ही दर्शन देते हैं। कथा विश्राम पर परीक्षित ऊषा राधेकृष्ण श्रीवास्तव ने भागवत जी की आरती उतारी, तदोपरांत प्रसाद वितरित किया गया।

पीएसी से रिटायर कर्मी के घर में 21 लाख की चोरी का खुलासा, दो अभियुक्त गिरफ्तार

कानपुर। हनुमंत विहार थाना क्षेत्र के अंतर्गत पीएसी के रिटायर्ड कर्मचारी के बंद घर में ताला तोड़कर 21 लाख की चोरी करने वाले दो अभियुक्तों को पुलिस ने सम्पूर्ण माल बरामद कर गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस उपायुक्त दक्षिण दीपेन्द्र नाथ चौधरी ने बताया कि 21/7 को थाना हनुमंत विहार के अंतर्गत बगजौरी गांव में सुबह एक पीएसी से रिटायर्ड फ़ूल सिंह के घर में जब उनके बहु और बेटे घर में ताला लगाकर जानवरों को चारा देने के लिए निकल गये तभी इन चोरों ने उनके घर का ताला तोड़ा और लगभग 21 लाख की ज्वैलरी, व नकदी चुराकर ले गए। इसके बाद मुकदमा लिखकर पुलिस की तीन टीमें बनाई गई और तमाम सीसीटीवी की मदद से पुलिस अभियुक्तों के घर पहुंची और सफल अनावरण करते हुए 2 शातिर चोरों को गिरफ्तार किया तथा चोरी गया शत-प्रतिशत माल बरामद किया। अभियुक्तों की पहचान पवन उर्फ रवि चौरसिया एवं राहुल कनौजिया के रूप में हुई है। ये दोनों पूर्व में जेल में बंद थे तभी इन दोनों की दोस्ती हुई थी। दोनों के विरुद्ध कानपुर सहित विभिन्न जनपदों में चोरी एवं अन्य अपराधों के अनेक मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस ने त्रिनेत्र सीसीटीवी कैमरों, तकनीकी साक्ष्यों एवं मुखबिर की सूचना के आधार पर अभियुक्तों को गिरफ्तार कर चोरी के जेवरात, नकदी एवं अन्य सामान बरामद किया। अभियुक्तों को न्यायालय के समक्ष पेश कर अग्रिम विधिक कार्यवाही की जा रही है।

संक्षिप्त खबरें

पीडब्ल्यूडी अधिकारी आफिस में बैठकर लगा रहे फर्जी रिपोर्ट

स्थलीय निरीक्षण के बिना 'कार्य पूर्ण' का जवाब - दिनेश यादव दादा ने जिलाधिकारी से की जांच की मांग

भदोही। सुरियावां क्षेत्र के ग्राम सनाथपट्टी निवासी युवा समाजसेवी दिनेश यादव दादा ने लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा है कि अधिकारी मौके पर निरीक्षण किए बिना ही आफिस में बैठकर फर्जी निस्तारण रिपोर्ट लगा रहे हैं। दिनेश यादव ने बताया कि उन्होंने आईजीआरस पोर्टल पर पाली-सुरियावां मार्ग और सनाथपट्टी-महदेपुर मार्ग की बदहाली को लेकर शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत के निस्तारण में अधिशासी अभियन्ता, लो0नि0वि0, ज्ञानपुर द्वारा पत्र भेजकर बताया गया कि 'स्थलीय निरीक्षण कर कार्य पूर्ण पाया गया '। जबकि हकीकत यह है कि आज तक कोई अधिकारी मौके पर नहीं आया केवल फोन पर बात की गयी और सड़कों की स्थिति जस की तस है।दिनेश यादव ने कहा कि 'यह जनता के साथ धोखा है। शासन को गुमराह कर फर्जी रिपोर्ट लगाकर जिम्मेदारियों से पल्ला झाड़ा जा रहा है। ' उन्होंने जिलाधिकारी भदोही से मांग की है कि मामले की उच्च स्तरीय जांच कराई जाए और दोषी अधिकारियों पर कठोर कार्रवाई की जाए। अन्यथा वे सड़क पर उतरकर आंदोलन करने को बाध्य होंगे।

जाहिद बेग के बयान पर गोरेलाल का पलटवार, बोले- दोषी बचेंगे नहीं, जरूरत पड़ी तो मुख्यमंत्री से करेंगे मुलाकात

भदोही। काशी नरेश विश्वविद्यालय में छात्र प्रदर्शन के बाद दर्ज मुकदमे को लेकर सियासी बयानबाजी तेज हो गई है। समाजवादी पार्टी विधायक जाहिद बेग द्वारा निष्पक्ष जांच की मांग किए जाने के बाद भाजपा नेता एवं पूर्व भाजयुमो जिलाध्यक्ष विनय कुमार पांडेय 'गोरेलाल' ने पलटवार किया है। गोरेलाल ने कहा कि वह स्वयं छात्रसंघ के निर्वाचित पदाधिकारी रह चुके हैं और छात्रों के लोकतांत्रिक अधिकारों का सम्मान करते हैं। उनका कहना है कि छात्र विश्वविद्यालय के गेट पर शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे थे, जबकि उनके साथ हुई घटना विश्वविद्यालय से करीब 200 मीटर दूर हुई। उन्होंने आरोप लगाया कि समाजवादी पार्टी के लोगों ने उनके साथ बदसलूकी की, अभद्र भाषा का प्रयोग किया, मारपीट की और उनके वाहन को क्षतिग्रस्त कर दिया। उन्होंने कहा कि इस मामले में उनकी तहरीर के साथ-साथ स्थानीय पुलिस की तहरीर पर भी मुकदमा दर्ज किया गया है। गोरेलाल ने कहा कि घटना में शामिल दोषियों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा, जबकि निर्दोष लोगों को फंसाया भी नहीं जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि यदि आवश्यकता पड़ी तो वह मुख्यमंत्री से मुलाकात कर पूरे घटनाक्रम से उन्हें अवगत कराएंगे और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग करेंगे।

पिकनीक मनाने गए युवक की डूबने से मौत

मिर्जापुर। अहरौरा थाना क्षेत्र में अभी पिछले रविवार को दो लोगों की डूबने से मौत हुई थी, फिर भी सिख ना लेते हुए लोग लापरवाही से झरने नदी नहर में लोग लापरवाही से नहाने धोने में चूक नहीं रहे हैं। वाराणसी से अपने मित्रों के साथ आया युवक राहुल पुत्र विजय उम्र लगभग 26 वर्ष निवासी लहरतारा वाराणसी रविवार को अहरौरा बांध पर पिकनिक मनाने आया था। बांध से गरई नदी के लिए पानी छोड़ा जा रहा है जिसमें स्नान करने के लिए चला गया। तेज बहाव पथरीली चट्टान की वजह से युवक की डूबने से मौत हो गई। साथ में आए पिकनिक मनाने वाले संगी साथी वहां से भाग खड़े हुए। लोगों ने 112 नंबर पर इसकी सूचना प्रशासन को दिया। रात होने की वजह से शव बरामद नहीं हो सका, सुबह स्थानियों की मदद से प्रशासन ने शव बरामद कर अग्रिम कार्यवाही में जुट गई। मृतक परिवार में दो भाइयों में छोटा था मां-बाप का रो-रोकर बुरा हाल है।

अंजनी शुक्ल बने शिक्षक एमएलसी चुनाव के भदोही प्रभारी

भदोही। समाजवादी पार्टी ने वाराणसी-मिर्जापुर खंड शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र के एमएलसी चुनाव को लेकर संगठनात्मक तैयारियां तेज कर दी हैं। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल ने अंजनी कुमार शुक्ल को भदोही जनपद का प्रभारी नियुक्त किया है। जारी नियुक्ति पत्र के अनुसार अंजनी कुमार शुक्ल शिक्षक एमएलसी प्रत्याशी लाल बिहारी यादव के समर्थन में भदोही में चुनावी अभियान का संचालन करेंगे। साथ ही उन्हें संगठनात्मक गतिविधियों के समन्वय और शिक्षक मतदाताओं से संपर्क स्थापित करने की जिम्मेदारी भी सौंपी गई है। नियुक्ति की जानकारी मिलते ही समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं में उत्साह का माहौल है। पार्टी नेताओं और समर्थकों ने अंजनी कुमार शुक्ल को नई जिम्मेदारी के लिए बधाई देते हुए विश्वास जताया कि उनके नेतृत्व में संगठन को मजबूती मिलेगी और शिक्षक एमएलसी चुनाव में पार्टी बेहतर प्रदर्शन करेगी।

नवप्रवेशी विद्यार्थियों हेतु दीक्षा कार्यक्रम आयोजित

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

चुनार, मीरजापुर। स्वतंत्रता संग्राम सेनानी राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, चुनार में सोमवार को 'दीक्षा कार्यक्रम' का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का औपचारिक शुभारंभ मुख्य अतिथि प्रो. (डॉ.) एन. के. दुबे,बनारस हिंदू विश्वविद्यालय एवं विशिष्ट अतिथि प्रो. (डॉ.) पी. एन. डोंगरे पूर्व प्राचार्य द्वारा माँ सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ।?कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए प्राचार्या प्रो. (डॉ.) माधवी शुक्ला ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में नवागत विद्यार्थियों का महाविद्यालय परिवार में आत्मीय स्वागत किया। उन्होंने छात्रों को अनुशासन, निरंतर अध्ययन और नैतिक मूल्यों को अपनाते हुए अपने लक्ष्य की प्राप्ति के लिए प्रेरित किया। दीक्षा कार्यक्रम में मुख्य अतिथि प्रो. (डॉ.) एन. के. दुबे ने 'अंडरस्टैंडिंग इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी राइट्स: टाइप्स एंड फाइलिंग' (बौद्धिक संपदा अधिकार: प्रकार एवं फाइलिंग) विषय पर अपना व्याख्यान दिया। उन्होंने विद्यार्थियों को पेटेंट, ट्रेडमार्क और बौद्धिक संपदा के संरक्षण व फाइलिंग प्रक्रिया के बारे में विस्तार से समझाया। इस दौरान प्रो. (डॉ.) एन. के. दुबे द्वारा लिखित पुस्तक 'फ्लोरा ऑफ बी. एच. यू.कैंपस' को विद्यार्थियों हेतु प्राचार्या प्रो. (डॉ.) माधवी शुक्ला को भेट किया गया। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि प्रो. पी. एन. डोंगरे ने 'नो वन कैन मोटिवेट यू' (कोई आपको प्रेरित नहीं कर सकता) विषय पर अपना विचारोत्तेजक व्याख्यान दिया, जिसमें उन्होंने छात्रों को स्व-प्रेरणा और आंतरिक अनुशासन का महत्व समझाया। कार्यक्रम के दौरान विज्ञान संकाय प्रवेश संयोजक डॉ. संकटा प्रसाद सोनकर ने विज्ञान वर्ग के सभी विषयों के साथ-साथ विद्यार्थियों को उनके पाठ्यक्रम की विस्तृत जानकारी दी और मार्गदर्शन किया। वहीं डॉ. अमित यादव ने वाणिज्य विषय के महत्व, भविष्य की संभावनाओं और करियर के अवसरों के बारे में जानकारी साझा की। इसी क्रम में नशा उन्मूलन कार्यक्रम के अन्तर्गत हस्ताक्षर अभियान चलाया गया। कार्यक्रम का सफल संचालन डॉ. शिखा तिवारी एवं धन्यवाद ज्ञापन श्री चंदन साहू के द्वारा दिया गया। इस अवसर पर प्रवेश समन्वयक प्रो. (डॉ.) कुसुम लता, के साथ‌‌साथ महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापक, कर्मचारी सहित बड़ी संख्या में नवागत छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

प्रजापति समाज की सेवा भावना अनुकरणीय: विधायक विपुल दुबे

भदोही। ज्ञानपुर में महाराजा दक्ष प्रजापति जयंती समारोह श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर विधायक विपुल दुबे ने कहा कि प्रजापति समाज हमेशा सेवा, समर्पण और सद्भाव की भावना से कार्य करता रहा है। उन्होंने समाज की समस्याओं के समाधान और सम्मान की रक्षा का भरोसा दिलाया। समारोह में महाराजा दक्ष प्रजापति के व्यक्तित्व पर प्रकाश डालते हुए शिक्षा और सामाजिक एकजुटता पर भी जोर दिया गया। कार्यक्रम में पिछड़ा वर्ग आयोग के उपाध्यक्ष सोहन श्रीमाली सहित बड़ी संख्या में समाज के लोग मौजूद रहे।

भदोही पहुंचे राज्य पिछड़ा आयोग के सदस्य सतेन्द्र बारी

पैतृक गांव किशुनदेवपुर में किया पौधरोपण

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

भदोही । उत्तर प्रदेश राज्य पिछड़ा आयोग के सदस्य सतेन्द्र बारी सोमवार को अपने पैतृक गांव किशुनदेवपुर (जगुनंदनपट्टी) पहुंचे, जहां उन्होंने बारी बगीचा में आम का पौधा लगाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इस दौरान उन्होंने लोगों से अधिक से अधिक वृक्ष लगाने और लगाए गए पौधों की नियमित देखभाल एवं संरक्षण करने का आह्वान किया। सतेन्द्र बारी ने कहा कि पेड़-पौधे मानव जीवन के आधार हैं। स्वच्छ वातावरण, शुद्ध हवा और आने वाली पीढ़ियों के बेहतर भविष्य के लिए वृक्षारोपण के साथ-साथ उनका संरक्षण भी उतना ही आवश्यक है।

उन्होंने लोगों से अपील की कि पिछले वर्ष लगाए गए पौधों की 'वर्षगांठ' मनाकर उनके संरक्षण का संकल्प लें, जिससे पौधों के प्रति जिम्मेदारी और जागरूकता बढ़े। गांव पहुंचने पर ग्रामीणों ने डीजे और गाजा-बाजा के साथ उनका भव्य स्वागत किया तथा माल्यार्पण कर सम्मानित किया। उल्लेखनीय है कि सतेन्द्र बारी का पैतृक गांव भदोही जिले का किशुनदेवपुर है, हालांकि वर्तमान में वह वाराणसी में निवास करते हैं। प्रदेश में चल रहे व्यापक वृक्षारोपण अभियान के तहत उन्होंने अपने पैतृक गांव में पौधरोपण कर अभियान को नई गति देने का प्रयास किया। इस अवसर पर ग्राम प्रधान छबिनाथ यादव, आरएफओ राहुल सिंह कौशिक, डिप्टी रेंजर मुकुंद मिश्रा, वन दरोगा प्रभात सिंह सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक संपन्न, दुर्घटना रोकथाम एवं यातायात सुरक्षा पर विशेष जोर

अपर जिलाधिकारी ने संबंधित विभागों को समयबद्ध कार्रवाई के दिए निर्देश

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सोनभद्र/उत्तर प्रदेश- जिलाधिकारी चर्चित गौड़ के निर्देश के क्रम में कलेक्ट्रेट सभागार में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) वागीश कुमार शुक्ला की अध्यक्षता में की गयी। बैठक में जनपद में सड़क सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने, दुर्घटनाओं में कमी लाने तथा यातायात संबंधी समस्याओं के त्वरित समाधान को लेकर विभिन्न बिंदुओं पर विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक की अध्यक्षता करते हुए अपर जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि रॉबर्ट्सगंज नगर पालिका परिषद क्षेत्र में रेलवे ओवरब्रिज से वर्षा का पानी सीधे सड़क पर गिरने की समस्या का समाधान कराया जाए। इसके लिए प्रभावी पाइपलाइन की व्यवस्था कर पानी का सुरक्षित निकास सुनिश्चित किया जाए, जिससे आवागमन सुचारु रहे और दुर्घटनाओं की संभावना कम हो। उन्होंने सड़कों के किनारे बने गड्ढों की शीघ्र मरम्मत कराने के भी निर्देश दिए। अपर जिलाधिकारी ने कहा कि परिवहन, पुलिस एवं शिक्षा विभाग को निर्देशित किया कि विद्यालयों एवं महाविद्यालयों में नियमित रूप से यातायात जागरूकता अभियान चलाया जाए तथा छात्र-छात्राओं को सड़क सुरक्षा नियमों का पालन करने के लिए प्रेरित किया जाए। उन्होंने लोक निर्माण विभाग एवं संबंधित एजेंसियों को निर्देश दिए कि जनपद के सभी दुर्घटना बहुल (ब्लैक स्पॉट) स्थलों पर आवश्यक चेतावनी एवं संकेतक बोर्ड लगाए जाएं, ताकि वाहन चालकों को समय रहते सतर्क किया जा सके। साथ ही सड़क सुरक्षा संबंधी जनजागरूकता कार्यक्रमों को व्यापक स्तर पर संचालित करने पर भी जोर दिया गया। बैठक में जिला विद्यालय निरीक्षक जयराम सिंह, सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी (एआरटीओ), जिला अबकारी अधिकारी, अधिशासी अभियंता प्रांतीय खंड शैलेश ठाकुर सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत मासूम को मिला जीवनदान की उम्मीद

भदोही। राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम (आरबीएसके) के तहत सोमवार को जन्मजात हृदय रोग से पीड़ित एक चार माह के मासूम को निःशुल्क शल्य चिकित्सा के लिए अलीगढ़ रेफर किया गया। मासूम सुरियावां ब्लॉक के पूरे मनोहर गांव निवासी अखिलेश साहू और रानी गुप्ता का पुत्र है। परिजनों के अनुसार, 14 अप्रैल 2026 को जन्म के बाद से ही बच्चा लगातार बीमार रहता था। जांच में उसके हृदय में छेद (होल इन हार्ट) होने की जानकारी मिली। निजी अस्पतालों में इलाज का खर्च वहन कर पाना परिवार के लिए संभव नहीं था। इसके बाद सुरियावां सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर संपर्क करने पर उन्हें राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम की जानकारी मिली। मुख्य चिकित्सा अधिकारी के निर्देश पर बच्चे को निःशुल्क उपचार के लिए अलीगढ़ रेफर किया गया है। डॉ. एस.के. चक ने बताया कि बच्चे के हृदय में छेद है और राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत उसका उपचार एवं शल्य चिकित्सा पूरी तरह निःशुल्क कराई जाएगी। इससे आर्थिक रूप से कमजोर परिवार को बड़ी राहत मिली है।

डॉ. कलाम की पुण्यतिथि पर कांग्रेसियों ने दी श्रद्धांजलि

सुल्तानपुर में अभिषेक राणा बोले-विज्ञान और सादगी से बढ़ाया भारत का सम्मान

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सुल्तानपुर में भारत रत्न और पूर्व राष्ट्रपति डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम की पुण्यतिथि पर सोमवार को जिला कांग्रेस कमेटी कार्यालय में श्रद्धांजलि सभा और गोष्ठी का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कांग्रेस जिलाध्यक्ष अभिषेक सिंह राणा और शहर अध्यक्ष शकील अंसारी सहित पार्टी के पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं और नेताओं ने डॉ. कलाम के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। कार्यालय में आयोजित गोष्ठी में डॉ. कलाम के प्रेरणादायी व्यक्तित्व और कृतित्व पर प्रकाश डाला गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कांग्रेस जिलाध्यक्ष अभिषेक सिंह राणा ने कहा कि डॉ. कलाम का जीवन देश के हर नागरिक, विशेषकर युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत है। उन्होंने साधारण परिवार से निकलकर अपनी प्रतिभा, कड़ी मेहनत और दृढ़ संकल्प से विश्वभर में भारत का गौरव बढ़ाया।

एक महान वैज्ञानिक के रूप में उन्होंने देश की रक्षा क्षमता को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया। राष्ट्रपति के रूप में अपनी सादगी, ईमानदारी और संवेदनशीलता से उन्होंने करोड़ों लोगों को प्रभावित किया। डॉ. कलाम का मानना था कि बड़े सपने देखने वाले ही बड़े लक्ष्य हासिल करते हैं। उन्होंने युवाओं को शिक्षा, नवाचार और राष्ट्र निर्माण के लिए सदैव प्रेरित किया। उनका संपूर्ण जीवन राष्ट्रसेवा, विज्ञान और मानवता के प्रति समर्पित रहा। अभिषेक सिंह राणा ने कहा कि आज आवश्यकता है कि हम उनके आदर्शों, विचारों और मूल्यों को अपने जीवन में अपनाएं। उन्होंने एक मजबूत, शिक्षित, वैज्ञानिक सोच वाले और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान किया। डॉ. कलाम का व्यक्तित्व और कृतित्व सदैव देशवासियों का मार्गदर्शन करता रहेगा। कांग्रेस नेता सुब्रत सिंह सनी ने कहा कि डॉ. कलाम ने अपने कार्यों से यह

सिद्ध किया कि कठिन परिश्रम, अनुशासन और सकारात्मक सोच के बल पर कोई भी व्यक्ति देश और समाज के लिए बड़ी भूमिका निभा सकता है। उनका जीवन आने वाली पीढ़ियों को सदैव प्रेरित करता रहेगा। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित सभी नेताओं और कार्यकर्ताओं ने डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम के आदर्शों पर चलने तथा राष्ट्रहित में कार्य करने का संकल्प लिया। इस मौके पर सुरेन्द्र शुक्ला, लाल पदमाकर सिंह, सलाहुद्दीन हाशमी, शारिक अल्वी, ममनून आलम, मोहित तिवारी, इमरान अहमद, दिनेश तिवारी, दिनेश मिश्र, रब्बन हाशमी और दिव्यांशु ओझा समेत दर्जनों लोग मौजूद रहे।

निषाद पार्टी ने आरक्षण की मांग पर अभियान छेड़ा

सुल्तानपुर में अभिषेक राणा बोले-विज्ञान और सादगी से बढ़ाया भारत का सम्मान

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सुलतानपुर में निषाद पार्टी ने सोमवार को भाजपा विधायक सीताराम वर्मा के कार्यालय पर प्रदर्शन किया। राष्ट्रीय सचिव केस कुमारी निषाद के नेतृत्व में पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने आरक्षण की मांग को लेकर विधायक को ज्ञापन सौंपा। यह अभियान निषाद समाज के लिए आरक्षण सुनिश्चित करने के उद्देश्य से शुरू किया गया है। निषाद पार्टी की राष्ट्रीय सचिव ने बताया कि डॉ. संजय कुमार निषाद के निर्देशानुसार, प्रदेश के सभी 75 जिलों में यह अभियान चलाया जा रहा है। इसका लक्ष्य निषाद समाज (जिसमें बिंद, माझी, मझवार, केवट, मल्लाह आदि शामिल हैं) को आरक्षण दिलाना है। पार्टी पक्ष और विपक्ष दोनों के विधायकों को ज्ञापन सौंप रही है। उन्होंने कहा कि आगामी विधानमंडल सत्र के दौरान सभी विधायक निषाद समाज के आरक्षण के मुद्दे पर सदन में अपनी आवाज उठाएं। पार्टी चाहती है कि विधायक इस विषय पर कम से कम दो शब्द बोलकर सरकार को इस दिशा में निर्णय लेने के लिए प्रेरित करें। पार्टी नेता ने चेतावनी दी कि यदि आरक्षण की मांगें पूरी नहीं की जाती हैं, तो निषाद पार्टी उग्र धरना-प्रदर्शन और आंदोलन करने के लिए बाध्य होगी। सुलतानपुर में, निषाद पार्टी के कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों ने सदर विधानसभा सीट से भाजपा विधायक सीताराम वर्मा से मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल ने विधायक को अपनी मांगों और मुद्दों से संबंधित एक ज्ञापन पत्र सौंपा। इस दौरान निषाद पार्टी के प्रमुख पदाधिकारी, कार्यकर्ता और समर्थक पारंपरिक लाल टोपी और पार्टी का झंडा लिए मौजूद थे। कार्यकर्ताओं ने निषाद समाज और पार्टी से जुड़े विभिन्न विषयों तथा

स्थानीय समस्याओं पर चर्चा की और विधायक से उन पर उचित कार्रवाई का अनुरोध किया। इस अवसर पर बृजलाल वर्मा (प्रदेश सचिव), रामलाल निषाद (प्रदेश सचिव), महेश निषाद (प्रदेश सचिव), राजेश निषाद (जिला अध्यक्ष), रमेश निषाद (संगठन जिला अध्यक्ष), डॉ. अमरबहादुर निषाद (युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष), आनंद निषाद (जिला महासचिव), जगदीश निषाद (विधानसभा अध्यक्ष), हरीराम निषाद (विधानसभा अध्यक्ष), प्रियंका निषाद, उमा देवी निषाद और शिव बहादुर निषाद सहित कई प्रमुख पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

डीएपी, यूरिया की कालाबाजारी एवं जातीय जगणना को लेकर जन अधिकार पार्टी ने किया धरना- प्रदर्शन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

राबर्ट्सगंज/सोनभद्र- सोमवार दिनांक 27 जुलाई 2026 दिन सोमवार को जन अधिकार पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष शिवकन्या कुशवाहा एवं संस्थापक सांसद बाबू सिंह कुशवाहा के निर्देशानुसार प्रदेश व्यापी कार्यक्रम के क्रम में जातीय जगणना, किसानों को उर्वरक उपलब्ध कराए जाने सहित अन्य मांगो को लेकर जन अधिकार पार्टी के पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं एवं समर्थकों ने जुलूस के शक्ल में नारेबाजी करते हुए जिला अधिकारी कार्यालय पहुंच नारेबाजी करते हुए राष्ट्रपति भारत सरकार को संबोधित ज्ञापन पत्र जिलाधिकारी सोनभद्र को सौंपा।

इस दौरान प्रदेश प्रमुख महासचिव (उ0 प्र0) डॉ भागीरथी सिंह मौर्य ने कहा कि देश में अनेकानेक जातीय निवास करती है परन्तु कुछ जातियों को छोड़कर अधिकतर जातियों को आजादी के उन्यासी साल बाद भी उनको बराबरी का अधिकार नहीं मिल पाया इसलिए जन अधिकार पार्टी की चाहत है कि देश में जाती जनगणना कराकर प्रत्येक जाति को उसकी संख्या के अनुपात में जीवन के हर क्षेत्रों में उसकी हिस्सेदारी सुनिश्चित की जाए जिससे समाज के अंतिम व्यक्ति के होठों पर मुस्कान दिख सके । आगे श्री मौर्य ने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा राष्ट्रीय संपत्तियों को निजी कंपनियों के हाथ कौड़ियों के भाव बेचा जा रहा है जिससे देश की अपूर्णीय क्षति हो रही है जिस पर तत्काल रोक लगाया जाए नहीं तो देश खोखला हो जाएगा ।जिलाध्यक्ष आदित्य मौर्य ने कहा की

वर्तमान समय किसानों के खेती का प्रमुख समय है परंतु किसान डीएपी यूरिया के लिए दर दर की ठोकर खा रहा है साथ ही 1350 की डीएपी 2200 और 266 की यूरिया 400 से 600 में खरीदने को मजबूर है जिससे किसान कालाबाजारी का शिकार हो रहा है जिस पर तत्काल रोक लगाते हुए किसानों को पर्याप्त मात्रा में उर्वरक उपलब्ध कराया जाए जिससे किसानों का शोषण बंद हो सके। जिसके क्रम में जिला महासचिव रविरंजन शाक्य एवं महिला प्रकोष्ठ की जिलाध्यक्ष कुसुम मौर्य ने कहा कि पेट्रोल - डीजल पर अधिरोपित टैक्स को केंद्र व राज्य सरकार कम करे जिससे पेट्रोल-डीजल सस्ता हो सके साथ ही बढ़ी हुई कीमतें वापस की जाए एवं सामान्य वर्ग की तरह पिछड़े वर्ग को भी छात्रवृत्ति प्रदान की जाए। प्रदर्शनकारियों ने सोनभद्र में आदिवासियों की जमीनों का अधिग्रहण कर प्राइवेट कम्पनियों को दिए जाने का जमकर विरोध करते हुए रोक लगाए जाने की मांग किया। इस दौरान जिला महासचिव रविरंजन शाक्य, बलिराम मौर्य प्रधान, मनोज मौर्य, चंद्रमा सिंह, बिहारी सिंह, अवधेश सिंह, भागवत सिंह,जय सिंह मौर्य, बासुदेव सिंह, राकेश कुमार, रमाशंकर, अभय सिंह सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

पुलिस अधीक्षक सोनभद्र ने सुनी आमजन की समस्याएं, दिये त्वरित एवं निष्पक्ष निस्तारण के दिए निर्देश

सोनभद्र/उत्तर प्रदेश- पुलिस अधीक्षक सोनभद्र अभिषेक वर्मा द्वारा पुलिस कार्यालय में आयोजित जनसुनवाई/जनता दर्शन कार्यक्रम में जनपद के विभिन्न थाना क्षेत्रों से आए नागरिकों की शिकायतों को गंभीरता, संवेदनशीलता एवं पूर्ण तत्परता के साथ सुना गया। कार्यक्रम के दौरान भूमि विवाद, पारिवारिक विवाद, मारपीट, गुमशुदगी, साइबर धोखाधड़ी, राजस्व प्रकरणों एवं अन्य पुलिस संबंधी मामलों से संबंधित शिकायतें प्राप्त हुईं। पुलिस अधीक्षक ने प्रत्येक प्रकरण का स्वयं संज्ञान लेते हुए संबंधित क्षेत्राधिकारी एवं थाना प्रभारियों को निष्पक्ष, पारदर्शी एवं समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करने हेतु स्पष्ट निर्देश प्रदान किए।उन्होंने निर्देशित किया कि सभी शिकायतों की गुणवत्तापूर्ण एवं तथ्यपरक जांच की जाए तथा पीड़ितों को की गई कार्यवाही से समय पर अवगत कराया जाए। किसी भी स्तर पर लापरवाही, विलंब या उत्पीड़न पाए जाने पर कठोर कार्यवाही की चेतावनी भी दी गई।

जिन मामलों में त्वरित हस्तक्षेप आवश्यक है, उनमें तत्काल विधिक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। जनसुनवाई कार्यक्रम पुलिस और जनता के मध्य विश्वास, संवाद एवं पारदर्शिता को सुदृढ़ करने का प्रभावी माध्यम है। आमजन की समस्याओं का त्वरित, निष्पक्ष एवं संतोषजनक समाधान ही पुलिस की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

राजस्व वादों, अंश निर्धारण एवं कृषक दुर्घटना बीमा प्रकरणों के त्वरित निस्तारण के निर्देश

जिलाधिकारी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से की समीक्षा, लापरवाही पर कार्रवाई की दी चेतावनी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सोनभद्र/उत्तर प्रदेश- जिलाधिकारी चर्चित गौड़ ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से समस्त उप जिलाधिकारियों एवं तहसीलदारों के साथ अंश निर्धारण, कृषक दुर्घटना बीमा योजना की पत्रावलियों तथा विभिन्न राजस्व वादों के निस्तारण की प्रगति की समीक्षा की। समीक्षा के दौरान उन्होंने लंबित प्रकरणों के शीघ्र एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के निर्देश देते हुए कहा कि शासन की प्राथमिकता के अनुरूप प्रत्येक पात्र व्यक्ति को समयबद्ध न्याय एवं राहत उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया जाए। जिलाधिकारी ने सभी उप जिलाधिकारियों को निर्देशित किया कि अंश निर्धारण, कृषक दुर्घटना बीमा योजना के प्रकरणों तथा राजस्व वादों के निस्तारण में तेजी लाई जाए और निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप लंबित मामलों का गुणवत्तापूर्ण निस्तारण किया जाए।

उन्होंने कहा कि प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री की स्पष्ट मंशा है कि आमजन को

समय पर न्याय मिले तथा उनकी समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर समाधान हो। इसमें किसी भी प्रकार की शिथिलता स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी लंबित प्रकरणों की नियमित समीक्षा करते हुए निर्धारित समय सीमा में उनका निस्तारण सुनिश्चित करें। जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया कि प्रत्येक दो दिवस पर इन कार्यों की प्रगति की समीक्षा की जाएगी। यदि किसी अधिकारी के स्तर पर लापरवाही अथवा शिथिलता पाई गई तो संबंधित अधिकारी की जिम्मेदारी तय करते हुए नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। जिलाधिकारी ने कहा कि सभी राजस्व अधिकारी पूरी गंभीरता, पारदर्शिता एवं उत्तरदायित्व के साथ कार्य करते हुए शासन की मंशा के अनुरूप जनहित के मामलों का त्वरित निस्तारण सुनिश्चित करें।

एससी आरक्षण की मांग पर निषाद पार्टी का शक्ति प्रदर्शन, विधायक को सौंपा ज्ञापन

भदोही। अनुसूचित जाति (एससी) आरक्षण की मांग को लेकर सोमवार को ज्ञानपुर में निषाद पार्टी ने शक्ति प्रदर्शन किया। पार्टी कार्यकर्ताओं ने पदयात्रा निकालकर राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री के नाम संबोधित ज्ञापन ज्ञानपुर विधायक विपुल दुबे को सौंपा। इस दौरान विधायक भी कार्यकर्ताओं के साथ धरने पर बैठे। कार्यक्रम में निषाद पार्टी के नेताओं ने कहा कि निषाद समाज को उसका संवैधानिक अधिकार और आरक्षण मिलना चाहिए। उन्होंने सरकार से समाज की मांगों पर गंभीरता से विचार करने की अपील की। इस अवसर पर पार्टी के आईटी सेल के प्रदेश अध्यक्ष मिठाईलाल केवट ने वीआईपी प्रमुख मुकेश साहनी के आरोपों पर पलटवार करते हुए कहा कि निषाद समाज को पहचान, सम्मान और राजनीतिक भागीदारी दिलाने का काम डॉ. संजय निषाद ने किया है। उन्होंने कहा कि जो समाज के हित में कार्य करेगा, निषाद समाज उसी के साथ रहेगा। उन्होंने कहा कि एससी आरक्षण की मांग को लेकर आंदोलन आगे भी जारी रहेगा और समाज अपने अधिकारों के लिए लोकतांत्रिक तरीके से संघर्ष करता रहेगा।

योगी सरकार के प्रयासों से बदली सोनभद्र के स्कूलों की तस्वीर

900 विद्यालयों में स्मार्ट क्लास से आसान हुई पढ़ाई

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सोनभद्र/उत्तर प्रदेश- प्रदेश में शिक्षा व्यवस्था को आधुनिक और तकनीक आधारित बनाने की दिशा में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। इन्हीं प्रयासों का परिणाम है कि प्रदेश सरकार और संपर्क फाउंडेशन के सहयोग से जनपद सोनभद्र के 10 विकास खंडों के 900 परिषदीय विद्यालयों में स्मार्ट क्लास संचालित की जा रही हैं। इस पहल से सरकारी विद्यालयों में पढ़ने वाले हजारों बच्चों को नई शिक्षा नीति के अनुरूप गुणवत्तापूर्ण और रोचक शिक्षा उपलब्ध हो रही है। जिलाधिकारी चर्चित गौड़ ने बताया कि संपर्क फाउंडेशन की एसटीवी डिवाइस में नई शिक्षा नीति (एनईपी-2020) के अनुरूप एनसीईआरटी और एससीईआरटी से अनुमोदित शैक्षणिक सामग्री पहले से ही उपलब्ध रहती है। यह सामग्री आकर्षक एनीमेशन, चित्रों, वीडियो और गतिविधियों के माध्यम से तैयार की गई है, जिससे बच्चों की विषयों में रुचि बढ़ती है और कठिन अवधारणाएं भी आसानी से समझ में आ जाती हैं। इस डिवाइस के संचालन के लिए इंटरनेट की आवश्यकता नहीं होती है। उन्होंने बताया कि बच्चों को अब डिजिटल माध्यम से सीखने का अवसर मिल रहा है। शिक्षक भी कक्षा में ऑडियो-वीडियो सामग्री की सहायता से पढ़ाई को अधिक रोचक बना रहे हैं। इसका सकारात्मक प्रभाव विद्यार्थियों की उपस्थिति, सहभागिता और सीखने की क्षमता पर भी देखने को मिल रहा है। उन्होंने बताया कि स्मार्ट क्लास शुरू होने के बाद बच्चों का पढ़ाई के प्रति उत्साह काफी बढ़ा है। एनीमेशन और दृश्य सामग्री के माध्यम से पढ़ाए जाने वाले पाठ बच्चों को लंबे समय तक याद रहते हैं। गणित, विज्ञान, हिंदी और अंग्रेजी जैसे विषय अब पहले की तुलना में अधिक सरल और मनोरंजक बन गए हैं। बच्चे भी पूरे मनोयोग से कक्षाओं में

भाग लेते हैं और सीखने की प्रक्रिया का आनंद उठाते हैं।

स्मार्ट क्लास से शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार की शुरुआत

प्रदेश सरकार और संपर्क फाउंडेशन की यह संयुक्त पहल सोनभद्र के सरकारी विद्यालयों में शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हो रही है। आधुनिक तकनीक, प्रशिक्षित शिक्षकों और गुणवत्तापूर्ण डिजिटल कंटेंट के माध्यम से बच्चों को बेहतर शिक्षण वातावरण मिल रहा है, जिससे आने वाले समय में उनके शैक्षणिक स्तर में और अधिक सुधार की उम्मीद जताई जा रही है।

संक्षिप्त खबरें

संदिग्ध दशा में युवती की मौत, कोहराम मचा

लालगंज, प्रतापगढ़। संदिग्ध दशा में युवती की मौत से परिजनों में कोहराम मच गया। उदयपुर थाना के शीतल सिंह का पुरवा निवासी शब्बीर उर्फ वीरू की बीस वर्षीया पुत्री मुस्कान रविवार की शाम करीब सात बजे कमरे मे दुपट्टे से गले में फंदा लगा लिया। मां रूबीना बाजार गयी थी। वहीं भाई मवेशी चराने घर से निकला था। देर शाम मृतका की मां घर लौटी तब कमरे में बेटी को फंदे से झूलता देख दंग रह गयी। वहीं सूचना पर भाई पहुंचा तो वह भी बिलख पड़ा। जानकारी मिलने पर उदयपुर पुलिस पहुंची और शव को कब्जे मे लेकर पीएम के लिए जिला मुख्यालय भेजवाया। मृतका का पिता सांगीपुर बाजार में कपड़े की सिलाई करता है। मौत को लेकर परिजनों में कोहराम मचा है।

प्रमोद ने पढ़ाया नये राज्यसभा सांसदों को विधायी कौशल का पाठ, राजनैतिक कौशल की हुई तारीफ

लालगंज, प्रतापगढ़। राज्यसभा में विपक्ष के उपनेता प्रमोद तिवारी के अनुभव और वरिष्ठता के चलते संसदीय पटल पर प्रतापगढ़ के नाम एक और गौरवपूर्ण उपलब्धि दर्ज हुई है। नई दिल्ली के पार्लियामेण्ट्री एनेक्सी में रविवार की शाम राज्यसभा के नव निर्वाचित सांसदों के लिए विशेष तौर पर विषय बोध कार्यक्रम में वरिष्ठ सांसद प्रमोद तिवारी का उदबोधन कार्यक्रम हुआ। राज्यसभा सचिवालय द्वारा नव निर्वाचित सांसदों को संसद की कार्यवाही से जुड़े विधायी कौशल में निपुणता के लिए आयोजित विषय बोध में विपक्ष की ओर से सिर्फ प्रमोद तिवारी का चयन जिले के लिए गौरवपूर्ण क्षण की अनुभूति है।सांसद प्रमोद तिवारी ने उदबोधन में नव निर्वाचित राज्यसभा सदस्यों को संसदीय कार्रवाई के नियमों व आचरण से जुड़े विषयों पर पारंगत किया। वहीं उन्होने नये सांसदों का ज्ञान बढ़ाते हुए उन्हें संसद के प्रश्न प्रहर में जनहित से जुड़े प्रश्नों को नियमों के तहत उठाने की भी जानकारियां प्रदान की। सांसद निधि के जनकल्याणकारी योजनाओं में उपयोग तथा खर्च को लेकर भी उपनेता प्रमोद तिवारी ने नव निर्वाचित सांसदों की जिज्ञासाओं का भी समाधान किया।सांसद प्रमोद तिवारी संसद की इथिक्स कमेटी की भी सलाहकार समिति के सदस्य हैं। राज्यसभा सचिवालय द्वारा संसद की इस महत्वपूर्ण परिचर्चा में प्रमोद तिवारी के प्रतिनिधित्व से जिले को पहली बार संसदीय उपलब्धि के गौरव का तकमा मिल सका है। यह जानकारी सांसद प्रमोद के मीडिया प्रभारी ज्ञानप्रकाश शुक्ल ने सोमवार को यहां दी है।

भाषा समृद्धि में सहायक होगा निपुण संकल्प कार्यशाला- बीएसए

सिद्धार्थनगर। राष्ट्रीय शिक्षा नीति को धरातल पर लागू करने के उद्देश्य से जनपद सिद्धार्थनगर एवं बलरामपुर के खण्ड शिक्षा अधिकारी, डायट मेंटर, एसआरजी, एवं एआरपी की की संयुक्त रूप से निपुण संकल्प कार्यशाला का आयोजन मुख्यालय स्थित शुभम पैराडाइज में किया गया। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी शैलेश कुमार ने बतौर मुख्य अतिथि, कार्यशाला के शुभारंभ में अपने संबोधन में कहा कि बच्चों को उनकी भाषा समृद्ध करने के लिए यह प्रशिक्षण सहायक सिद्ध होगा। इस कार्यशाला की सीख प्रत्येक विद्यालय तक पहुंचा कर ऐसे सभी बच्चों के लिए सहायक सिद्ध होगा जो सीखने में पिछड़ रहे हैं। यही निपुण भारत मिशन की संकल्पना भी है। राज्य परियोजना कार्यालय के प्रतिनिधि के रूप में लखनऊ से आए गर्व नागपाल, श्वेता किरण एवं देवम त्रिपाठी द्वारा कार्यशाला में एनबीएमसी पोर्टल के प्रयोग, नवीन निपुण लक्ष्य, विभिन्न बैठकों का आयोजन, प्रिंट रिच सामग्री का उपयोग आदि बिंदुओं पर विस्तृत चर्चा की। सन्दर्भदाता देवम त्रिपाठी द्वारा बाल वाटिका के उपयोग एवं संचालन पर चर्चा की। कार्यशाला का संचालन करते हुए एसआरजी अंशुमान सिंह ने विस्तार से कार्यशाला के एजेंडा पर प्रकाश डाला। खण्ड शिक्षा धिकारी महेन्द्र कुमार द्वारा कार्यशाला में उपस्थित सभी का धन्यवाद ज्ञापित करते हुए आभार व्यक्त किया। कार्यशाला में दोनों जनपदों के खण्ड शिक्षाधिकारी भी उपस्थित रहे। कार्यशाला में तकनीकी सहयोग एवं कार्यशाला के सफल आयोजन में जिला समन्वयक निपुण आशीष कुमार सिंह, मारुति नंदन, अपूर्व श्रीवास्तव, प्रतिमा सिंह, महमूदुल हक आदि उपस्थित रहें।

शिक्षा नीति 2020 से युवाओं के लिए घातक, वापस लेना जरूरी- हेमंत

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रतापगढ़। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी जिला कमेटी प्रतापगढ़ द्वारा सोमवार को जिलाधिकारी कार्यालय पर सांकेतिक प्रदर्शन करते हुए राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन में कहा गया है कि भाजपा सरकार ने पूरी शिक्षा व्यवस्था को तहस नहस कर दिया है। आरएसएस शिक्षा व्यवस्था को दीमक की तरह अन्दर ही अन्दर खोखला कर रहा है। नई शिक्षा नीति 2020 आरएसएस के दिमाग की उपज है जो शिक्षा को निजीकरण, बाजारीकरण और सम्प्रदायीकरण की तरफ ले जा रही है। प्रतिवर्ष नया सेल्बस, नई पुस्तकें, फीस वृद्धि अभिभावकों और छात्रों की कमर तोड़ रही है। पेपर लीक ने तो छात्रों का भविष्य ही बर्बाद कर दिया है। शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान का इस्तीफा उत्पन्न भयावह समस्या का हल नहीं है। पूरी शिक्षा व्यवस्था में आमूलचूल परिवर्तन की आवश्यकता है। नई दिल्ली जंतर-मंतर पर पुलिस द्वारा छात्रों पर जो बर्बरता पूर्ण आक्रमण किया गया।पैलेट गन और कील लगी लाठियों का बर्बर इस्तेमाल हुआ है इसके लिए सीधे -सीधे गृहमंत्री जिम्मेदार हैं।

भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के ज्ञापन में शिक्षामंत्री धर्मेन्द्र प्रधान को पेपर लीक, छात्रों पर बर्बरता के लिए दोषी,नई शिक्षा नीति 2020 को तत्काल प्रभाव से वापस लिया जाए। जंतर-मंतर पर आन्दोलन रत छात्रों पर जबरन गैर कानूनी तरीके से की गई एफआईआर को बिना शर्त तत्काल प्रभाव से वापस लिया जाय, छात्रों के ऊपर किए गए बर्बर लाठीचार्ज, लड़कियों के साथ की गई बदसलूकी की न्यायिक जांच कराई जाए।

सरकारी, गैर सरकारी शिक्षण संस्थानों में बढ़ी हुई फीस वृद्धि को शीघ्रातिशीघ्र वापस लिया जाए।ज्ञापन देने वालों में प्रमुख रूप से भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के राज्य परिषद के सदस्य हेमंत नंदन ओझा, पूर्व जिला मंत्री रामबरन सिंह, मंत्री परिषद के सदस्य निर्भय प्रताप सिंह, विवेक श्रीवास्तव, आलोक सिंह आदि प्रमुख रहे।

ग्रामोद्योग योजनाओं के प्रचार-प्रसार को लेकर धरौली मुफरिद में जागरूकता शिविर आयोजित

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रतापगढ़। मुख्यमंत्री ग्रामोद्योग रोजगार योजना, मुख्यमंत्री माटीकला रोजगार योजना, मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान एवं प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम योजनाओं के प्रचार-प्रसार के लिए तहसील पट्टी के धरौली मुफरिद में एक दिवसीय जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का आयोजन प्रभारी ग्रामोद्योग अधिकारी रहेन्द्र कुमार शुक्ला की अध्यक्षता में किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि क्षेत्र पंचायत सदस्य कर्मा देवी रहीं। इस अवसर पर सहायक विकास अधिकारी (कृषि) राजेश कुमार, भाजपा किसान मोर्चा के मंडल अध्यक्ष शेष कुमार वर्मा, समाजसेवी सियाराम वर्मा, डॉ. प्रवीन वर्मा, प्रभारी कृषि बीज गोदाम फूलचन्द्र पटेल, मधुमक्खी पालन के यू-ट्यूबर शिवशंकर पटेल, अशोक कुमार, श्याम बहादुर यादव, सिद्धान्त मौर्य

सहित ग्रामीण एवं स्थानीय लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम में विभागीय अधिकारियों एवं अतिथियों ने ग्रामीणों को विभिन्न स्वरोजगारपरक योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इन योजनाओं के माध्यम से पात्र लाभार्थी उद्योग एवं स्वरोजगार स्थापित कर अपनी आर्थिक स्थिति को मजबूत कर सकते हैं। शिविर में योजनाओं की पात्रता, आवेदन प्रक्रिया, वित्तीय सहायता तथा लाभ प्राप्त करने की प्रक्रिया के संबंध में भी लोगों को जानकारी दी गई। कार्यक्रम का संचालन कार्यालय प्रभारी राम अजीत पटेल ने किया।

स्कूल बस की टक्कर से किशोर की मौत, चचेरा भाई गंभीर

सुल्तानपुर- अयोध्या-प्रयागराज हाइवे बाईपास पर सोमवार को लगभग 3:30 बजे एक भीषण सड़क हादसा हुआ। कोतवाली देहात थाना क्षेत्र के नकराही गांव के पास एक स्कूल बस ने बाइक सवार दो चचेरे भाइयों को टक्कर मार दी। इस दुर्घटना में एक किशोर की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दूसरा गंभीर रूप से घायल हो गया। मृतक की पहचान गोसाईगंज थाना क्षेत्र के भोंएं गांव निवासी 12 वर्षीय दिवस पुत्र लालजी के रूप में हुई है। हादसे में घायल 22 वर्षीय अर्जुन पुत्र रतिपाल को राजकीय मेडिकल कॉलेज सुल्तानपुर से गंभीर हालत में ट्रॉमा सेंटर लखनऊ रेफर किया गया है, जहां उनका इलाज जारी है। भोंएं ग्राम प्रधान योगेश कुमार ने बताया कि मृतक और घायल आपस में चचेरे भाई हैं। वे दोनों बर्फ खरीदकर घर लौट रहे थे, तभी स्कूल बस ने उन्हें रौंद दिया। ग्राम प्रधान ने मृतक के परिवार को प्रशासन से मदद दिलाने की मांग की है। मृतक के पिता मछली पकड़ने का काम करते हैं।

ट्रांसफार्मर जलने से अंधेरे में रहने को ग्रामीण मजबूर

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बिस्कोहर (सिद्धार्थनगर)। ग्राम पंचायत बस्ती बरगदवा में शनिवार सुबह करीब 10 बजे 25 केवीए का ट्रांसफार्मर जल जाने से अस्थायी गौशाला सहित करीब 40 घरों की बिजली आपूर्ति ठप हो गई है। सूचना देने के बावजूद 50 घंटे से अधिक समय बीत जाने पर भी ट्रांसफार्मर नहीं बदला गया, जिससे ग्रामीणों में नाराजगी है। ग्रामीणों का कहना है कि उमस भरी गर्मी के बीच बिजली न रहने से लोगों का घरों में रहना मुश्किल हो गया है। रात में परिवारों को मोमबत्ती और टॉर्च के सहारे समय बिताना पड़ रहा है। बिजली आपूर्ति बाधित होने से पेयजल संकट के साथ घरेलू कामकाज और पशुओं की देखभाल भी प्रभावित हो रही है। अस्थायी गौशाला में भी बिजली न होने से परेशानी बढ़ गई है। ग्रामीण नसीम अहमद ने बताया कि ट्रांसफार्मर जलने के तुरंत बाद बिजली विभाग को सूचना दे दी गई थी, लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई। वहीं श्रीराम ने कहा कि कई बार शिकायत करने के बावजूद विभाग ने ट्रांसफार्मर नहीं बदला। उन्होंने जल्द बिजली आपूर्ति बहाल कराने की मांग की। ग्रामीण सलीम मोहम्मद, कुण्टली, एहसान, नसीम अहमद, कमाल और बाबू रजा सहित अन्य लोगों ने भी शीघ्र ट्रांसफार्मर बदलने की मांग उठाई है। इस संबंध में विद्युत उपकेंद्र कठौतिया रामनाथ

के जेई सिद्धार्थ शंकर गुप्ता ने बताया कि ट्रांसफार्मर की मांग जिले पर भेज दी गई है। उम्मीद है कि सोमवार शाम या मंगलवार तक ट्रांसफार्मर उपलब्ध हो जाएगा, जिसके बाद उसे बदलकर बिजली आपूर्ति बहाल कर दी जाएगी।

बूचड़मंडी के पास जानवरों के अवशेष फेंकने से नाराज मोहल्ला के लोगों ने किया रास्ता जाम

» शोहरतगढ़ में सड़क जाम के समय नागरिकों को समझाते हुये तहसीलदार प्रकाश सिंह व पुलिस प्रशासन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सिद्धार्थनगर। नगर पंचायत शोहरतगढ़ स्थित शिवनगर वार्ड में नगर पंचायत द्वारा बनाये गये बूचड़मंडी के दुकानदारों द्वारा मांस बिक्री हेतु जानवरों को काटकर उसके अवशेषों को सड़क व आसपास जगहों पर फेंकने का आरोप नगरवासियों ने लगाया। कहा कि इससे बड़ी गंदगी फैली रही है। इसके दुर्गंध से तंग आकर सोमवार की शाम कुछ लोगों ने रास्ता जाम कर दिया। रास्ता जाम की खबर सुनते ही तहसीलदार प्रकाश सिंह व ईओ शिवकुमार एवं थाना प्रभारी नवीन कुमार सिंह पुलिस जवानों संग मौके पर पहुंच कार्रवाई का आश्वासन देते हुए मामले को शांत कराते हुए हुए रास्ता जाम को हटवाया।

नगर पंचायत के बूचड़मंडी के पास रहने वाले मनीष कुमार वर्मा, निखिल वर्मा व सूरज ने की बार गंदगी व मांस के अवशेषों को सड़क पर फेंकने की शिकायत डीएम, एसडीएम व प्रशासनिक अधिकारियों से की थी, पर कोई कार्रवाई न होने से क्षुब्ध होकर सोमवार की सायं कुछ लोगों के साथ रास्ता जाम कर दिया। लोगों ने आरोप लगाया कि बूचड़मंडी में मांस बेचने के लिये कई दुकानदार सड़क पर जानवरों को काटते हैं और उनका अवशेष सड़क पर फेंक देते हैं, जिससे मोहल्ला वासियों को काफ़ी दिक्कत हो रही है। दुर्गंध से तंग मनीष वर्मा आदि ने कहा कि बूचडमंडी के पीछे एक धार्मिक स्थल है। यहां पर महिलाएं शादी के अवसर पर मिट्टी पूजने आती है। तहसीलदार प्रकाश सिंह ने ईओ को निर्देश देते हुए कहा कि मनबढ़ दुकानदारों के खिलाफ कार्रवाई करें। ईओ शिव कुमार ने कहा कि जो भी दुकानदार मार्ग में जानवरों को काटकर बिक्री करेगा उनके खिलाफ जुर्माना लगाते हुए सख्त कार्रवाई की जाएगी।ईओ ने कहा दो दिन बाद पवित्र सावन माह शुरू हो रहा है कोई भी अंडा व मांस मछली का दुकानदार खुले में सड़क व गली में बिक्री करते हुए पाया गया तो जुर्माना के साथ उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

समाजवादी बाबा साहब वाहिनी के तत्वाधान मे संविधान मान स्तम्भ दिवस मनाया गया

रायबरेली। सतांव समाजवादी बाबा साहब वाहिनी के तत्वाधान मे विधान सभा हरचंद्रपुर मे आरक्षण दिवस संविधान मान स्तम्भ दिवस के अवसर पर गोष्ठी का आयोजन हुआ जिसमे मुख्य अतिथि राहुल लोधी विधायक हरचंद्रपुर अध्यक्षता समाजवादी बाबा साहब वाहिनी राष्ट्रीय महासचिव सत्येश गौतम संचालन सपा विधान सभा अध्यक्ष राकेश यादव ने किया। विधायक हरचंद्रपुर राहुल लोधी ने अपने सम्बोधन मे कहा वर्तमान सरकार संविधान से नही खुद के कानून बना कर खुद निर्णय ले रही तानाशाह सरकार सुप्रीम कोर्ट हाईकोर्ट के फैसले नही मानती है खुद तानाशाह सरकार जज बन कर निर्णय ले रही ।सरकार का आपके सामने उदाहरण है आज से पहले बहुत सरकारे आई गई पर तानाशाह नही थी ग्राम पंचायत जिला पंचायत बीडीसी ग्राम पंचायत सदस्य आदि के चुनाव समय से नही कराना यह संविधान का उल्लंघन है। महासचिव सत्येश गौतम ने सम्बोधन मे कहा वर्तमान की सरकार मे गरीब वंचित पीड़ित और पीड़ित होता जा रहा इस सरकार मे न्याय की उम्मीद न ही करें सबका साथ सबका विकास करने वाली सरकार स्वयं का विकास करने मे व्यस्त है युवा सड़क पर उतरकर न्याय की गुहार लगा रहा है इससे ज्यादा क्या होगा। अन्य वक्ताओं ने भी संविधान मान स्तम्भ दिवस पर अपने अपने विचार व्यक्त किए।

महिला सशक्तिकरण द्वारा बहू-बेटी सम्मेलन एवं चौपाल का किया गया आयोजन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

महराजगंज/रायबरेली। मुख्यालय महिला एवं बाल सुरक्षा संगठन, उत्तर प्रदेश के निर्देशानुसार रविवार को मिशन शक्ति अभियान फेज-5.0 के द्वितीय चरण के अंतर्गत महिला सशक्तिकरण एवं सुरक्षा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से थाना कोतवाली नगर, जनपद रायबरेली की मिशन शक्ति टीम द्वारा ग्राम पिंडारी खुर्द, थाना महराजगंज में 'बहू-बेटी सम्मेलन' एवं चौपाल का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान बड़ी संख्या में उपस्थित महिलाओं एवं बालिकाओं को महिला सुरक्षा, उनके संवैधानिक अधिकारों तथा विभिन्न सरकारी योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी गई। मिशन शक्ति टीम ने आपातकालीन हेल्पलाइन नंबर 1090 (महिला पावर लाइन), 181 (महिला हेल्पलाइन), 112 (आपातकालीन सेवा), 1076 (मुख्यमंत्री हेल्पलाइन), 102 एवं 108 (एम्बुलेंस सेवा), 1930 (साइबर हेल्पलाइन), 101 (अग्निशमन सेवा) तथा 1098 (चाइल्ड हेल्पलाइन) के बारे में विस्तार से जागरूक करते हुए बताया कि 1090 पर दर्ज की गई शिकायतों में शिकायतकर्ता की पहचान पूरी तरह गोपनीय रखी जाती है।

इस अवसर पर महिलाओं को कन्या सुमंगला योजना, मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना, वृद्धावस्था पेंशन, निराश्रित महिला पेंशन एवं मातृशक्ति वंदन योजना जैसी जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी गई। साथ ही उपस्थित महिलाओं की समस्याओं को गंभीरता एवं संवेदनशीलता से सुनते हुए उनके समाधान के लिए आवश्यक सुझाव भी दिए गए। कार्यक्रम में पुलिस टीम ने महिलाओं एवं बालिकाओं से किसी भी प्रकार की छेड़छाड़, उत्पीड़न, घरेलू हिंसा, साइबर अपराध या अन्य अपराध की स्थिति में बिना किसी संकोच के तत्काल पुलिस से संपर्क करने और हेल्पलाइन सेवाओं का उपयोग करने की अपील की। इस जनजागरूकता कार्यक्रम को सफल बनाने में उपनिरीक्षक राधेश्याम वर्मा, मुख्य आरक्षी शत्रुजीत राय, महिला मुख्य आरक्षी गीता सिंह, महिला कांस्टेबल प्रीती राना तथा महिला आरक्षी हिमानी तोमर सहित बीट आरक्षी एवं क्षेत्र के संभ्रांत नागरिकों की सक्रिय सहभागिता रही।

4 दिन बाद भी नहीं लगी बैरिकेडिंग, ओई गांव की रहस्यमयी सुरंग से निकले प्राचीन बर्तन

महराजगंज/रायबरेली। तहसील क्षेत्र के ओई गांव में मिट्टी धंसने से मिली रहस्यमयी सुरंग मामले में डीएम सरनीत कौर ब्रोका ने पुरातत्व विभाग को जांच के लिए पत्र जरूर लिखा है, लेकिन मौके पर प्रशासनिक लापरवाही साफ नजर आ रही है। घटना के 4 दिन बीत जाने के बावजूद भी अभी तक प्रशासन की ओर से मौके पर कोई बैरिकेडिंग या सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम नहीं किए गए हैं। हर दिन 400 से 500 लोगों की भीड़ पहुंच रही है और लोग जान जोखिम में डालकर सुरंग के अंदर कूद रहे हैं। आज सुरंग में उतरे ग्रामीणों के हाथ प्राचीन मिट्टी की सुराही और हैंडल वाली धूपदानी (हंडी) लगी है। बैरिकेडिंग न होने से कभी भी कोई बड़ा हादसा हो सकता है। खेत मालिक और ग्रामीणों ने प्रशासन की इस अनदेखी पर नाराजगी जताते हुए तत्काल सुरक्षा घेरा लगाने और पुरातात्विक खुदाई शुरू कराने की पुरजोर मांग की है।

पूर्व राष्ट्रपति डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम की पुण्यतिथि पर कांग्रेसजनों ने दी श्रद्धांजलि

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रतापगढ़। कांग्रेस जिला अध्यक्ष डॉ. नीरज त्रिपाठी के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यालय पर भारत रत्न पूर्व राष्ट्रपति डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित कांग्रेसजनों ने उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी तथा उनके आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया।इस अवसर पर जिला अध्यक्ष डॉ. नीरज त्रिपाठी ने कहा कि डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम केवल महान वैज्ञानिक ही नहीं, बल्कि देश के युवाओं के प्रेरणास्रोत थे। उन्होंने अपने ज्ञान, सादगी और राष्ट्रभक्ति से करोड़ों भारतीयों का मार्गदर्शन किया। उनका जीवन हमें सिखाता है कि कठिन परिश्रम, ईमानदारी और सकारात्मक सोच से हर लक्ष्य प्राप्त किया जा सकता है। उनके विचार सदैव देशवासियों को प्रेरित करते रहेंगे।जिला प्रवक्ता मासूम हैदर ने कहा कि डॉ. कलाम का संपूर्ण जीवन राष्ट्रसेवा, शिक्षा और युवाओं को सशक्त बनाने के लिए समर्पित रहा। उनका सपना

विकसित और आत्मनिर्भर भारत का था। हम सभी का दायित्व है कि उनके बताए मार्ग पर चलकर देश की उन्नति में अपना योगदान दें।

इस अवसर पर मुख्य रूप से कोषाध्यक्ष वेदांत तिवारी, कार्यकाल सचिव रियाज़ सुल्तान,कांग्रेस युवा दल के महासचिव अश्विनी उपाध्याय, अनुसूचित जाति विभाग के जिला अध्यक्ष सुरेश कुमार सरोज, एनएसयूआई के जिला अध्यक्ष शुभम मिश्रा, सदर ब्लॉक अध्यक्ष मोहम्मद वसीम, नगर पंचायत सिटी के अध्यक्ष सहजाद सलमानी, नगर सचिव अरबाज आलम, महालक्ष्मी, प्रदीप कुमार यादव आदि मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

पुलिस टीम पर जानलेवा हमला, कई पर गंभीर धाराओं में केस

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लालगंज, प्रतापगढ़। बदमाश के चाल चलन का सत्यापन करने गयी पुलिस पर उग्र ग्रामीणों ने जानलेवा हमला बोल दिया। हमले मे सांगीपुर थाने मे तैनात दो सिपाहियों को गंभीर चोटें आ गयी। घटना को लेकर सांगीपुर पुलिस ने सरकारी कामकाज में बाधा पहुंचाते हुए पुलिस टीम पर हमले को लेकर आठ नामजद तथा बीस से पचीस अज्ञात आरोपितों के खिलाफ मुठभेड़ समेत हत्या के प्रयास की गंभीर धाराओं में केस दर्ज किया है। घटना की अगली सुबह पुलिस ने मुकदमे से जुड़ी एक आरोपिता को जेल भेज दिया। सांगीपुर थाना के भैंसना गांव में थाने में तैनात आरक्षी अनन्त कुमार मिश्र तथा श्रवण कुमार गुप्ता शनिवार की रात करीब साढ़े बारह बजे गश्त के दौरान पहुंचे। दोनों आरक्षी गांव में एक बदमाश के चाल चलन को लेकर सत्यापन करने लगे। सूत्रों के मुताबिक बदमाश ने शोर मचाकर गांव के लोगों को इकट्ठा कर लिया। बड़ी संख्या में जुटे ग्रामीणों ने एकाएक पुलिस टीम पर लाठी डंडे व कुल्हाड़ी से हमला बोल दिया। हमले के दौरान उग्र ग्रामीणों ने सिपाहियों की वर्दी भी फाड़ दी। सूचना पर थाने से भारी फोर्स पहुंची और घायल सिपाहियों को इलाज के लिए सांगीपुर सीएचसी में भर्ती करवाया। घटना को लेकर घायल आरक्षी अनन्त मिश्र की तहरीर पर गांव के सलमान पुत्र जुम्मन, अख्तरून निशा पत्नी खलूल, जुम्मन व बेंचू पुत्रगण शेर मोहम्मद, किताबुननिशा पत्नी जुमई, शहजादी पुत्री बेंचू, मन्ना पत्नी बेंचू, निजाम पुत्र गुलहसन आरोपित ग्रामीणों के खिलाफ देर रात मुठभेड़ तथा सरकारी कामकाज में बाधा समेत कई गंभीर धाराओं मे पुलिस ने केस दर्ज किया है। सोमवार की सुबह थाने के दरोगा सुमित सिंह ने महिला आरक्षियों सहित फोर्स के साथ दबिश देकर भैंसना कटेहटी तिराहा से वांछित आरोपिता अख्तरून निशा पत्नी खलूल को हिरासत में ले लिया। पुलिस ने आरोपिता की निशानदेही पर हमले मे प्रयुक्त कुल्हाड़ी को बरामद करने का दावा जताया है। आरोपिता को पूछताछ के बाद जेल भेज दिया गया।

जौहर यूनिवर्सिटी के ध्वस्तीकरण के विरोध में सपा ने किया धरना-प्रदर्शन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सिद्धार्थनगर। समाजवादी पार्टी अल्पसंख्यक सभा सिद्धार्थ नगर के जिलाध्यक्ष शकील शाह के नेतृत्व तथा सपा जिलाध्यक्ष लालजी यादव, विधायक सैयदा खातून एवं जिले के सैकड़ों समाजवादी नेताओं तथा कार्यकर्ताओं ने सोमवार को कलेक्ट्रेट परिसर में धरना देकर मौलाना मोहम्मद अली जौहर यूनिवर्सिटी में 40 में से 38 बिल्डिंग को ना गिराए जाने को लेकर महामहिम राजपाल के नाम ज्ञापन देकर न्याय की मांग किया। सपा जिलाध्यक्ष लालजी यादव एवं विधायक सैयदा खातून ने कहा कि मौलाना मोहम्मद अली जौहर यूनिवर्सिटी को भाजपा सरकार द्वेष भावना से ग्रसित होकर यूनिवर्सिटी की बिल्डिंगों को ध्वस्त करने के लिए प्रयासरत है जबकि उक्त बिल्डिंग को गिरने का कोई औचित्य ही नहीं है रामपुर डेवलपमेंट अथॉरिटी द्वारा बगैर नक्शा का हवाला देकर बिल्डिंगों को ध्वस्त करने का नोटिस जारी किया है सत्यता यह है कि जहां पर यूनिवर्सिटी बनी है सितंबर 2024 के पहले वह ग्राम सभा में थी और यूनिवर्सिटी 2015-16 में बनकर तैयार हो गई ऐसे में रामपुर डेवलपमेंट अथॉरिटी को ध्वस्तीकरण का नोटिस देना पूरी तरह से राजनीति से प्रेरित है यह संस्था हजारों विद्यार्थियों शिक्षकों कर्मचारियों तथा स्थानीय

नागरिकों के भविष्य से जुड़ा हुआ है हमारी मांग है कि शिक्षा के मंदिर, मौलाना मोहम्मद अली जौहर यूनिवर्सिटी के 38 भवनों के ध्वस्थिकरण नोटिस को तत्काल रद्द किया जाए और राजनीतिक षड्यंत्र के शिकार मोहम्मद आजम खान और उनके बेटे अब्दुल्लाह आजम खान को रिहा किया जाए और उनके परिवार का उत्पीड़न रोका जाए।

इस दौरान पूर्व विधायक चौधरी अमर सिंह, पूर्व विधायक विजय पासवान, सपा नेता उग्रसेन प्रताप सिंह, मुरलीधर मिश्रा, बेचई यादव, राममिलन भारती, जुबेदा चौधरी, अब्दुल कलाम सिद्दीकी, बहरइची प्रसाद प्रेमी, रिंदु पासवान, रामसेवक लोधी, जेपी यादव ,चंद्रभान पहलवान, मोहम्मद इब्राहिम, नौशाद मलिक, फैजान आलम, अजय चौरसिया, जोखन प्रसाद चौधरी, मोहम्मद जाकिर, यासीन, गुलजार अहमद, नियाज खान, कमाल अहमद, डॉक्टर हाफिज शहाबुद्दीन, अंगद यादव, अतिकुर रहमान खान, डॉ अब्दुल हसन खान, सतीश चौधरी, लाल खान आदि उपस्थित रहें।

सिद्धार्थनगर में ट्रक की टक्कर से छात्रा की मौत, चालक वाहन छोड़कर फरार, ग्रामीणों ने लगाया जाम

बिस्कोहर (सिद्धार्थनगर) त्रिलोकपुर थाना क्षेत्र के बेलवा दरिया बख्स गांव की निवासी करिश्मा (15वर्ष) पुत्री गौतम वरुण सोमवार सुबह सड़क हादसे में दर्दनाक मौत हो गई। वह घर से साइकिल से स्कूल के लिए निकली थी। शाहपुर-सिंगारजोत मार्ग पर सड़क पार करने के दौरान डुमरियागंज की ओर से आ रहे तेज रफ्तार और अनियंत्रित ट्रक ने उसे जोरदार टक्कर मार दी। हादसा इतना भीषण था कि छात्रा करिश्मा की मौके पर ही मौत हो गई। दुर्घटना के बाद चालक ट्रक छोड़कर फरार हो गया। घटना से आक्रोशित ग्रामीणों ने शव को सड़क पर रखकर मार्ग जाम कर दिया और फरार चालक की तत्काल गिरफ्तारी की मांग पर अड़ गए। सूचना मिलते ही त्रिलोकपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और लोगों को समझाकर स्थिति सामान्य किया। पुलिस ने ट्रक को कब्जे में लेकर चालक की तलाश तेज कर दी है। प्रभारी निरीक्षक हरेकृष्ण उपाध्याय ने बताया कि शव कब्जे में लेकर पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है।

डीएम व एसपी ने सावन मास की तैयारियों का किया स्थलीय निरीक्षण

» श्रद्धालुओं की सुरक्षा एवं व्यवस्थाओं को लेकर दिए आवश्यक दिशा निर्देश

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

रायबरेली- आगामी सावन मास, कांवड़ यात्रा, घाटों पर स्नान एवं शिव मंदिरों में जलाभिषेक के दृष्टिगत जिलाधिकारी सरनीत कौर ब्रोका एवं पुलिस अधीक्षक रवि कुमार ने जनपद के प्रमुख धार्मिक स्थलों का संयुक्त निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान अधिकारियों ने आस्तीक मंदिर एवं भरवेश्वर मंदिर का निरीक्षण कर श्रद्धालुओं की सुविधा एवं सुरक्षा से संबंधित व्यवस्थाओं का गहन परीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि सावन मास में बड़ी संख्या में आने वाले श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो। उन्होंने मंदिर परिसरों एवं आसपास के क्षेत्रों में स्वच्छता व्यवस्था, पर्याप्त पेयजल, शौचालय, प्रकाश व्यवस्था, बैरिकेडिंग, पार्किंग, यातायात प्रबंधन तथा स्वास्थ्य सेवाओं की समुचित व्यवस्था समय से सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करें तथा प्रत्येक व्यवस्था का पूर्व परीक्षण कर लें, ताकि किसी प्रकार की कमी न रहे। पुलिस अधीक्षक रवि कुमार ने सुरक्षा व्यवस्थाओं का निरीक्षण करते हुए संबंधित पुलिस अधिकारियों को निर्देश दिए कि मंदिरों एवं प्रमुख मार्गों पर पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती सुनिश्चित की जाए। भीड़ नियंत्रण, यातायात संचालन, संवेदनशील स्थलों पर विशेष निगरानी, सीसीटीवी एवं सुरक्षा व्यवस्था को प्रभावी बनाए रखा जाए। उन्होंने कहा कि श्रद्धालुओं की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है और किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने मंदिर परिसर, प्रवेश एवं निकास मार्ग, बैरिकेडिंग, प्रकाश व्यवस्था तथा यातायात व्यवस्था का जायजा लेते हुए आवश्यक सुधारात्मक निर्देश भी दिए। साथ ही संबंधित विभागों को निर्देशित किया गया कि सावन मास के दौरान सभी व्यवस्थाओं की नियमित मॉनिटरिंग की जाए तथा किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए आवश्यक संसाधन एवं टीमों को सतर्क रखा जाए। निरीक्षण के अवसर पर अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) सिद्धार्थ, उप जिलाधिकारी सदर गौतम सिंह, उप जिलाधिकारी महराजगंज चन्द्र प्रकाश, क्षेत्राधिकारी महराजगंज प्रदीप कुमार सहित संबंधित विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी ने कांवड़ यात्रा मार्गों की तैयारियों की समीक्षा की

अम्बेडकरनगर। जिलाधिकारी ईशा प्रिया ने आगामी 30 जुलाई 2026 से प्रारंभ हो रहे सावन मास के दृष्टिगत जनपद में कांवड़ यात्रा से संबंधित चिन्हित मार्गों की तैयारियों की समीक्षा करते हुए संबंधित विभागों के अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक में जिलाधिकारी ने सेतु निगम, बस्ती को मया-टांडा मार्ग पर निर्माणाधीन ऊपरिगामी पुल के पहुंच मार्ग को कांवड़ यात्रा के दृष्टिगत आवागमन हेतु दो दिवस में सुगम बनाने के निर्देश दिए। वहीं भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (NHAI) को एनएच-135ए पर बने गड्ढों तथा जल निगम को लोक निर्माण विभाग के क्षतिग्रस्त मार्गों की दो दिवस के भीतर मरम्मत सुनिश्चित कर कांवड़ यात्रा के लिए मार्गों को पूर्णतः सुगम बनाने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने अधिशासी अभियंता, लोक निर्माण विभाग को निर्देशित किया कि दो दिवस उपरांत सभी चिन्हित मार्गों का पुनः स्थलीय निरीक्षण कर कार्यों की प्रगति का सत्यापन करें तथा पुनः समीक्षा बैठक आयोजित कर अद्यतन स्थिति प्रस्तुत करें। उन्होंने सभी मार्ग निर्माण एजेंसियों को भी निर्देशित किया कि कांवड़ यात्रा से संबंधित मार्गों का नियमित निरीक्षण करते हुए उन्हें सुरक्षित, सुदृढ़ एवं आवागमन योग्य बनाए रखें, ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। बैठक में अधिशासी अभियंता, लोक निर्माण विभाग सहित सेतु निगम, एनएचएआई, जल निगम एवं अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

संक्षिप्त खबरें

बाबा दुबे मंदिर में वार्षिक पूजा धूमधाम से संपन्न

करों, देवघर, झारखंडः- सोमवार को अनुमंडल के करों प्रखंड के करोंग्राम स्थित यंडारी टोला के समीप स्थापित बाबा दुबे मंदिर में वार्षिक पूजा श्रद्धा और उल्लास के साथ संपन्न हुई। इस अवसर पर राय टोला, आचार्य टोला, दे-दे टोला, मंडल टोला, बाऊरी टोला, बनिया टोला, बढ़ई टोला, ओझा टोला एवं सिंह टोला सहित सालतर, डूमरतर, प्रतापपुर, रान्हा सिरिया, तारापुर और कमलकरडीह सहित आसपास के कई गांवों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे। श्रद्धालुओं ने बाबा दुबे मंदिर की परिक्रमा कर अपने परिवार की सुख-समृद्धि, शांति और मंगलमय जीवन की कामना की। मंदिर के पुजारी जगदीश तिवारी ने भक्तों द्वारा लाए गए फल, फूल, जनेऊ, लाल वस्त्र, अरवा चावल, दूध, धूप, सुपारी, पान आदि पूजन सामग्री को वैदिक मंत्रोच्चार के साथ अर्पित कराया। इसके उपरांत विधि-विधान से हवन-यज्ञ का आयोजन किया गया। पूजा के दौरान विशेष रूप से 'चटिया झूपने' की परंपरा के समय मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। बाबा दुबे के जयकारों से पूरा क्षेत्र भक्तिमय वातावरण में सराबोर हो गया। पुजारी जगदीश तिवारी ने बताया कि स्थानीय जनश्रुति के अनुसार श्रद्धापूर्वक बाबा दुबे की पूजा-अर्चना करने से विषैले सर्पदंश से रक्षा एवं कष्टों से मुक्ति की मान्यता है। पूजा के समापन पर श्रद्धालुओं के बीच खीर प्रसाद का वितरण किया गया।

बिहार में सरकारी बाबू के बैंक लॉकर से मिले 64.79 लाख के गहने

पटना। आय से अधिक संपत्ति के मामले में निगरानी अन्वेषण ब्यूरो ने पर्यटन विभाग के अधीक्षण अभियंता अवधेश कुमार सिन्हा के खिलाफ कार्रवाई तेज कर दी है। ब्यूरो की मुख्यालय टीम ने उनके बैंक लॉकर की तलाशी ली। जिसमें 64.79 लाख रुपये मूल्य के सोने-चांदी के आभूषण बरामद किए हैं। मामले की जांच अभी जारी है। निगरानी ब्यूरो के अनुसार, अवधेश कुमार सिन्हा के खिलाफ 16 जुलाई 2026 को आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने का मामला दर्ज किया गया था। इनके खिलाफ आय से 1.41 करोड़ रुपये से अधिक की अवैध संपत्ति अर्जित करने के आरोप के बाद प्राथमिकी दर्ज की गई थी। प्राथमिकी दर्ज करने के अगले दिन 17 जुलाई को पटना में उनके तीन ठिकानों पर एक साथ छापामारी की गई थी। तलाशी के दौरान केनरा बैंक की राजा बाजार शाखा में उनके नाम से संचालित एक लॉकर की जानकारी मिली थी। जांच के दौरान लॉकर का सत्यापन कराया गया और कोर्ट से तलाशी वारंट लेने के बाद 24 जुलाई को वरीय पुलिस उपाधीक्षक गौतम शरण ओमी के नेतृत्व में गठित टीम ने बैंक लॉकर खोला। तलाशी में कुल 64,79,710 रुपये मूल्य के आभूषण मिले। इनमें 561.32 ग्राम सोना, जिसकी कीमत 63,27,151 रुपये आंका गया है, तथा 835.01 ग्राम चांदी, जिसकी कीमत 1,52,559 रुपये बताई गई है। निगरानी अन्वेषण ब्यूरो के अनुसार, बरामद आभूषणों और अन्य संपत्तियों की जांच की जा रही है। मामले में आगे भी साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं और अनुसंधान पूरा होने के बाद आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

बिहार के विश्वविद्यालयों में शिक्षकों और कर्मियों को अब समय पर मिलेगा वेतन, राज्यपाल ने दिया निर्देश

पटना। राज्यपाल सैयद अता हसनैन ने राज्य के विश्वविद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों और कर्मचारियों को ससमय वेतन भुगतान सुनिश्चित कराने की महत्वपूर्ण पहल की है। इसके लिए विश्वविद्यालयों को सहायक अनुदान की दी जाने वाली राशि देने की व्यवस्था बदलने का दिशा-निर्देश दिया है। विश्वविद्यालयों को सहायक अनुदान के रूप में दी जाने वाली राशि की निकासी कोषागार से करने के लिए विकास आयुक्त की अध्यक्षता में कमेटी गठित कर उसकी अनुशंसा प्राप्त कर राज्य मंत्रिमंडल से स्वीकृति प्राप्त करने को कहा है। कमेटी में वित्त विभाग, सामान्य प्रशासन विभाग, उच्च शिक्षा विभाग एवं कुलाधिपति कार्यालय के प्रतिनिधि भी रखे जा सकते हैं। राज्यपाल के अपर मुख्य सचिव दीपक कुमार सिंह ने उच्च शिक्षा विभाग के सचिव को पत्र भेजा है। पत्र में कहा गया है कि उच्च शिक्षा विभाग द्वारा विभागीय बजट से विश्वविद्यालयों को वेतन एवं अन्य मद में दी जाने वाली राशि सहायक अनुदान के रूप में दी जाती है। विश्वविद्यालय इस राशि की निकासी कर इसे पीएल खाते में रखते हैं। विश्वविद्यालयों के माध्यम से घाटानुदानित महाविद्यालयों को दी जाने वाली राशि उन महाविद्यालयों के बैंक खाते में दी जाती है। अंततः इस राशि का उपयोगिता प्रमाण पत्र पर समय पर नहीं मिल पाने के कारण विभाग द्वारा विश्वविद्यालयों को समय पर राशि विमुक्त नहीं हो पाती है। इसके कारण शिक्षकों एवं कर्मियों को समय पर वेतन भी नहीं मिल पाता है।

एसयूवी से 41 पेटी अंग्रेजी शराब बरामद

पुलिस ने वाहन जब्त कर 1,968 बोतल ऑफिसर्स चॉइस व्हिस्की की बरामद

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

चौपारण, हजारीबाग, झारखंडः- हजारीबाग पुलिस ने अवैध शराब के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए चौपारण थाना क्षेत्र से 41 पेटी अंग्रेजी शराब बरामद की है। पुलिस ने एक सफेद रंग की एक्सयूवी-500 वाहन को जब्त किया है, जिसमें कुल 1,968 बोतल ऑफिसर्स चॉइस व्हिस्की लदी हुई थी। हालांकि पुलिस को देख चालक अंधेरे और झाड़ियों का फायदा उठाकर मौके से फरार हो गया। पुलिस उसकी पहचान कर गिरफ्तारी के लिए छापेमारी कर रही है। पुलिस अधीक्षक हजारीबाग को 26 जुलाई को गुप्त सूचना मिली थी कि चौपारण थाना क्षेत्र के केंदुआ मोड़ की ओर से एक सफेद रंग की एक्सयूवी-500 में अवैध अंग्रेजी शराब लादकर रजौली की ओर ले जाई जा रही है। सूचना मिलते ही अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी बरही के नेतृत्व में चौपारण थाना प्रभारी पंकज कुमार एवं पुलिस टीम ने वाहन जांच अभियान शुरू किया। वाहन जांच के दौरान पुलिस ने संदिग्ध एक्सयूवी-500 (रजिस्ट्रेशन संख्या बीआर 01 पीएच 9361) को रोकने का प्रयास किया। पुलिस को देखकर चालक वाहन छोड़कर अंधेरे और झाड़ियों का लाभ उठाते हुए फरार हो गया। इसके बाद पुलिस ने वाहन की तलाशी ली। तलाशी के दौरान वाहन की डिक्की और पीछे की सीट से ऑफिसर्स चॉइस व्हिस्की की कुल 41 पेटी बरामद हुई। प्रत्येक पेटी में 48 बोतल (180 एमएल) थी। इस प्रकार कुल 1,968 बोतल अंग्रेजी शराब जब्त की गई। पुलिस ने शराब के साथ वाहन को भी जब्त कर लिया है।इस कार्रवाई का नेतृत्व अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी बरही राधा प्रेम किशोर ने किया। छापेमारी दल में चौपारण थाना प्रभारी पंकज कुमार, पुलिस पदाधिकारी दिव्य प्रकाश, बबलू कुमार महतो समेत चौपारण थाना के सशस्त्र बल के जवान शामिल थे। चौपारण पुलिस ने मामले में संबंधित धाराओं के तहत कार्रवाई शुरू कर दी है तथा फरार चालक एवं शराब तस्करी से जुड़े अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी जारी है।

डॉ. कलाम की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि अर्पित

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मंडरो, साहेबगंज, झारखंडः- भारत के पूर्व राष्ट्रपति, महान वैज्ञानिक और 'मिसाइल मैन' के नाम से प्रसिद्ध भारत रत्न डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम की पुण्यतिथि पर मंडरो क्षेत्र के सामाजिक कार्यकर्ता सफीक अंसारी ने उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। सफीक अंसारी ने कहा कि डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम केवल एक वैज्ञानिक या राष्ट्रपति नहीं थे, बल्कि वे देश के करोड़ों युवाओं के प्रेरणास्रोत थे। उन्होंने अपने ज्ञान, सादगी, ईमानदारी और राष्ट्रभक्ति से यह साबित किया कि कठिन परिस्थितियों में जन्म लेने वाला व्यक्ति भी अपने संकल्प और मेहनत के बल पर देश के सर्वोच्च पद तक पहुंच सकता है। उनकी पूरी जीवन यात्रा युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत है। उन्होंने कहा कि डॉ. कलाम हमेशा शिक्षा, विज्ञान, तकनीकी विकास और आत्मनिर्भर भारत के पक्षधर रहे। उनका सपना था कि भारत विश्व का अग्रणी और विकसित राष्ट्र बने। आज प्रत्येक युवा को उनके विचारों को अपनाकर शिक्षा, अनुसंधान, नवाचार और राष्ट्र निर्माण में अपनी सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए। सफीक अंसारी ने आगे कहा कि डॉ. कलाम का संदेश 'सपने वो नहीं जो आप सोते समय देखते हैं, सपने वो हैं जो आपको सोने न दें' आज भी युवाओं के लिए प्रेरणा का सबसे बड़ा मंत्र है। उन्होंने सभी लोगों से अपील की कि डॉ. कलाम के आदर्शों पर चलकर समाज में शिक्षा, भाईचारा, ईमानदारी और राष्ट्रसेवा की भावना को मजबूत करें। उन्होंने कहा कि डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम का जीवन देशवासियों के लिए हमेशा प्रेरणादायक रहेगा और आने वाली पीढ़ियां भी उनके योगदान को कभी नहीं भूलेंगी। 27 जुलाई 2015 को उनका निधन हुआ था, लेकिन उनके विचार और आदर्श आज भी देशवासियों के दिलों में जीवित हैं।

औरंगाबाद में सांप के डंसने से महिला ने तोड़ा दम

औरंगाबाद। रिसियप थाना क्षेत्र के बभंडीह गांव में सांप के डंसने से रविवार की रात महिला की मौत हो गई। ग्रामीण अभिमन्यु सिंह की मां मानमती देवी की मौत हुई है। ग्रामीणों ने बताया कि रविवार रात मानमती देवी खाना खाने के बाद अपने कमरे में सोने गईं। उनके बेड पर पहले से विषैला सांप छिपा था। बिस्तर पर लेटते ही सांप ने डंस लिया। तेज चुभन महसूस होने पर उन्होंने शोर मचाया। आवाज सुनकर स्वजन ने कमरे की लाइट जलाकर देखा तो बेड पर विषैला सांप दिखाई दिया, जिससे घर में अफरा-तफरी मच गई। सांप के डंसने के कुछ ही देर बाद महिला की तबीयत बिगड़ने लगी। स्वजन उन्हें झाड़-फूंक कराने के लिए तांत्रिक के पास ले गए, परंतु हालात सुधरने की बजाय बिगड़ता चला गया। गंभीर होने पर उन्हें इलाज के लिए सदर अस्पताल लाया गया। यहां प्राथमिक उपचार के बाद स्वजन उन्हें एक निजी क्लीनिक ले गए, जहां चिकित्सक ने स्थिति नाजुक देखते हुए हायर सेंटर रेफर कर दिया। बाद में दोबारा सदर अस्पताल लाया गया, लेकिन इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई।

अंतर्राष्ट्रीय ब्राह्मण महासंघ की बैठक संपन्न

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

हजारीबाग, झारखंडः- सिंघानी फोरलेन स्थित महामाया मेडिकल परिसर में रविवार को अंतर्राष्ट्रीय ब्राह्मण महासंघ की एक महत्वपूर्ण संगठनात्मक बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता प्रदेश अध्यक्ष सुनील कुमार पांडेय ने की, जबकि संचालन कृष्णदेव पांडेय व नकुल पाण्डेय द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। बैठक को संबोधित करते हुए प्रदेश अध्यक्ष सुनील कुमार पांडेय ने कहा कि शिक्षा, रोजगार, संस्कार और सामाजिक विकास ही संगठन का मुख्य लक्ष्य है। समाज के उत्थान, एकजुटता और जनकल्याणकारी योजनाओं को धरातल पर उतारने के लिए कई अहम निर्णय लिए गए। इसमें मुख्य रूप से सामाजिक सहयोग हेतु एम्बुलेंस सेवा शुरू करने तथा प्रदेश समिति का गठन कर अधिक से अधिक लोगों को संगठन से जोड़ने का संकल्प लिया गया।संगठन को मजबूती और गति प्रदान करने के लिए सर्वसम्मति से नए पदाधिकारियों का चयन किया गया जिसमें प्रदेश संरक्षक नकुल पाण्डेय, सिद्धेश्वर पाण्डेय, अयोध्या पाण्डेय, प्रदेश महासचिव बिरेंद्र शास्त्री, प्रदेश उपाध्यक्ष रौशन पाण्डेय, नीरज त्रिपाठी, प्रदीप पाण्डेय, प्रवेश पाण्डेय प्रदेश कोषाध्यक्ष मास्टर झब्बु प्रदेश संगठन मंत्री मिथलेश पाण्डेय, प्रकाश पाण्डेय, प्रदेश प्रवक्ता कृष्णदेव पाण्डेय, पुरेन्द्र पाण्डेय, सतेन्द्र पाण्डेय, प्रदेश मीडिया प्रभारी संदीप पाण्डेय, पीयूष पाण्डेय, संतोष पाण्डेय, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य सुखदेव पाण्डेय, शिवदत्त पाण्डेय, मुकेश पाण्डेय,युवा प्रकोष्ठ की भी हुई घोषणा की गई। बैठक में युवा प्रकोष्ठ की भी नई टीम का गठन किया गया, जिसमें डॉ. ओमकारनाथ शर्मा को युवा प्रकोष्ठ का प्रदेश अध्यक्ष, बीरेंद्र पाण्डेय व पवन जिगर पाण्डेय को प्रदेश उपाध्यक्ष और शैलेश पाण्डेय को हजारीबाग जिला अध्यक्ष नियुक्त किया गया। बैठक के में उपस्थित अंतर्राष्ट्रीय ब्राह्मण महासंघ के प्रदेश प्रभारी देवचरण पाण्डेय व विप्र बंधुओं ने नए मनोनीत पदाधिकारियों को बधाई दी और समाज हित में निष्ठापूर्वक कार्य करने का संकल्प लिया।

दो समुदायों में झड़प के बाद पुलिस ने की फायरिंग; एक की मौत

फुलकाहा (अररिया)। भारत सीमा पर फुलकाहा के मानिकपुर बॉर्डर से सीमा से तकरीबन डेढ़ किलोमीटर की दूरी पर नेपाल के सुनसरी जिले के देवानगंज गांव पालिका वार्ड संख्या 3 के कप्तानगंज में बोलबम यात्रा के क्रम में दूसरे समुदाय के द्वारा धार्मिक झंडे को लेकर उत्पन्न विवाद के बाद दो समुदाय में हिंसक झड़प हो गई। जिसे नियंत्रण करने के लिए पुलिस द्वारा चलाई गई गोली से नौ लोग घायल हुए है, जबकि 8 पुलिसकर्मियों के घायल होने की बात भी कही गयी है। पुलिस की गोली से स्थानीय 24 वर्षीय ओमप्रकाश मेहता की इलाज के क्रम में रविवार देर रात्रि मौत हो गई है। जबकि एक इंस्पेक्टर सहित 8 पुलिसकर्मी के घायल होने की बात जिलाधिकारी बासुदेव घिमिरे ने कही है। सुनसरी पुलिस एसपी केशव कुमार थेवे के अनुसार सोमवार को पिंडेश्वर स्थित बोलबम यात्रा के लिए डीजे को लेकर सप्तकोशी नदी की तरफ जाने की तैयारी की जा रही थी। जिसके बाद दूसरे समुदाय के युवाओं के द्वारा डीजे बजाने को लेकर विरोध किए जाने लगा। इसके बाद कुछ ही मिनट में घटना उग्र रूप धारण करने के बाद दोनों पक्ष के बीच झड़प हुई । घटना के बाद एक ही समुदाय के नौ लोगों को गोली लगने के बाद आक्रोशीत ग्रामीण ने कप्तागंज बजार के घर, मेडिकल स्टोर तथा अन्य संरचना को आग के हवाले कर दिया।

छात्रों को रिहा करो, वरना बिहार में होगा बड़ा आंदोलन

नेहा बोरा का सरकार को अल्टीमेटम; 30 जुलाई को विरोध दिवस

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पटना। आल इंडिया स्टूडेंट्स एसोसिएशन (आइसा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष नेहा बोरा सोमवार को पटना पहुंचीं और बेउर जेल में बंद छात्र नेताओं एवं आंदोलनकारियों से मुलाकात की। इसके बाद उन्होंने राज्य सरकार को चेतावनी देते हुए कहा कि गिरफ्तार छात्रों को जल्द रिहा नहीं किया गया तो बिहार में छात्र आंदोलन को और तेज किया जाएगा। उन्होंने कहा कि जरूरत पड़ी तो देशभर के छात्र बिहार की ओर कूच करेंगे। जेल में बंद छात्र नेताओं से मुलाकात के बाद नेहा बोरा ने संवाददाता सम्मेलन में कहा कि सरकार को छात्रों की रिहाई के लिए सीमित समय दिया गया है। यदि जल्द कोई कार्रवाई नहीं हुई तो आंदोलन का विस्तार किया जाएगा। उन्होंने बताया कि 30 जुलाई को आइसा और आरवाइए की ओर से पूरे बिहार में राज्यव्यापी विरोध दिवस मनाया जाएगा। पालीगंज विधानसभा क्षेत्र में चक्का जाम का भी प्रस्ताव है। नेहा बोरा ने कहा कि जब तक गिरफ्तार सभी छात्रों की रिहाई और उनके खिलाफ दर्ज मुकदमों की वापसी नहीं होती, तब तक आंदोलन जारी रहेगा। उन्होंने दावा किया कि जेल में बंद कई छात्र ऐसे भी हैं, जो प्रदर्शन में शामिल नहीं थे। उन्होंने कहा कि छात्रों के अनुसार हिरासत के दौरान उनके साथ अभद्र व्यवहार किया गया और धमकी देने के साथ जाति-धर्म को लेकर आपत्तिजनक टिप्पणियां भी की गई। नेहा बोरा ने बेउर जेल में जनशक्ति जनता दल के प्रमुख पूर्व मंत्री तेजप्रताप यादव, पालीगंज विधायक संदीप सौरभ, आइसा अध्यक्ष धनंजय, पटना विश्वविद्यालय छात्रसंघ अध्यक्ष शांतनु शेखर समेत अन्य छात्र नेताओं से मुलाकात की। उन्होंने कहा कि इन आरोपों को गंभीरता से लिया जाना चाहिए। आइसा की कानूनी टीम गिरफ्तार छात्रों की रिहाई के लिए प्रयास कर रही है। नेहा बोरा के अनुसार, जेल प्रशासन ने बंद छात्रों को आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने का भरोसा दिया है। इस दौरान पूर्व विधायक अजीत कुशवाहा और पूर्व विधायक शिवप्रकाश रंजन भी संवाददाता सम्मेलन में मौजूद रहे। आइसा नेतृत्व ने स्पष्ट किया कि आने वाले दिनों में आंदोलन को और व्यापक बनाने की तैयारी है।

रांची-लोहरदगा मेमू ट्रेन में कोचों की संख्या बढ़ाने की मांग

लोहरदगा, झारखंड- रांची-लोहरदगा मेमू ट्रेन में यात्रियों की बढ़ती भीड़ को देखते हुए कोचों की संख्या बढ़ाने की मांग उठने लगी है। सामाजिक विचार मंच के संयोजक कवलजीत सिंह ने डीआरएम, रांची मंडल एवं भारत सरकार के रेल मंत्री से मांग की है कि रांची-लोहरदगा मेमू ट्रेन में वर्तमान आठ कोचों की संख्या बढ़ाकर 14 कोच की जाए। उन्होंने कहा कि रांची-लोहरदगा मेमू ट्रेन लोहरदगा जिले के लोगों के लिए लाइफ लाइन है। इस ट्रेन से प्रतिदिन बड़ी संख्या में गरीब, किसान, मजदूर, छात्र-छात्राएं एवं आम यात्री सफर करते हैं। लेकिन ट्रेन में कोचों की संख्या कम होने के कारण यात्रियों को भारी भीड़ के बीच यात्रा करने को मजबूर होना पड़ता है। सामाजिक विचार मंच का कहना है कि यात्रियों की सुविधा और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए ट्रेन में अतिरिक्त कोच लगाए जाने की आवश्यकता है। मंच ने रेल विभाग से मांग की है कि यात्रियों की बढ़ती संख्या को देखते हुए मेमू ट्रेन में आठ की जगह 14 कोच किए जाएं, ताकि आम जनता को सुरक्षित एवं सुविधाजनक यात्रा का लाभ मिल सके।

पाकुड़िया प्रखंड में खराब नलकूपों से पेयजल संकट गहराया

मरम्मत नहीं होने पर ग्रामीणों में रोष

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पाकुड़िया, पाकुड़, झारखंडः प्रखंड मुख्यालय पाकुड़िया सहित विभिन्न सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों में बड़ी संख्या में नलकूप (चापाकल) खराब पड़े होने तथा उनकी समय पर मरम्मत नहीं होने से ग्रामीणों को पेयजल संकट का सामना करना पड़ रहा है। वर्षा ऋतु के बावजूद कई नलकूपों से पर्याप्त पानी नहीं निकल रहा है, जिससे लोगों विशेषकर महिलाओं में नाराजगी देखी जा रही है। ग्रामीणों के अनुसार प्रखंड के कई गांवों से लगातार खराब नलकूपों की सूचना मिलती रही है, लेकिन जल एवं स्वच्छता विभाग तथा संबंधित पंचायतों की ओर से उनकी समुचित मरम्मत नहीं कराई गई। परिणामस्वरूप लोगों को स्वच्छ पेयजल के लिए कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। जानकारी के अनुसार कई नलकूप पाइप, वॉशर, चेन, बियरिंग तथा अन्य आवश्यक पुर्जों के खराब होने के कारण लंबे समय से अनुपयोगी पड़े हैं। ग्रामीणों का कहना है कि समय रहते मरम्मत नहीं होने से पेयजल की समस्या और गंभीर होती जा रही है। ग्रामीणों ने मांग की है कि जल एवं स्वच्छता विभाग तथा पंचायत सचिव अपनी-अपनी पंचायतों का निरीक्षण कर खराब पड़े सभी नलकूपों की शीघ्र एवं पूर्ण मरम्मत सुनिश्चित करें ताकि लोगों को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध हो सके। उल्लेखनीय है कि जल प्रकृति का अमूल्य उपहार है और प्रत्येक जीव का इस पर समान अधिकार है। स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराना प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी है।

जंतर-मंतर के संघर्ष से लौटे युवा कांग्रेस के जिला अध्यक्ष मोहम्मद दानिश अली

बोले- 'शिक्षा बचाने की लड़ाई अभी खत्म नहीं हुई है'

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लोहरदगा, झारखंडः- भारतीय युवा कांग्रेस, लोहरदगा के जिला अध्यक्ष मोहम्मद दानिश अली नई दिल्ली के जंतर-मंतर में छात्रों और युवाओं के अधिकारों को लेकर चले आंदोलन में सक्रिय भागीदारी निभाने के बाद अपने गृह ज़िले लौट आए हैं। उन्होंने कहा कि वे आंदोलन के दौरान लगातार जंतर-मंतर पर डटे रहे और शिक्षा व्यवस्था में जवाबदेही की मांग को बुलंद करते रहे। इसी दौरान केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफ़े की खबर सामने आई, जिसके बाद वे आंदोलन में अपनी जिम्मेदारी निभाकर लोहरदगा लौटे। मोहम्मद दानिश अली ने कहा कि जंतर-मंतर पर हुआ यह संघर्ष केवल एक धरना नहीं था, बल्कि देश के करोड़ों छात्रों, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे युवाओं और उनके परिवारों की आवाज़ था। उन्होंने कहा कि जब शिक्षा व्यवस्था पर सवाल उठते हैं, तब केवल छात्रों का भविष्य नहीं, बल्कि देश का भविष्य भी दांव पर लग जाता है। उन्होंने कहा, 'हम दिल्ली सत्ता से टकराने नहीं, छात्रों को न्याय दिलाने गए थे। हमारा उद्देश्य शिक्षा व्यवस्था में पारदर्शिता, जवाबदेही और युवाओं के भविष्य की सुरक्षा सुनिश्चित करना है। 'दानिश अली ने कहा कि देश का युवा अब चुप रहने वाला नहीं है। यदि छात्रों के अधिकारों की अनदेखी होगी, परीक्षाओं की विश्वसनीयता पर सवाल उठेंगे और युवाओं के भविष्य के साथ अन्याय होगा, तो भारतीय युवा कांग्रेस लोकतांत्रिक तरीके से सड़क से सदन तक अपनी आवाज़ उठाती रहेगी। उन्होंने कहा कि यह आंदोलन किसी एक व्यक्ति या पद तक सीमित नहीं है। हमारी मांग है कि देश की शिक्षा व्यवस्था को पूरी तरह पारदर्शी बनाया जाए, परीक्षा प्रणाली को मजबूत किया जाए, पेपर लीक जैसी घटनाओं पर कठोर कार्रवाई हो और छात्रों का विश्वास बहाल किया जाए। मोहम्मद

दानिश अली ने कहा, 'कुर्सियाँ बदलने से नहीं, व्यवस्था बदलने से न्याय मिलेगा। हमारा संघर्ष किसी व्यक्ति के खिलाफ नहीं, बल्कि उस व्यवस्था के खिलाफ है जो युवाओं के सपनों के साथ खिलवाड़ करती है। 'उन्होंने कहा कि जंतर-मंतर का यह संघर्ष इतिहास में युवाओं की आवाज़ के रूप में दर्ज रहेगा और भारतीय युवा कांग्रेस का प्रत्येक कार्यकर्ता शिक्षा, रोजगार और सामाजिक न्याय के लिए पूरी ताकत से संघर्ष करता रहेगा।

जसुपा की मांग पर चुनाव आयोग का फैसला, जीविका दीदियों को नहीं मिलेगी ड्यूटी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पटना। जन सुराज पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष मनोज भारती ने दावा किया कि मुख्य निर्वाचन अधिकारी से आश्वासन मिला है कि बांकीपुर उपचुनाव में किसी भी गैर-सरकारी या अर्ध-सरकारी कर्मी, जैसे जीविका दीदियों, आंगनबाड़ी सेविकाओं समेत अन्य कर्मियों की नियुक्ति नहीं होगी। इससे संबंधित निर्देश पटना के जिलाधिकारी को भी दिया गया है। हमारा एक शिष्टमंडल जिलाधिकारी से भी मुलाकात करेगा। सोमवार को पार्टी कार्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता में प्रदेश अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि भाजपा के 30 सांसद, 201 विधायक, कई पूर्व विधायक और पूर्व विधान पार्षद अपने-अपने सुरक्षा कर्मियों के साथ पूरे बांकीपुर क्षेत्र में मौजूद हैं। उन्होंने यह भी कहा कि इन सभी के लिए सरकारी सुविधाओं, वाहनों और सरकारी संस्थानों का इस्तेमाल चुनाव की आदर्श आचार संहिता के खिलाफ है। इसका संज्ञान चुनाव अधिकारियों को लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि जन सुराज पार्टी द्वारा ज्ञापन दिए जाने पर मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने इस बात पर सहमति जताई कि जो कुछ हो रहा है, वह उचित नहीं है और इस पर आवश्यक कार्रवाई होनी चाहिए। 17 जुलाई को दिए गए ज्ञापन में यह भी कहा गया था कि बड़ी संख्या में वीवीआइपी सुरक्षा कर्मियों के साथ बांकीपुर में घूम रहे हैं, जिससे लोगों को डराने और धमकाने का माहौल बनाया जा रहा है। राष्ट्रीय प्रवक्ता कुमार सौरभ ने बताया कि अर्ध-सरकारी और गैर-सरकारी कर्मियों को चुनाव प्रक्रिया से अलग नहीं करने पर पार्टी की ओर से धरना देने की चेतावनी दी गई थी। मौके पर बांकीपुर विधानसभा प्रभारी रामबली चंद्रवंशी और पूर्व विधायक किशोर कुमार मुन्ना भी मौजूद रहे।

पटना में कोर्ट रूम के अंदर खुली नशेबाज वकीलों की पोल

पटना। पटना उच्च न्यायालय के दो युवा वकीलों को शराब के नशे में पाए जाने के बाद पुलिस ने हिरासत में ले लिया है। यह पूरी कार्रवाई कोतवाली थाना क्षेत्र स्थित छज्जूबाग स्थित जज आवास परिसर से की गई है। कोतवाली थाना प्रभारी अजय कुमार ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि दोनों को कोर्ट में जुर्माना के बाद छोड़ दिया गया है। छात्रों के उग्र प्रदर्शन और हिंसक झड़पों के बाद पुलिस ने विभिन्न इलाकों से कई प्रदर्शनकारियों को पकड़ा था। इनमें से कई लोगों को पीआर बांड पर छोड़ दिया गया, जबकि हिंसा में शामिल प्रदर्शनकारियों को न्यायिक हिरासत में भेजने की तैयारी की जा रही थी। इन्हीं गिरफ्तार छात्रों की ओर से पैरवी करने और उनका पक्ष रखने के लिए दोनों वकील छज्जूबाग स्थित न्यायालय पहुंचे थे। मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी (सीजेएम) के समक्ष जब मामले की सुनवाई शुरू हुई, तब दोनों अधिवक्ताओं ने अपनी बहस शुरू की। इसी दौरान अदालत में मौजूद लोगों और न्यायाधीश को उनके मुंह से शराब की तेज दुर्गंध महसूस हुई।न्यायालय ने तुरंत दोनों की अल्कोहल जांच कराने के निर्देश दिए। जांच प्रक्रिया के दौरान दोनों वकीलों के शराब का सेवन करने की पुष्टि हुई।

मानसिक रूप से विक्षिप्त पोते ने डंडे से पीट-पीटकर दादा की ली जान

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ओबरा (औरंगाबाद)। ओबरा थाना क्षेत्र के रतनपुर पंचायत अंतर्गत लोकन बिगहा (अतरौली) गांव में सोमवार की अहले सुबह एक हृदयविदारक घटना सामने आई। मानसिक रूप से विक्षिप्त बताए जा रहे 19 वर्षीय युवक ने अपने ही दादा पर डंडे से ताबड़तोड़ हमला कर दिया, जिससे उनकी इलाज के दौरान मौत हो गई। घटना के बाद पूरे गांव में मातम का माहौल है। मृतक की पहचान लोकन बिगहा निवासी सुरेश सिंह यादव के रूप में हुई है। परिजनों के अनुसार, सोमवार की भोर करीब तीन बजे सुरेश सिंह यादव अपने पुत्र संजय कुमार के साथ दशरथ बिगहा के समीप गांव निवासी रवि कुमार के मुर्गी फार्म पर सो रहे थे। इसी दौरान संजय कुमार का 19 वर्षीय पुत्र गुड्डू कुमार, जो मानसिक रूप से विक्षिप्त बताया जा रहा है, वहां पहुंचा और दरवाजा पीटने लगा। बताया जाता है कि जब अंदर से दरवाजा नहीं खोला गया तो उसने दरवाजा तोड़ दिया और हाथ में लिए डंडे से हमला शुरू कर दिया। अचानक हुए हमले से अफरा-तफरी मच गई। साथ में सो रहे संजय कुमार किसी तरह अपनी जान बचाकर बाहर निकलने में सफल रहे और ग्रामीणों को घटना की जानकारी दी। जब तक लोग मौके पर पहुंचे, तब तक सुरेश सिंह यादव गंभीर रूप से घायल हो चुके थे। हमले में उनके दोनों पैर और एक हाथ बुरी तरह टूट गए थे।

पुलिस ने शुरू की मामले की जांच

सूचना मिलने पर डायल-112 की पुलिस टीम मौके पर पहुंची और गंभीर रूप से घायल सुरेश सिंह यादव को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, ओबरा पहुंचाया। प्राथमिक उपचार के बाद उनकी नाजुक स्थिति को देखते हुए उन्हें सदर अस्पताल, औरंगाबाद रेफर किया गया, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना की जानकारी मिलते ही प्रभारी थानाध्यक्ष कुणाल कुमार, एसआई दीपक कुमार एवं एएसआई अरुण कुमार पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और मामले की जांच शुरू कर दी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। प्रभारी थानाध्यक्ष कुणाल कुमार ने बताया

कि मामले की जांच की जा रही है। परिजनों से आवेदन प्राप्त होने के बाद विधिसम्मत कार्रवाई की जाएगी।

दोषी के विरुद्ध उचित कानूनी कार्रवाई की मांग

घटना की सूचना मिलते ही पंचायत समिति सदस्य ओमप्रकाश यादव, सरपंच प्रतिनिधि संतोष कुमार शर्मा, पूर्व प्रधान अजीत कुमार, मदन यादव, परीखा यादव, रंजीत यादव, सत्येंद्र यादव सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण घटनास्थल एवं मृतक के घर पहुंचे। सभी ने शोक संतप्त परिजनों को सांत्वना दी तथा दोषी के विरुद्ध उचित कानूनी कार्रवाई की मांग की। इस दर्दनाक घटना के बाद पूरे गांव में शोक और दहशत का माहौल है। ग्रामीणों के बीच घटना को लेकर तरह-तरह की चर्चाएं हो रही हैं।

संक्षिप्त खबरें

अमृतसर में हथियार व हेरोइन के साथ चार तस्कर गिरफ्तार

चंडीगढ़/अमृतसर। पंजाब पुलिस ने सीमा पार से संचालित अवैध हथियार और मादक पदार्थ तस्करी नेटवर्क के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से पांच पिस्तौल, 2.015 किलोग्राम हेरोइन तथा पांच लाख रुपये की मादक पदार्थ तस्करी की रकम बरामद की गई है। पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) गौरव यादव ने बताया कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के निर्देश पर राज्य को सुरक्षित बनाने के अभियान के तहत अमृतसर कमिश्नरेट पुलिस ने इस अंतरराष्ट्रीय तस्करी मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि आरोपी सीमा पार से अवैध हथियार और मादक पदार्थों की तस्करी में सक्रिय थे। पूरे नेटवर्क और उससे जुड़े अन्य लोगों की पहचान के लिए जांच जारी है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान अमृतसर के नवी आबादी निवासी बिट्टू कुमार उर्फ भैया (20), फतेह सिंह कॉलोनी निवासी साहिब सिंह (21), तरनतारन के पिंक कॉलोनी निवासी संजीव कुमार उर्फ नन्नू (22) तथा अमृतसर के गांव छिदन निवासी संदीप कुमार उर्फ सनी (22) के रूप में हुई है। पुलिस आयुक्त गुरप्रीत सिंह भुल्लर ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने पहले बिट्टू और साहिब सिंह को एक पिस्तौल के साथ गिरफ्तार किया।

लूटने को कैब बुक की, ड्राइवर का गला रेता; शव पर बैठ नाबालिग बदमाश ने चलाई थी डेढ़ किलोमीटर कार

दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी में नाबालिग बदमाश बैखोफ हो गए हैं। बृहस्पतिवार रात मास्टरप्लान रोड पर एक नाबालिग ने लूट के लिए चलती कैब में अपने तीन साथियों के साथ मिलकर चाकू से चालक का गला रेत दिया। वारदात के वक्त रोड पर भीड़ थी। शव ड्राइविंग सीट पर रहा। नाबालिग शव की गोद में बैठा और कैब दौड़ा दी। डेढ़ किलोमीटर तक कैब चलाई। शराब के नशे में होने की वजह से नाबालिग ने कैब को एक कार में ठोक दिया। पकड़े जाने के डर से चारों बदमाश भाग गए। पुलिस ने कैब चालक विजय कुमार की हत्या की गुत्थी को सुलझाते हुए नाबालिग समेत तीन बदमाशों को पकड़ लिया। गिरफ्तार बालिग बदमाशों की पहचान सीलमपुर निवासी अयान व साहिल के रूप में हुई है। अयान पर लूट समेत कई धाराओं में चार आपराधिक केस दर्ज हैं। नाबालिग भी आपराधिक प्रवृत्ति का है। जिला पुलिस उपायुक्त आरपी मीणा ने बताया कि बृहस्पतिवार रात नौ बजे सूचना मिली थी कि स्वर्ण सिनेमा के पास एक कैब में ड्राइविंग सीट पर चालक का शव खून से लथपथ हालत में शव पड़ा है। गले को किसी धारदार वस्तु से रेता हुआ है। मौके पर मौजूद लोगों ने पुलिस को बताया था कि चार लोगों को कैब से उतरकर भागते हुए देखा है। कृष्णा नगर थाना पुलिस ने हत्या का केस दर्ज किया।

आज भदोही आएंगे प्रभारी मंत्री ए.के. शर्मा, कलेक्ट्रेट में करेंगे समीक्षा बैठक

भदोही। उत्तर प्रदेश सरकार के नगर विकास, शहरी समग्र विकास, नगरीय रोजगार एवं गरीबी उन्मूलन, ऊर्जा एवं अतिरिक्त ऊर्जा स्रोत विभाग के मंत्री एवं जनपद के प्रभारी मंत्री ए.के. शर्मा का मंगलवार को भदोही दौरा प्रस्तावित है। दौरे के दौरान वह कलेक्ट्रेट सभागार में विभिन्न बैठकों की अध्यक्षता करेंगे। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार दोपहर 1 बजे कोर कमेटी की बैठक, 1:30 बजे जिला प्रशासनिक समन्वय समिति की बैठक तथा 2 बजे जनपदीय अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक आयोजित होगी। इन बैठकों में विकास कार्यों, जनकल्याणकारी योजनाओं एवं विभागीय प्रगति की समीक्षा की जाएगी। जिला प्रशासन ने प्रभारी मंत्री के दौरे को लेकर सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं।

समझौता टूटा तो फिर सड़कों पर उतरेंगे

सीजेपी ने प्रदर्शनकारियों के खिलाफ FIR वापस न लेने पर फिर से आंदोलन शुरू करने की दी चेतावनी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नई दिल्ली। कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के प्रवक्ता आशुतोष रांका ने सोमवार को चेतावनी दी कि यदि प्रदर्शनकारियों के खिलाफ दर्ज एफआईआर तुरंत वापस नहीं ली गई और हिरासत में लिए गए लोगों को रिहा नहीं किया गया तो संगठन फिर से अपना आंदोलन शुरू कर सकता है। रांका ने केंद्रीय मंत्रियों जेपी नड्डा और जितेंद्र सिंह को टैग करते हुए एक्स पर पोस्ट किया- सरकार द्वारा प्रदर्शनकारियों के खिलाफ कोई दंडात्मक कार्रवाई न करने का आश्वासन तोड़ा जा रहा है। उन्होंने दावा किया कि बिहार और पश्चिम बंगाल में सैकड़ों छात्रों को गिरफ्तार किया गया है, जबकि दिल्ली और अन्य राज्यों में कई लोगों पर निगरानी रखी जा रही है या उन्हें परेशान किया जा रहा है।

प्रदर्शन पर फिर से बैठने के लिए होंगे मजबूर: आशुतोष रांका

रांका ने कहा कि सीजेपी को फिर से प्रदर्शन पर बैठने के लिए मजबूर होना पड़ेगा यदि सरकार उनकी मांगों पर तुरंत कार्रवाई नहीं करती। उन्होंने मांग की कि सभी प्रदर्शनकारियों के खिलाफ एफआईआर वापस ली जाएं, छात्रों को रिहा किया जाए और भविष्य में दिल्ली पुलिस, केंद्रीय एजेंसियों या भाजपा समर्थित राज्यों की पुलिस द्वारा कोई नई एफआईआर न दर्ज की जाए। रांका ने कहा कि सरकार के साथ हुई लिखित समझौते की प्रति उन्हें कल तक सौंपी जाए और समयसीमा का पालन किया जाए। यह बयान बिहार में 22 और 25 जुलाई के प्रदर्शनों के बाद जारी कानूनी कार्रवाई के बीच आया है, जहां वकीलों का दावा है कि राज्य के विभिन्न थानों में लगभग 200 लोग अभी भी हिरासत में हैं।

कपिल सिब्बल ने छात्रों को कानूनी मदद देने का लिया फैसला

वहीं, सीजेपी ने वरिष्ठ अधिवक्ता एवं राज्यसभा सदस्य कपिल सिब्बल के साथ संयुक्त प्रेसवार्ता की। कपिल सिब्बल ने कहा कि उन्होंने सीजेपी के छात्रों को कानूनी सहायता देने का निर्णय लिया है। उन्होंने कहा कि जहां-जहां छात्रों के खिलाफ मामले दर्ज होंगे, वहां उन्हें कानूनी मदद उपलब्ध कराई जाएगी। इसके लिए उन्होंने अपनी ओर से एक करोड़ रुपये देने की घोषणा की, ताकि कानूनी लड़ाई प्रभावी ढंग से लड़ी जा सके। उन्होंने अन्य लोगों से भी इस उद्देश्य के लिए आर्थिक सहयोग करने की अपील की। सिब्बल ने आशंका जताई कि दिल्ली पुलिस चेहरे की पहचान (फेशियल रिकग्निशन) तकनीक के जरिए प्रदर्शनकारियों की पहचान कर उन्हें निशाना बना सकती है। उन्होंने यह भी कहा कि पूरे मामले में सांप्रदायिक (कम्युनल) रंग जोड़ने की कोशिश भी की जा सकती है।

छात्रों को प्रताड़ित या टारगेट न किया जाए: कपिल सिब्बल

उन्होंने कहा कि समाज के सभी वर्गों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि आंदोलन में शामिल छात्रों को किसी भी तरह से प्रताड़ित या टारगेट न किया जाए। प्रेसवार्ता में सीजेपी ने सरकार से छात्रों के खिलाफ दर्ज सभी मामलों को तत्काल वापस लेने और आंदोलन में शामिल युवाओं के खिलाफ किसी भी प्रकार की दंडात्मक कार्रवाई नहीं करने की मांग की।

कंगना का CJP पर तीखा हमला

GenZ के प्रदर्शन में अभद्र भाषा पर बोलीं, इनकी रील्स देखकर आ रही उल्टी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नई दिल्ली। अभिनेत्री एवं भाजपा सांसद कंगना रनौत ने कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के नेतृत्व वाले प्रदर्शनों की इंस्टाग्राम रील्स पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने इन रील्स को 'प्यूक इंड्यूसिंग' (उल्टी आने वाला) बताया। इसके बाद से सांसद के इस बयान पर पक्ष और विपक्ष दोनों तरह के कमेंट आने शुरू हो गए हैं। दरअसल, प्रदर्शन के दौरान कुछ प्रदर्शनकारियों की अभद्र भाषा और व्यवहार को लेकर पूरे देश में रोष जताया जा रहा है। मंडी से सांसद कंगना रानौत ने सोमवार को इंस्टाग्राम स्टोरीज पर लिखा, 'वे जिस तरह बोल रहे हैं और जिस भाषा का इस्तेमाल कर रहे हैं, मैंने कभी अपनी जिंदगी में हर फ्रेम में इतना विवादित और भद्दा सब कुछ एक साथ नहीं देखा... ईव्व, इन्हें कौन जन्म दे रहा और पाल रहा है?' उन्होंने आगे सीजेपी के 'कॉकरोच' प्रतीक पर भी निशाना साधते हुए लिखा, 'आप खुद को कॉकरोच कहते हो और वैसा ही दिखते-व्यवहार करते हो। इसमें कोई विरोधाभास नहीं है, बस दुनिया को अपनी गंदगी, कचरा और बदसूरती का सामना करा रहे हो।' कंगना ने अपनी स्टोरी के अंत में कहा, 'मैं इन रील्स से घायल हो गई हूं।' यह बयान सीजेपी द्वारा आंदोलन समाप्त करने के कुछ दिन बाद आया है। छात्रों के बड़े आंदोलन के बाद केंद्र सरकार ने उनकी मुख्य मांग मान ली थी, जिसके चलते तत्कालीन केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने इस्तीफा दे दिया। बाद में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार ने वरिष्ठ भाजपा नेता प्रह्लाद जोशी को नया शिक्षा मंत्री बनाया। सीजेपी ने जंतर-मंतर पर हजारों छात्रों को जुटाकर नीट पेपर लीक सहित परीक्षा सुधारों को लेकर प्रदर्शन किया था। आंदोलन समाप्त होने के बावजूद कुछ राज्यों में मुकदमे और गिरफ्तारियों को लेकर विवाद जारी है। कंगना रानौत का यह बयान सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बन गया है, जहां जेनजी प्रदर्शनकारियों के भाषा, अंदाज और प्रतीकों पर बहस छिड़ गई है।

जालंधर में आईईडी के साथ बब्बर खालसा का ऑपरेटर गिरफ्तार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

चंडीगढ़/जालंधर। पंजाब पुलिस ने सीमा पार से संचालित आतंकी नेटवर्क के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए बब्बर खालसा इंटरनेशनल (बीकेआई) के एक ऑपरेटर को जालंधर से गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से 1.3 किलोग्राम विस्फोटक से भरा एक इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) बरामद किया गया है। पुलिस के अनुसार, इससे राज्य में शांति और कानून-व्यवस्था को बिगाड़ने की साजिश का पर्दाफाश हुआ है। पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) गौरव यादव ने बताया कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के निर्देश पर राज्य को सुरक्षित बनाने के अभियान के तहत काउंटर इंटेलिजेंस जालंधर और जालंधर ग्रामीण पुलिस ने संयुक्त अभियान चलाकर पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई के समर्थन से संचालित बीकेआई मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान जालंधर के आदमपुर क्षेत्र के गांव पड़ियाना निवासी सतबीर सिंह के रूप में हुई है। उसके पास से आईईडी के अलावा एक प्लेटिना मोटरसाइकिल भी बरामद की गई है। डीजीपी ने बताया कि बरामद आईईडी में 1.3 किलोग्राम उच्च क्षमता का विस्फोटक, छर्रे और बॉल बेयरिंग लगे हुए थे। समय रहते की गई इस कार्रवाई से एक बड़े आतंकी खतरे को टाल दिया गया और कई निर्दोष लोगों की जान बचाई जा सकी। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि विदेशी संचालकों के निर्देश पर आतंकी मॉड्यूल को विस्फोटकों की खेप मिली थी। गुप्त सूचना के आधार पर गांव धंडौर में संयुक्त जांच चौकी लगाकर सतबीर सिंह को रोका गया। तलाशी के दौरान उसके बैग से आईईडी बरामद कर उसे गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने बताया कि इस मामले में विदेशी संचालकों, स्थानीय सहयोगियों और पूरे आतंकी नेटवर्क की पहचान के लिए जांच जारी है। इस संबंध में पटारा थाने में भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं, विस्फोटक पदार्थ अधिनियम तथा आयुध अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है।

ट्रिपल एम स्कूल के खिलाड़ियों का शानदार प्रदर्शन

होशियारपुर। ट्रिपल एम स्कूल ऑफ एक्सीलेंस के विद्यार्थियों ने विभिन्न विद्यालयी खेल प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर विद्यालय का नाम रोशन किया। खिलाड़ियों ने अपनी मेहनत, अनुशासन और खेल भावना के दम पर कई स्पर्धाओं में शीर्ष स्थान हासिल किए। वॉलीबॉल अंडर-14 बालिका वर्ग की टीम ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि खो-खो अंडर-19 टीम ने द्वितीय स्थान हासिल किया। रस्साकशी प्रतियोगिता में अंडर-19 और अंडर-14 दोनों टीमों ने भी सराहनीय प्रदर्शन करते हुए विजेता स्थान प्राप्त किए। बैडमिंटन अंडर-19 बालिका वर्ग में विद्यालय की छात्राओं ने प्रथम स्थान हासिल किया। कराटे प्रतियोगिता में रिद्धि ने अंडर-19 वर्ग में प्रथम, चेतन ने अंडर-14 वर्ग में प्रथम तथा बवनूर ने अंडर-14 वर्ग में द्वितीय स्थान प्राप्त किया। जूडो प्रतियोगिता में परिनूर ने प्रथम, नविका, मान्या और हरनीत ने द्वितीय तथा यशिका ने तृतीय स्थान हासिल कर विद्यालय का गौरव बढ़ाया।

गुलज़ार ग्रुप के दीक्षांत समारोह में छात्रों को मिली डिग्रियां

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लुधियाना- पंजाब के कैबिनेट मंत्री तरुणप्रीत सिंह सौंद आज लुधियाना के गुरु नानक देव भवन के ऑडिटोरियम में गुलज़ार ग्रुप ऑफ़ इंस्टीट्यूशंस के 14वें सालाना कॉन्वोकेशन सेरेमनी में चीफ गेस्ट के तौर पर शामिल हुए। इस मौके पर, उन्होंने अलग-अलग कोर्स सफलतापूर्वक पूरे करने वाले स्टूडेंट्स को डिग्री बांटी और खास तौर पर उन मेधावी स्टूडेंट्स को सम्मानित किया जिन्होंने पढ़ाई में बेहतरीन अचीवमेंट हासिल की। फंक्शन को एड्रेस करते हुए, कैबिनेट मंत्री तरुणप्रीत सिंह सौंद ने डिग्री पाने वाले सभी स्टूडेंट्स, उनके पेरेंट्स और टीचर्स को बधाई दी। उन्होंने कहा कि दीक्षांत समारोह सिर्फ़ डिग्री लेने का समारोह नहीं है, बल्कि ज़िंदगी के एक नए अध्याय की शुरुआत है, जहाँ स्टूडेंट्स को समाज और देश की तरक्की के लिए अपनी नॉलेज, स्किल्स और काबिलियत को समर्पित करने का मौका मिलता है। उन्होंने कहा कि शिक्षा किसी इंसान को सिर्फ़ नौकरी के काबिल ही नहीं बनाती, बल्कि उसे एक ज़िम्मेदार और संवेदनशील नागरिक के तौर पर भी तैयार करती है। उन्होंने कहा कि आज का समय तेज़ी से बदलती टेक्नोलॉजी, इनोवेशन और ग्लोबल कॉम्पिटिशन का है। ऐसे दौर में लगातार सीखना, नए आइडिया अपनाना, रिसर्च और इनोवेशन पर ध्यान देना और ऊँचे नैतिक मूल्यों को अपनी ज़िंदगी का हिस्सा बनाना ही कामयाबी की असली चाबी है। उन्होंने स्टूडेंट्स से अपील की कि वे अपने टैलेंट का इस्तेमाल देश की तरक्की, समाज की भलाई और इंसानियत की सेवा के लिए करें। कैबिनेट मंत्री ने पंजाब सरकार की तरफ़ से युवाओं को अच्छी शिक्षा, स्किल डेवलपमेंट और रोज़गार के अच्छे मौके देने की कोशिशों का ज़िक्र करते हुए कहा कि सरकार का मकसद युवाओं को आत्मनिर्भर और काबिल बनाना है ताकि वे अपने सपनों को पूरा करते हुए राज्य और देश की तरक्की में अहम रोल निभा सकें। उन्होंने कहा कि शिक्षा इंसान की सबसे बड़ी दौलत है और इसके ज़रिए ही समाज में अच्छा बदलाव लाया जा सकता है।

उन्होंने गुलज़ार ग्रुप ऑफ़ इंस्टिट्यूशंस की हाई लेवल की शिक्षा, मॉडर्न टेक्नोलॉजिकल सुविधाओं और इंडस्ट्री-सेंट्रिक लर्निंग मॉडल की बहुत तारीफ़ की और कहा कि इस इंस्टिट्यूशन ने शिक्षा के क्षेत्र में खास योगदान दिया है और हज़ारों स्टूडेंट्स को उनके करियर में सफल होने के लिए एक मज़बूत नींव दी है। उन्होंने कहा कि ऐसे इंस्टिट्यूशंस राज्य के विकास में अहम भूमिका निभाते हैं। समारोह के दौरान गुलज़ार ग्रुप ऑफ़ इंस्टिट्यूशंस के चेयरमैन एस. गुरचरण सिंह और वाइस चेयरमैन एस. गुरकीरत सिंह ने मुख्य अतिथि का गर्मजोशी से स्वागत किया और उन्हें धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि इंस्टिट्यूशन का मकसद स्टूडेंट्स को वर्ल्ड-क्लास शिक्षा के साथ-साथ प्रैक्टिकल नॉलेज, रिसर्च और इनोवेशन के लिए प्रेरित करना है ताकि वे ग्लोबल स्टेज पर अपनी पहचान बना सकें। समारोह में स्टूडेंट्स और उनके पेरेंट्स में बहुत उत्साह देखा गया। डिग्री पाने वाले स्टूडेंट्स ने इस मौके को अपनी ज़िंदगी की एक बड़ी उपलब्धि बताया और अपने टीचर्स और पेरेंट्स को धन्यवाद दिया। समारोह के दौरान, पढ़ाई में बहुत अच्छा प्रदर्शन करने वाले स्टूडेंट्स को स्पेशल मेडल और ऑनरेबल मेंशन भी दिए गए। इस मौके पर आई. के. गुजराल पंजाब टेक्निकल यूनिवर्सिटी के रजिस्ट्रार नवदीपक संधू, गुलज़ार ग्रुप ऑफ़ इंस्टीट्यूशंस के चेयरमैन एस. गुरचरण सिंह, वाइस चेयरमैन एस. गुरकीरत सिंह, बड़ी संख्या में स्टूडेंट्स और उनके पेरेंट्स मौजूद थे।

सेंट्रल जेल में खुला आम आदमी क्लीनिक

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

होशियारपुर- पंजाब के जेल और NRI मामलों के मंत्री डॉ. रवजोत सिंह ने आज यहां सेंट्रल जेल में नए बने आम आदमी क्लीनिक का उद्घाटन करते हुए कहा कि पंजाब सरकार राज्य के हर इलाके में बहुत आसान तरीके से अच्छी हेल्थ सुविधाएं देने के नए स्टैंडर्ड सेट कर रही है, जिससे आम लोगों को उनके घरों के पास ही बेसिक टेस्ट और दवाइयां मिल रही हैं। जेल मंत्री डॉ. रवजोत सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व में पंजाब सरकार ने राज्य में 1090 आम आदमी क्लीनिक खोले हैं, जहाँ एक्सपर्ट स्टाफ द्वारा प्राइमरी हेल्थ केयर इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करके अच्छी हेल्थ सर्विस, टेस्ट और दवाएँ मुफ़्त में दी जा रही हैं। उन्होंने कहा कि होशियारपुर की सेंट्रल जेल में आम आदमी क्लीनिक शुरू होने से जिले में चल रहे इन क्लीनिकों की संख्या बढ़कर 77 हो गई है और अब जेल में बंद कैदियों को 45 तरह के टेस्ट की सुविधा जेल में ही मिलेगी, जहाँ उन्हें 100 से ज़्यादा तरह की दवाएँ भी मुफ़्त मिलेंगी। डॉ. रवजोत सिंह ने कहा कि पंजाब सरकार ने राज्य की 8 जेलों में आम आदमी क्लीनिक खोले हैं ताकि जेलों में कैदियों के लिए हेल्थ सुविधाएँ सही तरीके से लागू की जा सकें। उन्होंने कहा कि जेलों में इन क्लीनिकों में मेडिकल ऑफिसर, फार्मासिस्ट, क्लीनिक असिस्टेंट, हेल्पर आदि तैनात किए गए हैं ताकि अच्छी हेल्थ सर्विस दी जा सके। उन्होंने कहा कि होशियारपुर जेल में बंद 1400 से ज़्यादा कैदियों के शुरुआती टेस्ट अब जेल के अंदर ही आम आदमी क्लीनिक में किए जाएंगे और ज़रूरी दवाइयां भी अंदर से ही दी जाएंगी। आम आदमी क्लीनिक में लोगों को मिल रही हेल्थ सुविधाओं के बारे में कैबिनेट मंत्री डॉ. रवजोत सिंह ने कहा कि इन क्लीनिक में मिल रही सुविधाओं से लोगों को बहुत फ़ायदा हो रहा है और अब तक 5.90 करोड़ मरीज़ अपना चेक-अप करवा चुके हैं और राज्य में पहले चल रहे 990 क्लीनिक में से अंदाज़न 83 हज़ार लोग रोज़ाना हेल्थ सर्विस ले रहे थे। उन्होंने कहा कि अब इन क्लीनिक की संख्या बढ़कर 1090 हो गई है, इससे ज़्यादा लोगों को अच्छी हेल्थ सुविधाओं का फ़ायदा मिलेगा। उन्होंने कहा कि अब तक इन क्लीनिक में लगभग 3.5 करोड़ टेस्ट किए जा चुके हैं। डॉ. रवजोत सिंह ने कहा कि अब आम आदमी क्लीनिक में प्रेग्नेंट महिलाओं की देखभाल, स्क्रीनिंग और डाइट मैनेजमेंट की सर्विस भी मिल रही है। उन्होंने कहा कि पंजाब सरकार ने आने वाले समय में 300 और आम आदमी क्लीनिक खोलने का प्रस्ताव रखा है, ताकि राज्य के हर इलाके में लोगों को उनके घरों के पास बेसिक और अच्छी हेल्थ सर्विस मिल सकें। जेल सुपरिटेंडेंट हरचरण सिंह गिल, सिविल सर्जन डॉ. मंदीप कमल ने जेल में आम आदमी क्लीनिक बनाने, स्टाफ और मौजूद सुविधाओं के बारे में डिटेल में जानकारी दी। इस मौके पर एडिशनल सुपरिटेंडेंट हरबंस सिंह, डिप्टी सुपरिटेंडेंट आशा रानी, आम आदमी क्लीनिक के अर्बन नोडल ऑफिसर डॉ. रोहित बबूता, डिस्ट्रिक्ट प्रोग्राम मैनेजर हारू मोहम्मद आसिफ भी मौजूद थे।

तरुण चुघ दो संसदीय समितियों के सदस्य नामित

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

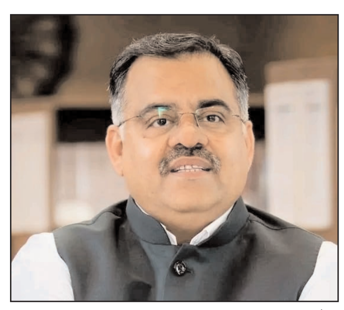

बठिंडा- BJP के नेशनल जनरल सेक्रेटरी और राज्यसभा मेंबर तरुण चुघ को होम अफेयर्स की पार्लियामेंट्री स्टैंडिंग कमिटी और मिनिस्ट्री ऑफ़ डिफ़ेंस की कंसल्टेटिव कमिटी का मेंबर नॉमिनेट किया गया है, जो पार्लियामेंट में एक बड़ी ज़िम्मेदारी है। होम अफेयर्स की पार्लियामेंट्री स्टैंडिंग कमिटी, मिनिस्ट्री ऑफ़ होम अफेयर्स और उससे जुड़े डिपार्टमेंट्स के कामकाज, पॉलिसी, कानून और बजट एलोकेशन की जांच करने में अहम भूमिका निभाती है। यह कमिटी इंटरनल सिक्योरिटी, लॉ एंड ऑर्डर, बॉर्डर मैनेजमेंट, डिज़ास्टर मैनेजमेंट और इससे जुड़े मामलों पर डिटेल्ड पार्लियामेंट्री जांच और पॉलिसी सुझाव देकर गवर्नेंस को मज़बूत करने में मदद करती है। इसके अलावा, तरुण चुघ को मिनिस्ट्री ऑफ़ डिफ़ेंस की कंसल्टेटिव कमिटी के लिए भी नॉमिनेट किया गया है, जो एक ज़रूरी पार्लियामेंट्री फोरम है जो मेंबर्स ऑफ़ पार्लियामेंट और मिनिस्ट्री ऑफ़ डिफ़ेंस के बीच रेगुलर बातचीत को आसान बनाता है। यह कमिटी नेशनल सिक्योरिटी, डिफ़ेंस की तैयारी, आर्म्ड फ़ोर्सेज़ के मॉडर्नाइज़ेशन, बॉर्डर इंफ्रास्ट्रक्चर और डिफ़ेंस पर्सनल की भलाई से जुड़े ज़रूरी मुद्दों पर विचार-विमर्श करती है, जिससे स्ट्रेटेजिक इंपॉर्टेंस के मामलों पर कंस्ट्रक्टिव बातचीत हो पाती है। इन दोनों प्रतिष्ठित कमेटियों में नॉमिनेशन, तरुण चुघ के पार्लियामेंट्री अनुभव और लीडरशिप में दिखाए गए भरोसे को दिखाता है। इन कमेटियों के सदस्य के तौर पर, वह देश के दो सबसे ज़रूरी सेक्टर - इंटरनल सिक्योरिटी और नेशनल डिफेंस - पर चर्चा और पॉलिसी पर बातचीत में योगदान देंगे।

रोजी रोटी कमाने आए युवक की मोहाली में सड़क हादसे में मौत

जीरकपुर (मोहाली)। हरियाणा के कुरुक्षेत्र से रोजी रोटी कमाने आए युवक की मोहाली के जीरकपुर में सड़क हादसे में मौत हो गई, जबकि उसका साथी गंभीर रूप से घायल है। उसका चंडीगढ़ सेक्टर-32 स्थित मेडिकल कॉलेज में इलाज चल रहा है। हादसा देर रात वीआईपी रोड पर मेट्रो टावर के सामने स्लिप रोड हुआ। हादसे में जान गंवाने वाला कुरुक्षेत्र निवासी 25 वर्षीय मलकीत सिंह अपने साथी लवकेश के साथ बाइक पर जा रहा था। तभी किसी तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने बाइक को टक्कर मारी। मलकीत और लवकेश सड़क पर गिर गए। वाहन चालक फरार हो गया। लोगों ने दोनों घायल को अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने मलकीत को मृत घोषित कर दिया। जीरकपुर थाना पुलिस ने अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।

आपेल मंदिर में आधी रात से कावड़ियों की उमड़ी भीड़

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

असम धेमाजी। आज सावन का दूसरा सोमवार है, शिवभक्तों ने सावन माह के हर सोमवार को सोने में सुहागा डाल देते हैं। सिलापथार सिलागांव में स्थित आपेल मंदिर में रविवार मध्य रात्रि से भक्तों ने जलाभिषेक के लिए भीड़ करते हुए दिखाई दी। जिले की प्रमुख नदियां जैसे सीमेन,डिमो, गाई, गाघरा आदि नोडिया में भक्तों ने स्नान कर पदयात्रा बोल बम ध्वनि देकर कर आपेल मंदिर के शिवलिंग पर जलाभिषेक करते हैं। मंदिर परिसर में हर वर्ष के तरह इस बार भी भंडारे की व्यवस्था किया गया है। मंदिर के प्रमुख बाब ने मीडिया को दिए जानकारी अनुसार इस बार भी रविवार मध्य रात्रि से सोमवार दुपहर तक लगभग 12 से 15 हज़ार शिव भक्त श्रद्धालुओं ने मंदिर में अपनी मन्नत लेकर आए एवं शिवलिंग पर जलाभिषेक किया। कांवड़ यात्री शिव भक्तों ने शाम से ही चिलपत्थर के एप्पल मंदिर में एकाकी भीड़ देखी। नाम जप से भक्तिमय माहौल है। रविवार आधी रात से ही घाघरा नदी के किनारे आध्यात्मिक माहौल है। नदी में स्नान करने के बाद, भक्त नदी के किनारे रेत में शिवलिंग स्थापित करते हैं और अपनी मनोकामना पूरी करने के लिए पूजा करते हैं। मंदिर के बाबा ने भक्तों को आशीर्वाद दिया और मीडिया को बताया कि हर साल की तरह, ब्रह्मपुत्र नदी, गाई नदी, घाघरा नदी, चिमेन नदी और अरुणाचल प्रदेश में आकाशी गंगा जैसी कई जगहों से भक्त आधी रात को मंदिर आए हैं। रविवार आधी रात से सोमवार दोपहर 2,3 बजे तक भक्त आएंगे, जिसमें लगभग 15 से 20 हजार भक्त इकट्ठा होंगे। शहर में बहुत सारे भक्त हैं। शहर में बहुत सारे भक्त हैं। असम सुरक्षित रहे, असम प्राकृतिक संसाधनों से भरपूर रहे, एकजुट भारत सुरक्षित रहे, ऐसे कई तरीके हैं जिनसे आप अपना आत्मविश्वास बढ़ा सकते हैं। ऐसे कई तरीके हैं जिनसे आप अपना आत्मविश्वास बढ़ा सकते हैं।

पांच चोरी की बाइक के साथ दो आरोपी गिरफ्तार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मुक्तसर साहिब। मुक्तसर साहिब पुलिस ने वाहन चोर गिरोह के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से पांच चोरी की मोटरसाइकिलें बरामद की हैं। यह कार्रवाई वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु राणा के नेतृत्व में जिले में अपराधियों और असामाजिक तत्वों के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत की गई। पुलिस अधीक्षक (मुख्यालय) मनमीत सिंह ढिल्लों और पुलिस उपाधीक्षक रशपाल सिंह ने बताया कि सीआईए स्टाफ के प्रभारी निरीक्षक गुरविंदर सिंह की टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए आरोपियों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान बठिंडा जिले के गांव भिसियाना निवासी अमरदीप सिंह तथा मुक्तसर साहिब के गांव मल्लन निवासी जगतार सिंह के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, थाना सदर मुक्तसर साहिब में भारतीय न्याय संहिता की धारा 303(2) के तहत मामला दर्ज किया गया था। गिरफ्तारी के समय आरोपियों के पास से एक चोरी की मोटरसाइकिल बरामद हुई। पूछताछ के दौरान उनकी निशानदेही पर चार अन्य चोरी की मोटरसाइकिलें भी बरामद कर ली गई। इस तरह पुलिस ने कुल पांच चोरी की मोटरसाइकिलें बरामद की हैं। प्रारंभिक पूछताछ में आरोपियों ने स्वीकार किया कि वे मुक्तसर साहिब के विभिन्न गांवों और कस्बों से मोटरसाइकिलें चोरी कर उन्हें एक स्थान पर इकट्ठा करते थे और बाद में बेच देते थे। पुलिस ने बताया कि आरोपियों को न्यायालय में पेश कर पुलिस रिमांड पर लिया जाएगा। मामले की जांच जारी है और पूछताछ में अन्य महत्वपूर्ण खुलासे होने की संभावना है। मुक्तसर साहिब पुलिस ने कहा कि जिले में वाहन चोरी, मादक पदार्थों की तस्करी और अन्य आपराधिक गतिविधियों के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा। कानून व्यवस्था बनाए रखने और लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करना पुलिस की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

असम में प्रथम स्थान, श्रीभूमि के पीएम श्री शंकरदेव स्कूल को 5-स्टार रेटिंग

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

श्रीभूमि- शिक्षा और स्वच्छता के क्षेत्र में असम के श्रीभूमि जिले के रामकृष्णनगर प्राथमिक शिक्षा खंड के अंतर्गत आने वाले 1367 नंबर पीएम श्री शंकरदेव एलपी स्कूल, मोहनपुर ने राज्य स्तर पर उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय द्वारा आयोजित प्रतिष्ठित 'स्वच्छ और हरित विद्यालय रेटिंग (SHVR) 2025' के अंतिम परिणाम में इस विद्यालय ने पूरे असम में प्रथम स्थान प्राप्त किया है और सर्वोच्च 5-स्टार रेटिंग भी हासिल की है। इस वर्ष असम में केवल दो विद्यालयों को राज्य में संयुक्त रूप से प्रथम स्थान मिला है। इनमें शिवसागर जिले का पीएम श्री लादैगढ़ ग्रांट एलपी स्कूल और श्रीभूमि जिले का 1367 नंबर पीएम श्री शंकरदेव एलपी स्कूल, मोहनपुर शामिल हैं। दुर्गम पहाड़ी क्षेत्र में स्थित इस विद्यालय की उपलब्धि से पूरे इलाके में खुशी का माहौल है।

स्थानीय लोगों और शिक्षा प्रेमियों ने विद्यालय की इस सफलता को राज्य के लिए गौरवपूर्ण उपलब्धि बताया है। केंद्र सरकार की राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP 2020) और मिशन लाइफ (Mission LiFE) के अनुरूप विद्यालयों में स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण और टिकाऊ आधारभूत सुविधाओं को बढ़ावा देने के उद्देश्य से यह रेटिंग प्रदान की जाती है। विद्यालय ने सुरक्षित पेयजल, स्वच्छ एवं आधुनिक शौचालय, साबुन से हाथ धोने की व्यवस्था, नियमित रखरखाव, विद्यार्थियों में स्वच्छता संबंधी व्यवहारिक जागरूकता तथा पर्यावरण संरक्षण गतिविधियों सहित छह प्रमुख मानकों पर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। विद्यालय की इस ऐतिहासिक सफलता का श्रेय प्रधानाध्यापक नछिम उद्दीन, स्कूल प्रबंधन समिति के अध्यक्ष नासिर उद्दीन, समस्त शिक्षकों, स्कूल प्रबंधन समिति (SMC) तथा विद्यार्थियों के सामूहिक प्रयास को दिया जा रहा है। शिक्षा जगत से जुड़े लोगों का कहना है कि एक दूरदराज़ के प्राथमिक विद्यालय का पूरे असम में शीर्ष स्थान हासिल करना अन्य विद्यालयों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगा। प्रधानाध्यापक नछिम उद्दीन ने कहा कि यह उपलब्धि उनके लिए गर्व के साथ-साथ बड़ी जिम्मेदारी भी है। उन्होंने भविष्य में भी विद्यालय को स्वच्छ, सुंदर और पर्यावरण अनुकूल बनाए रखने के लिए निरंतर प्रयास जारी रखने का संकल्प व्यक्त किया।

26 बीघे की अवैध प्लाटिंग पर पीडीए का बुलडोजर

झूंसी और फूलपुर क्षेत्र में चार स्थानों पर ध्वस्तीकरण, पीडीए ने अवैध कॉलोनियों में भूखंड खरीदने से किया आगाह।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रयागराज। प्रयागराज विकास प्राधिकरण (पीडीए) ने अवैध प्लाटिंग और अनधिकृत निर्माण के खिलाफ अपना अभियान तेज करते हुए सोमवार को जोन-5 क्षेत्र में बड़ी कार्रवाई की। उपाध्यक्ष एवं सचिव के निर्देश पर जोनल अधिकारी प्रवीण कुमार यादव के नेतृत्व में चली इस कार्रवाई के दौरान लगभग 26 बीघे क्षेत्रफल में विकसित अवैध प्लाटिंग को बुलडोजर चलाकर ध्वस्त कर दिया गया। पीडीए की इस कार्रवाई से अवैध रूप से कॉलोनियां विकसित करने वाले लोगों में हड़कंप मच गया। ध्वस्तीकरण अभियान के दौरान भारी संख्या में प्रवर्तन दल, अभियंताओं और पुलिस बल की मौजूदगी रही, जिससे कार्रवाई शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई। अभियान की शुरुआत मौजा शेरडीह, परगना झूंसी, तहसील फूलपुर से की गई। यहां मनोज कुमार, बनारसी पटेल, भगवान कुशवाहा एवं अन्य द्वारा लगभग 8 बीघे क्षेत्रफल में बिना प्राधिकरण की स्वीकृति के विकसित की जा रही अवैध प्लाटिंग को ध्वस्त कर दिया गया। मौके पर बनाई गई सड़कों, सीमांकन और अन्य निर्माणों को जेसीबी मशीनों से हटाया गया।

तेन्दुई में दो स्थानों पर चला बुलडोजर

इसके बाद पीडीए की टीम मौजा तेन्दुई पहुंची, जहां पटेल नगर से सहसों रोड के मध्य सविता यादव, लाल चन्द्र यादव, मुन्ना भारती, सुनील कुमार एवं अन्य द्वारा लगभग 10 बीघे क्षेत्र में विकसित की गई अवैध प्लाटिंग पर कार्रवाई की गई। यहां भी अवैध रूप से बनाई गई सड़कों और प्लॉटों के सीमांकन को ध्वस्त कर दिया गया। इसी क्रम में पटेल नगर से तेन्दुई रोड स्थित क्षेत्र में अभिषेक सिंह एवं अन्य द्वारा लगभग 5 बीघे में विकसित की गई अवैध प्लाटिंग को भी बुलडोजर चलाकर समाप्त कर दिया गया।

अभियान लगातार रहेगा जारी

प्राधिकरण के अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि शहर और आसपास के क्षेत्रों में अवैध कॉलोनियों तथा बिना स्वीकृति के विकसित की जा रही प्लाटिंग के खिलाफ अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा। बिना मानचित्र स्वीकृति के किसी भी प्रकार का विकास कार्य करने वालों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी।

पूरे सूरदास में भी हुई कार्रवाई

पीडीए की टीम ने सोनकर मार्केट के पीछे, मौजा पूरे सूरदास में भी अभियान चलाया। यहां महमूद खान, मोहम्मद गौस, मो. सैफ, फरोग आलम एवं अन्य द्वारा लगभग 3 बीघे क्षेत्र में विकसित की गई अवैध प्लाटिंग के विरुद्ध ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की गई।

जिलाधिकारी ने बघाड़ा, दारागंज व गंगानगर का किया निरीक्षण, अधिकारियों को दिए सख्त निर्देश

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रयागराज। गंगा और यमुना के बढ़ते जलस्तर तथा संभावित बाढ़ की आशंका को देखते हुए जिला प्रशासन पूरी तरह सतर्क हो गया है। सोमवार को जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा ने नगर आयुक्त सीलम साईं तेजा के साथ बाढ़ प्रभावित होने वाले क्षेत्रों छोटा बघाड़ा, दारागंज और गंगानगर का स्थलीय निरीक्षण कर तैयारियों का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने संबंधित विभागों के अधिकारियों को बाढ़ से निपटने के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं समय रहते सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने निरीक्षण के दौरान स्थानीय लोगों से संवाद करते हुए अपील की कि जलस्तर बढ़ने पर बाढ़ आने का इंतजार न करें, बल्कि प्रशासन द्वारा निर्धारित बाढ़ राहत केंद्रों पर समय रहते पहुंच जाएं। उन्होंने कहा कि समय रहते सुरक्षित स्थान पर पहुंचने से किसी भी प्रकार की जनहानि या अन्य परेशानियों से बचा जा सकता है। छोटा बघाड़ा क्षेत्र का निरीक्षण करते हुए जिलाधिकारी ने अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) तथा उपजिलाधिकारी सदर को निर्देश दिए कि बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में बाढ़ कंट्रोल रूम, संबंधित लेखपाल तथा अन्य अधिकारियों के मोबाइल नंबर छोटे-छोटे सूचना बोर्डों पर प्रमुख स्थानों पर प्रदर्शित किए जाएं, ताकि आपात स्थिति में लोगों को तुरंत सहायता मिल सके। निरीक्षण के दौरान अपर जिलाधिकारी ने बताया कि पूर्व वर्षों में बघाड़ा क्षेत्र का बाढ़ राहत शिविर एनी बेसेंट गर्ल्स इंटर कॉलेज में संचालित होता था, लेकिन इस वर्ष होलीटेट्री स्कूल को नया बाढ़ राहत केंद्र बनाया गया है। इस पर जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि चौपाल, जनसंपर्क अभियान और अन्य माध्यमों से क्षेत्र के प्रत्येक परिवार को नए राहत केंद्र की जानकारी उपलब्ध कराई जाए, ताकि आपदा के समय किसी प्रकार की भ्रम की स्थिति न बने। राहत केंद्रों पर भोजन, पानी, चिकित्सा और स्वच्छता की रहें पूरी व्यवस्था जिलाधिकारी ने अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) को निर्देशित किया कि सभी बाढ़ राहत केंद्रों पर भोजन, पेयजल, साफ-सफाई, शौचालय, चिकित्सा सुविधा, दवाइयों और अन्य आवश्यक संसाधनों की व्यवस्था पहले से ही सुनिश्चित कर ली जाए। उन्होंने कहा कि राहत केंद्रों में किसी भी प्रकार की कमी नहीं रहनी चाहिए, जिससे प्रभावित लोगों को तत्काल राहत मिल सके।

सावन पर्व को लेकर नैनी कोतवाली में पीस कमेटी की बैठक सम्पन्न

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नैनी, प्रयागराज । सावन माह एवं कांवड़ यात्रा के मद्देनजर शांति, सुरक्षा और बेहतर व्यवस्थाओं को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से रविवार को नैनी कोतवाली परिसर में पीस कमेटी की बैठक आयोजित की गई।बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में करछना के उपजिलाधिकारी उपस्थित रहे। इस दौरान जोन-5 के जोनल अधिकारी (नगर निगम), विद्युत विभाग के जूनियर इंजीनियर (जेई), जल निगम के जूनियर इंजीनियर (जेई), नैनी क्षेत्र के सभी चौकी प्रभारी तथा विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।बैठक को संबोधित करते हुए उपजिलाधिकारी ने संबंधित विभागों को निर्देश दिए कि सावन माह में सभी प्रमुख मंदिरों के आसपास सड़क, पेयजल, विद्युत एवं साफ-सफाई जैसी मूलभूत सुविधाएं सुचारु रूप से उपलब्ध रहें। श्रद्धालुओं एवं कांवड़ यात्रियों को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करें।उन्होंने यह भी निर्देशित किया कि सभी प्रमुख मंदिरों एवं कांवड़ मार्गों पर विशेष सुरक्षा व्यवस्था की जाए, ताकि श्रद्धालु सुरक्षित एवं शांतिपूर्ण वातावरण में पूजा-अर्चना कर सकें।बैठक का संचालन व्यापार मंडल के महामंत्री घनश्याम जायसवाल ने किया।इस अवसर पर लालचंद्र यादव, व्यापारी नेता विनय जायसवाल (बाबा), दिनेश तिवारी, विपिन वर्मा, सोनू चौरसिया, राजेश श्रीवास्तव, सोमेश्वरनाथ मंदिर के महंत श्री संजय गिरि सहित बड़ी संख्या में व्यापारी, गणमान्य नागरिक एवं क्षेत्रवासी उपस्थित रहे।

रेलवे लाइन किनारे तीन शातिर चोर गिरतार, चोरी का टैबलेट, तीन मोबाइल और ई-रिशा बरामद

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रयागराज। शहर में चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना जार्जटाउन । पुलिस ने रेलवे लाइन के किनारे हरी नगर क्षेत्र से तीन शातिर अभियुक्तों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से चोरी का सामान तथा घटना में प्रयुक्त ई-रिक्शा बरामद किया है। पुलिस ने आरोपियों के विरुद्ध मुकदमे में नई धाराएं बढ़ाते हुए उन्हें न्यायालय में पेश कर न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया।

पुलिस के अनुसार सोमवार 27 जुलाई 2026 को जार्जटाउन थाना पुलिस संदिग्ध व्यक्तियों की तलाश में क्षेत्र में गश्त कर रही थी। इसी दौरान रेलवे लाइन के किनारे हरी नगर के पास तीन संदिग्ध व्यक्तियों को रोककर पूछताछ की गई। तलाशी लेने पर उनके कब्जे से चोरी का एक टैबलेट, तीन

मोबाइल फोन तथा वारदात में प्रयुक्त ई-रिक्शा संख्या क्र/0ऋ्र0087 बरामद हुआ। बरामद सामान के संबंध में संतोषजनक जवाब न दे पाने पर पुलिस ने तीनों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार अभियुक्तों की पहचान उज्जवल सोनी उर्फ मंटू सोनी (20 वर्ष) निवासी माली चौराहा, अल्लापुर, पंकज कुमार सिंह उर्फ ठाकुर (40 वर्ष) निवासी बाघम्बरी गद्दी रोड, अल्लापुर तथा मुन्द्रिका वर्मा (25 वर्ष) निवासी चन्द्रशेखर आजाद स्कूल, अल्लापुर के रूप में हुई है।

सहजनवा विधानसभा से सूरज जायसवाल को प्रत्याशी बनाने का वैश्य समाज का प्रस्ताव

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रयागराज। वृंदावन कॉलोनी, राजेंद्र नगर में वैश्य समाज की बैठक आयोजित की गई, जिसकी अध्यक्षता महासभा उत्तर प्रदेश के कार्यकारी अध्यक्ष सूरज जायसवाल ने की। बैठक का संचालन सत्य प्रकाश जायसवाल ने किया। बैठक में विधानसभा क्षेत्र संख्या 324 सहजनवा से सूरज जायसवाल को प्रत्याशी के रूप में चुनाव मैदान में उतारने का प्रस्ताव रखा गया, जिसे उपस्थित सदस्यों ने सर्वसम्मति से समर्थन दिया। बैठक में जायसवाल समाज के वरिष्ठ नेता विंध्यवासिनी जायसवाल, अखिल भारतीय कलवार कलाल कलार जायसवाल महासभा के राष्ट्रीय महासचिव ध्रुवचन्द जायसवाल, रवि जायसवाल, सागर जायसवाल, विवेक जायसवाल, सुभाष जायसवाल, ओम प्रकाश जायसवाल, चंदन गुप्ता (साहू), मीडिया प्रभारी रवि जायसवाल, दीपक कुमार जायसवाल, जे.पी. जायसवाल सहित समाज के अनेक लोग उपस्थित रहे। बैठक के दौरान रवि जायसवाल ने सहजनवा विधानसभा से सूरज जायसवाल का नाम प्रत्याशी के रूप में प्रस्तावित किया। प्रस्ताव का समर्थन मीडिया प्रभारी रवि जायसवाल ने किया। इसके बाद उपस्थित वैश्य समाज के सदस्यों ने सूरज जायसवाल की उम्मीदवारी के प्रस्ताव पर सर्वसम्मति से समर्थन जताया। महासभा के राष्ट्रीय महासचिव ध्रुवचन्द जायसवाल ने कहा कि सहजनवा विधानसभा क्षेत्र से महासभा उत्तर प्रदेश के कार्यकारी अध्यक्ष एवं व्यापारी नेता सूरज जायसवाल के चुनाव लड़ने के निर्णय का महासभा स्वागत करती है और उन्हें हर स्तर पर सहयोग दिया जाएगा।

छिवकी रेलवे स्टेशन से शातिर मोबाइल चोर गिरफ्तार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नैनी, प्रयागराज। जीआरपी प्रयागराज ने रेलवे स्टेशन एवं ट्रेनों में बढ़ती चोरी और छिनैती की घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत एक शातिर मोबाइल चोर को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से चोरी का मोबाइल फोन बरामद किया है।पुलिस महानिदेशक रेलवे, पुलिस महानिरीक्षक रेलवे प्रयागराज एवं पुलिस अधीक्षक रेलवे प्रयागराज के निर्देश पर चलाए जा रहे विशेष अभियान के क्रम में क्षेत्राधिकारी रेलवे प्रयागराज अरुण कुमार पाठक के निकट पर्यवेक्षण तथा प्रभारी निरीक्षक जीआरपी प्रयागराज अकलेश कुमार सिंह के नेतृत्व में सोमवार को यह

कार्रवाई की गई।उपनिरीक्षक रामकरन सिंह, प्रभारी चौकी छिवकी ने अपनी टीम के साथ रेलवे स्टेशन छिवकी के प्लेटफॉर्म संख्या-1 के हावड़ा छोर पर पेड़ के नीचे से आकाश सोनकर (27 वर्ष) पुत्र कृपाशंकर सोनकर, निवासी सराय टिकौर, थाना कोतवाली चुनार, जनपद मिर्जापुर को गिरफ्तार किया। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से चोरी का वीवो Y19 कंपनी का ग्रे रंग का मोबाइल फोन बरामद हुआ, जिसकी अनुमानित कीमत लगभग 13 हजार रुपये बताई गई है।बरामद मोबाइल मु0अ0सं0 261/2026 धारा 303(2), 317(2) बीएनएस से संबंधित है। पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध आवश्यक विधिक कार्रवाई करते हुए उसे न्यायालय में पेश किया। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपी के विरुद्ध वाराणसी एवं मिर्जापुर जनपद के विभिन्न थानों में लूट, चोरी, गैंगस्टर तथा अन्य गंभीर धाराओं में कई मुकदमे पहले से दर्ज हैं।गिरफ्तारी करने वाली टीम में प्रभारी निरीक्षक सोनू कुमार, उपनिरीक्षक रामकरन सिंह, हेड कांस्टेबल राममूरत, हेड कांस्टेबल अवधेश कुमार, एएसआई बृजमोहन यादव (आरपीएफ), सीटी रविन्द्र प्रताप यादव (आरपीएफ), हेड कांस्टेबल अमित कुमार सिंह (सीआईबी) तथा कांस्टेबल सुनील कुमार (सीआईबी) शामिल रहे।

द वर्डेंट पब्लिक स्कूल के विद्यार्थियों ने नुक्कड़ नाटक के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पूरनपुर (पीलीभीत)। द वर्डेंट पब्लिक स्कूल के इको क्लब के विद्यार्थियों ने 'वृक्ष लगाओ, जीवन बचाओ' अभियान के अंतर्गत नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत कर लोगों को पेड़ लगाने का संदेश दिया। विद्यार्थियों ने दो दिनों तक विभिन्न स्थानों पर प्रभावशाली प्रस्तुतियों के माध्यम से वन महोत्सव एवं 'एक पेड़ धरती मां के नाम' अभियान में भागीदारी करने के लिए लोगों को प्रेरित किया। अभियान के प्रथम दिन विद्यार्थियों ने सिरसा चौराहा, अग्रसेन चौराहा, ब्लॉक रोड, ग्राम घाटमपुर तथा शेरपुर कलां में नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत कर

नागरिकों को अधिक से अधिक वृक्ष लगाने तथा पर्यावरण को सुरक्षित रखने का संदेश दिया। दूसरे दिन विद्यार्थियों ने ग्राम लाह एवं गहलुइया में ग्रामीणों के बीच पहुँचकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश प्रसारित किया। विद्यार्थियों की प्रस्तुति को ग्रामीणों ने सराहा तथा वृक्षारोपण एवं पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया। प्रबंध निदेशक मोहम्मद असद खान एवं प्रधानाचार्या देवेंद्र कौर ने ग्रीन इको क्लब के विद्यार्थियों के उत्साह की सराहना करते हुए कहा कि पर्यावरण संरक्षण आज समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है और प्रत्येक नागरिक को अधिक से अधिक वृक्ष लगाकर प्रकृति के संरक्षण में अपना योगदान देना चाहिए। कार्यक्रम का सफल आयोजन इको क्लब इंचार्ज फरहा खान एवं ग्रीन हाउस इंचार्ज अनीस खान की निगरानी में संपन्न हुआ । विद्यालय की प्रार्थना सभा में भी शिक्षकों के द्वारा विद्यार्थियों को वन महोत्सव एवं वृक्षों के महत्व पर भी विस्तार से प्रकाश डाला गया।

बीसलपुर में अभियान चलाकर 06 बालकों को बालश्रम से कराया गया मुक्त

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पीलीभीत। जिलाधिकारी के निर्देश पर जिला प्रोबेशन अधिकारी के सहयोग से श्रम प्रवर्तन अधिकारी भूरेलाल के निर्देशन में बीसलपुर में बाल श्रम कराने वाले प्रतिष्ठानों पर चिन्हित कर बालश्रम उन्मूलन हेतु रेस्क्यू अभियान चलाया गया, जिसके अंतर्गत मेडिकल, मैकेनिक शॉप, होटल, रेस्टोरेन्ट, ढाबों, कपड़े की दुकानों, किराना स्टोर, स्टील वर्क्स आदि पर कार्यवाही करते हुए 06 बाल श्रमिकों को बाल श्रम से अवमुक्त कराकर सभी बालकों को वर्चुअल रूप से

बाल कल्याण समिति पीलीभीत के समक्ष प्रस्तुत किया गया. बाल कल्याण समिति द्वारा सभी बच्चों के परिजनों को भविष्य में बाल श्रम ने कराने की हिदायत देते हुए सभी बच्चों को उनके परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया। श्रम प्रवर्तन अधिकारी बीसलपुर भूरे लाल ने बताया कि बाल श्रम (निषेध और विनियमन) संशोधन अधिनियम, 2016 अंतर्गत खतरनाक प्रक्रिया में दोषी पाए जाने वाले सेवायोजकों के विरूद्ध एक वर्ष तक की सजा या 50000 रूपए तक का जुर्माना या दोनों से दण्डित किया जा सकता है। संयुक्त अभियान में श्रम प्रवर्तन प्रवर्तन अधिकारी भूरेलाल, चाइल्ड हेल्पलाइन परियोजना समन्वयक निर्वान सिंह, थाना एचटी का0 अमित, म0का0 संध्या गहलोत एवं थाना बीसलपुर के उपनिरीक्षक, बाल कल्याण अधिकारी राम कुमार सक्रिय रूप से कार्यवाही में सम्मिलित रहे।

नानू फौजी समाजोत्थान समिति के कार्यालय में हुआ श्रद्धांजलि एवं जागरूकता कार्यक्रम

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पीलीभीत। नानू फौजी समाजोत्थान समिति के कार्यालय में श्रद्धांजलि एवं जागरूकता कार्यक्रम आयोजित हुआ। यहां कारगिल के वीरों को नमन किया गया। आयोजिकों द्वारा 18000 से अधिक तिरंगे भेंट करने का भी दावा किया गया। पीलीभीत स्थित आवास विकास कॉलोनी स्थित नानू फौजी समाजोत्थान समिति के कार्यालय में कारगिल विजय दिवस की 27वीं वर्षगांठ पर श्रद्धांजलि एवं जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में कारगिल युद्ध के वीर सैनिकों को याद करते हुए उनके शौर्य और बलिदान को नमन किया गया।

इस अवसर पर समिति की ओर से राष्ट्रीय ध्वज भेंट कर देशभक्ति का संदेश भी दिया गया। समिति के संस्थापक छोटे समाजसेवी नानू फौजी ने कहा कि वर्ष 1999 में कारगिल में भारतीय सेना ने अदम्य साहस का परिचय देते हुए दुश्मनों को मुंहतोड़ जवाब दिया और तिरंगे की आन, बान और शान को कायम रखा। उन्होंने कहा कि देश की सुरक्षा के लिए युवाओं का सेना में जाना आवश्यक है। उन्होंने बताया कि समिति वर्ष 2015 से निशुल्क सैन्य भर्ती जागरूकता एवं शारीरिक दक्षता प्रशिक्षण अभियान चला रही है। इसके माध्यम से अब तक करीब 150 युवाओं का भारतीय सेना में चयन हो चुका है। कार्यक्रम में युवाओं से अधिक संख्या में सेना में भर्ती होकर अग्निवीर के रूप में देश सेवा करने का आह्वान किया गया। साथ ही जल्द ही जिलाधिकारी से मिलकर स्कूलों और गांवों में जागरूकता अभियान चलाने की बात कही गई।कारगिल विजय दिवस के अवसर पर नानू फौजी ने क्षेत्राधिकारी यातायात आकृति पटेल को राष्ट्रीय ध्वज भेंट कर शुभकामनाएं दीं। इसके अलावा यातायात पुलिस के जवानों को भी तिरंगे उपहार स्वरूप प्रदान किए गए। समिति का दावा है कि वह अब तक 18 हजार से अधिक राष्ट्रीय ध्वज लोगों को भेंट कर चुकी है। अभियान का उद्देश्य प्रत्येक नागरिक के मन में तिरंगे और देश के जवानों के प्रति सम्मान की भावना मजबूत करना है।

बंधक एवं विवादित भूमि के नामांतरण पर उठे गंभीर सवाल

जिलाधिकारी, मुख्यमंत्री पोर्टल और ग्रामीण विकास मंत्रालय से उच्चस्तरीय जांच की मांग

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पूरनपुर (पीलीभीत)। बंधक एवं विवादित भूमि के नामांतरण को लेकर एक गंभीर मामला सामने आया है। प्रकरण में जिलाधिकारी पीलीभीत को विस्तृत प्रार्थना-पत्र सौंपकर निष्पक्ष एवं उच्चस्तरीय जांच की मांग की गई है। साथ ही मामले की शिकायत मुख्यमंत्री जनसुनवाई पोर्टल तथा ग्रामीण विकास मंत्रालय, भारत सरकार को भी भेजी गई है, जिसमें संबंधित प्रकरण की जांच कर दोषी पाए जाने वाले अधिकारियों के विरुद्ध विधिसम्मत कार्रवाई की मांग की गई है। जनपद पीलीभीत के थाना सेहरामऊ उत्तरी अंतर्गत आने वाले गांव जगतपुर निवासी स्वामी विवेकानंद अर्जुन सिंह इंटर कॉलेज प्रबंधक पंकज कुमार सिंह द्वारा की गई शिकायत के अनुसार भूमि विवाद से जुड़ा मामला जोकि लंबे समय से राजस्व न्यायालय में विचाराधीन रहा, संबंधित भूमि विभिन्न बैंकों के पक्ष में विधिवत बंधक (मॉर्गेज) होने, स्वामित्व संबंधी विवाद मौजूद रहने तथा महत्वपूर्ण आपत्तियां एवं अभिलेख प्रस्तुत किए जाने के बावजूद नायब तहसीलदार (उत्तरी), तहसील पूरनपुर, जनपद पीलीभीत, मंडल बरेली द्वारा दिनांक 19 मई 2026 को नामांतरण संबंधी आदेश पारित कर दिया गया। शिकायतकर्ता का कहना है कि मामले की अंतिम बहस पूरी होने और आदेश सुरक्षित किए जाने के बाद वाद की पत्रावली एक अन्य न्यायालय को स्थानांतरित कर दी गई। आरोप है कि फाइल स्थानांतरण के उपरांत संबंधित पक्षों को पुनः समुचित सुनवाई का अवसर नहीं दिया गया, न ही नए सिरे से नोटिस अथवा समन जारी किए गए। इसके अतिरिक्त, खतौनी में दर्ज अन्य वैधानिक उत्तराधिकारियों एवं भूमि के बंधक होने जैसे महत्वपूर्ण तथ्यों पर भी अपेक्षित विचार नहीं किया गया। प्रार्थना-पत्र में यह भी उल्लेख किया गया है कि संबंधित भूमि संस्था के उपयोग एवं सार्वजनिक उद्देश्य से क्रय की गई थी तथा विभिन्न बैंकों के पक्ष में बंधक होने के कारण उसके संबंध में किसी भी प्रकार की राजस्व कार्यवाही अत्यंत सावधानी एवं विधि के अनुरूप की जानी आवश्यक थी। इसके बावजूद नामांतरण आदेश पारित किए जाने से पूरे प्रकरण की निष्पक्षता पर प्रश्नचिह्न खड़े हो गए हैं। शिकायत में यह भी कहा गया है कि नामांतरण की कार्यवाही केवल राजस्व अभिलेखों के संधारण के लिए होती है और इससे किसी व्यक्ति के स्वामित्व (टाइटल) का अंतिम निर्धारण नहीं किया जा सकता। ऐसे मामलों में स्वामित्व का निर्णय सक्षम सिविल न्यायालय के अधिकार क्षेत्र का विषय होता है। इसके बावजूद कथित रूप से नामांतरण आदेश में स्वामित्व संबंधी निष्कर्ष दर्ज किए जाने पर गंभीर आपत्ति जताई गई है। शिकायतकर्ता ने यह भी आरोप लगाया है कि प्रकरण से जुड़े महत्वपूर्ण दस्तावेजों, प्रस्तुत आपत्तियों एवं उपलब्ध साक्ष्यों का समुचित परीक्षण नहीं किया गया। इसी कारण पूरे मामले की किसी वरिष्ठ एवं निष्पक्ष राजस्व अधिकारी से उच्चस्तरीय जांच कराए जाने की मांग की गई है। प्रार्थना-पत्र में जिलाधिकारी से मांग की गई है कि जांच पूरी होने तक संबंधित नामांतरण आदेश के आधार पर किसी भी प्रकार की अग्रिम राजस्व कार्यवाही, अभिलेखीय परिवर्तन अथवा तृतीय पक्ष के हित सृजित किए जाने पर तत्काल रोक लगाई जाए।

साथ ही मामले की शिकायत मुयमंत्री जनसुनवाई पोर्टल तथा ग्रामीण विकास मंत्रालय, भारत सरकार को भी भेजी गई है, जिसमें संबंधित प्रकरण की जांच कर दोषी पाए जाने वाले अधिकारियों के विरुद्ध विधिसमत कार्रवाई की मांग की गई है।

चंदा चोरी के विरोध में युवा कांग्रेस व एनएसयूआई का प्रदर्शन

जिलाधिकारी के माध्यम से राज्यपाल को सौंपा ज्ञापन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रयागराज। सोमवार को युवा कांग्रेस प्रयागराज एवं एनएसयूआई प्रयागराज के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने कथित चंदा चोरी के मामले को लेकर जिलाधिकारी कार्यालय का घेराव किया। प्रदर्शन के बाद प्रतिनिधिमंडल ने जिलाधिकारी के माध्यम से राज्यपाल को संबोधित ज्ञापन सौंपकर मामले की निष्पक्ष जांच और आवश्यक कार्रवाई की मांग की।प्रदर्शन का नेतृत्व युवा कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय सचिव जितेंद्र तिवारी ने किया। इस दौरान युवा कांग्रेस प्रयागराज के जिलाध्यक्ष सौरभ पाण्डेय तथा एनएसयूआई प्रयागराज के जिलाध्यक्ष आयुष मिश्रा भी मौजूद रहे।ज्ञापन सौंपने के दौरान दिनेश सिंह यादव, शिवम पांडे, राहुल तिवारी, अजय, कन्हैया, सुधाकर, जीशान, नदीम सहित बड़ी संख्या में युवा कांग्रेस और एनएसयूआई के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। प्रदर्शनकारियों ने ज्ञापन के माध्यम से मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई किए जाने की मांग की।

अमेरिका में सफल दौरे के बाद आईएनएस सुदर्शिनी पुर्तगाल के लिए रवाना

रक्षा मंत्रालय ने बताया कि आईएनएस सुदर्शिनी वैश्विक मंच पर भारत की समुद्री शति, पेशेवर दक्षता और सद्भावना का संदेश देते हुए अपनी यात्रा जारी रखेगा। अमेरिका प्रवास के दौरान पोत ने प्रतिष्ठित 'सेल-250' समारोह और 'इंटरनेशनल नेवल रिव्यू-250' में भारत का प्रतिनिधित्व किया। इस दौरान भारतीय नौसेना ने देश की समृद्ध समुद्री विरासत का प्रदर्शन किया तथा विभिन्न देशों की नौसेनाओं के साथ पेशेवर एवं सांस्कृतिक आदान-प्रदान के जरिए आपसी सहयोग को मजबूत किया। आईएनएस सुदर्शिनी ने अमेरिका के नॉरफॉक, बाल्टीमोर, न्यूयॉर्क और बोस्टन में आयोजित कार्यक्रमों में भाग लिया।

नई दिल्ली। भारतीय नौसेना का नौकायन प्रशिक्षण पोत आईएनएस सुदर्शिनी अमेरिका की स्वतंत्रता की 250वीं वर्षगांठ के अवसर पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय समारोहों में सफल भागीदारी के बाद अब अपने अगले पड़ाव पुर्तगाल के लिए रवाना हो गया है। रक्षा मंत्रालय के अनुसार, पोत 25 जुलाई को अमेरिका के बोस्टन से 'लोकायन-26' अभियान के तहत पुर्तगाल के अजोरेस द्वीपसमूह स्थित पोंटा डेलगाडा के लिए रवाना हुआ। रक्षा मंत्रालय ने बताया कि आईएनएस सुदर्शिनी वैश्विक मंच पर भारत की समुद्री शक्ति, पेशेवर दक्षता और सद्भावना का संदेश देते हुए अपनी यात्रा जारी रखेगा। अमेरिका प्रवास के दौरान पोत ने प्रतिष्ठित 'सेल-250' समारोह और 'इंटरनेशनल नेवल रिव्यू-250' में भारत का प्रतिनिधित्व किया। इस दौरान भारतीय नौसेना ने देश की समृद्ध समुद्री विरासत का प्रदर्शन किया तथा विभिन्न देशों की नौसेनाओं के साथ पेशेवर एवं सांस्कृतिक आदान-प्रदान के जरिए आपसी सहयोग को मजबूत किया। आईएनएस सुदर्शिनी ने अमेरिका के नॉरफॉक, बाल्टीमोर, न्यूयॉर्क और बोस्टन में आयोजित कार्यक्रमों में भाग लिया। इस दौरान विभिन्न देशों के गणमान्य व्यक्तियों, अंतरराष्ट्रीय नौसैनिक प्रतिनिधिमंडलों और भारतीय प्रवासी समुदाय के सदस्यों की मेजबानी भी की गई। रक्षा मंत्रालय के अनुसार, इन गतिविधियों ने समुद्री सहयोग और अंतरराष्ट्रीय मित्रता के प्रति भारत की प्रतिबद्धता को और मजबूत किया है। कमांडर रविकांत नंदूरी के नेतृत्व में पोत ने 'सेल-250 मैरीलैंड' तथा 'एयरशो बाल्टीमोर' में भी भाग लिया, जहां दुनिया के कई पारंपरिक नौकायन पोत, सैन्य जहाज और हवाई प्रदर्शन एक साथ आयोजित किए गए। आईएनएस सुदर्शिनी तीन मस्तूल वाला बार्क श्रेणी का नौकायन पोत है। इसकी लंबाई 54 मीटर है और इसमें 20 पाल, लगभग 7.5 किलोमीटर लंबी रस्सियां तथा 1.5 किलोमीटर लंबी तार वाली रस्सियां लगी हैं। पाल और इंजन दोनों की सहायता से संचालित होने वाला यह पोत एक बार में 20 दिन तक लगातार समुद्र में रह सकता है। पोत पर पांच अधिकारी, 31 नौसैनिक और 30 प्रशिक्षणरत कैडेट तैनात रहते हैं। गौरतलब है कि आईएनएस सुदर्शिनी ने 20 जनवरी को कोच्चि से 'लोकायन-26' अंतरमहासागरीय अभियान की शुरुआत की थी। इस अभियान का उद्देश्य वैश्विक समुद्री संपर्क को बढ़ावा देना, अंतरराष्ट्रीय सद्भावना को मजबूत करना तथा विश्व मंच पर भारत की समृद्ध समुद्री परंपराओं और नौसैनिक क्षमता का प्रभावी प्रदर्शन करना है।

शहरी जलभराव रोकने को 1,284 करोड़ की 24 परियोजनाओं को मिली मंजूरी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। प्रदेश के शहरी क्षेत्रों में जलभराव की समस्या के स्थायी समाधान की दिशा में उत्तर प्रदेश सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। मुख्य सचिव एस.पी. गोयल की अध्यक्षता में सोमवार को आयोजित अर्बन फ्लड (शहरी बाढ़)/जलप्लावन नियंत्रण एवं स्टार्म वाटर ड्रेनेज योजना की राज्य स्तरीय शीर्ष समिति (एसएलएएसी) की बैठक में 1,284.01 करोड़ रुपये की लागत वाली 24 परियोजनाओं को वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए संस्तुति प्रदान की गई। बैठक में प्रदेश के 16 नगर निगमों में शहरी बाढ़ और जलभराव की समस्या के समाधान के लिए प्रस्तावित महत्वपूर्ण एवं प्राथमिकता वाली स्टार्म वाटर ड्रेनेज परियोजनाओं पर विस्तृत चर्चा की गई। समिति ने तकनीकी एवं वित्तीय पहलुओं का परीक्षण करने के बाद 24 परियोजनाओं को मंजूरी के लिए संस्तुत किया। मुख्य सचिव ने कहा कि इन परियोजनाओं के क्रियान्वयन से शहरों में वर्षा के दौरान जलभराव की समस्या में उल्लेखनीय कमी आएगी। साथ ही बेहतर जल निकासी व्यवस्था विकसित होने से नागरिकों को राहत मिलेगी, यातायात बाधित नहीं होगा और शहरी आर्थिक गतिविधियों को भी गति मिलेगी। बैठक में अधिकारियों ने बताया कि नगर विकास विभाग द्वारा अर्बन फ्लड/ जलप्लावन नियंत्रण एवं स्टार्म वाटर ड्रेनेज योजना का उद्देश्य शहरी क्षेत्रों में जल निकासी की स्थायी, सुनियोजित, एकीकृत और समन्वित व्यवस्था विकसित करना है। इस योजना के माध्यम से आधुनिक ड्रेनेज नेटवर्क तैयार कर जलभराव की समस्या का दीर्घकालिक समाधान किया जा रहा है। सरकार का मानना है कि तेजी से बढ़ते शहरीकरण और बदलते मौसम के कारण महानगरों एवं बड़े शहरों में जलभराव की चुनौती बढ़ी है। ऐसे में इन परियोजनाओं के पूरा होने से न केवल नागरिक सुविधाओं में सुधार होगा, बल्कि शहरी विकास को भी नई गति मिलेगी। बैठक में प्रमुख सचिव नगर विकास पी. गुरुप्रसाद सहित नगर विकास विभाग और संबंधित एजेंसियों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। समिति ने सभी परियोजनाओं के समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण क्रियान्वयन पर विशेष जोर देते हुए नियमित निगरानी सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए।

दीवार से टकराकर नीलगाय की मौत मामलें में वन विभाग ने शुरू की जांच

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

घटना की सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और शव को कजे में लेकर जांच शुरू कर दी। ग्रामीणों के अनुसार नीलगाय अचानक गांव में आ गई थी। उसे सुरक्षित तरीके से गांव से बाहर निकालने का प्रयास किया जा रहा था। इसी दौरान घबराकर तेज रतार में भाग रही नीलगाय एक पकी दीवार से टकरा गई। टकर इतनी जोरदार थी कि वह गंभीर रूप से घायल हो गई और कुछ ही देर में उसकी मौत हो गई। मौके पर मौजूद लोगों ने इसकी सूचना वन विभाग को दी।वन विभाग की टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और आसपास के लोगों से घटना की जानकारी जुटाई।

पूरनपुर (पीलीभीत)। नीलगाय की दीवार से टकराकर मौत हो गई थी। इस घटना को लेकर हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची वन विभाग की टीम ने नीलगाय के शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी। थाना सेहरामऊ क्षेत्र के ग्राम बबरौआ में एक नीलगाय की मौत से ग्रामीणों में हलचल मच गई। घटना की सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी। ग्रामीणों के अनुसार नीलगाय अचानक गांव में आ गई थी। उसे सुरक्षित तरीके से गांव से बाहर निकालने का प्रयास किया जा रहा था। इसी दौरान घबराकर तेज रफ्तार में भाग रही नीलगाय एक पक्की दीवार से टकरा गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि वह गंभीर रूप से घायल हो गई और कुछ ही देर में उसकी मौत हो गई। मौके पर मौजूद लोगों ने इसकी सूचना वन विभाग को दी।वन विभाग की टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और आसपास के लोगों से घटना की जानकारी जुटाई। नीलगाय के शरीर पर चोट के निशान मिलने के बाद अधिकारियों ने शव को आवश्यक परीक्षण के लिए भेजने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। खुटार रेंजर दिनेश बडोला ने बताया कि प्रारंभिक जांच में नीलगाय की मौत दीवार से टकराने के कारण होना प्रतीत हो रहा है। हालांकि मौत के वास्तविक कारणों की पुष्टि जांच और परीक्षण रिपोर्ट आने के बाद ही की जाएगी। वन विभाग पूरे मामले की गंभीरता से जांच कर रहा है।

शराब की लत का कथित फायदा उठाकर लाखों की जमीन का बैनामा कराने का आरोप

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मलिहाबाद, लखनऊ। मलिहाबाद थाना क्षेत्र में पुश्तैनी कृषि भूमि के कथित फर्जी बैनामे और भुगतान में अनियमितता का गंभीर मामला सामने आया है। ग्राम रामपुर बस्ती निवासी करन पुत्र लल्लू ने थाना मलिहाबाद में प्रार्थना पत्र देकर स्थानीय दलाल एवं प्रधान रामशंकर कश्यप सहित कई लोगों पर सुनियोजित षड्यंत्र के तहत शराब की लत का फायदा उठाकर उसकी कीमती जमीन का बैनामा कराने तथा बैनामे की धनराशि हड़पने का आरोप लगाया है। साथ ही परिवार को जान से मारने की धमकी दिए जाने की भी शिकायत की गई है। पीड़ित के अनुसार, ग्राम रामपुर बस्ती स्थित गाटा संख्या 2/3, कुल रकबा 0.430 हेक्टेयर कृषि भूमि में उसका एक-चौथाई हिस्सा (0.1075 हेक्टेयर) दर्ज है। सड़क किनारे स्थित होने के कारण इस भूमि की बाजार कीमत लगभग ?5 से ?6 लाख बताई जा रही है। आरोप है कि रामशंकर कश्यप ने हरिराम और राजपाल के साथ मिलकर पहले से योजना बनाई और शराब के नशे की हालत का फायदा उठाते हुए 15 जुलाई 2026 को उक्त भूमि का बैनामा सरला पत्नी धर्मेंद्र एवं रेशमा पत्नी राजपाल के नाम मात्र ?2 लाख में करा दिया। शिकायत में कहा गया है कि बैनामे में ?20,000 नकद भुगतान तथा शेष ?1.80 लाख केनरा बैंक, मलिहाबाद शाखा स्थित खाते में भेजे जाने का उल्लेख है, जबकि पीड़ित का दावा है कि उसके खाते में आज तक यह राशि प्राप्त नहीं हुई। इससे पूरे लेन-देन पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। प्रार्थना पत्र में यह भी आरोप लगाया गया है कि बैनामे के गवाहों और खरीदारों के बीच पारिवारिक संबंध हैं। पीड़ित का कहना है कि गवाह हरिराम की बहू सरला तथा दूसरे गवाह राजपाल की पत्नी रेशमा ही भूमि की खरीदार हैं, जिससे पूरा सौदा पहले से तय एक सुनियोजित षड्यंत्र प्रतीत होता है। आरोप है कि बैनामे की धनराशि का दुरुपयोग कर उसे हड़प लिया गया। पीड़ित के बड़े भाई धर्म रावत, राजवीर रावत तथा बहन नैना रावत का भी आरोप है कि शिकायत के बाद रामशंकर कश्यप उन्हें लगातार जान से मारने की धमकी दे रहा है। राजवीर रावत का कहना है कि सड़क किनारे स्थित यह पुश्तैनी जमीन लाखों रुपये मूल्य की थी, लेकिन कथित षड्यंत्र के कारण परिवार अपनी बाप-दादाओं की विरासत से वंचित होने की स्थिति में पहुंच गया। पीड़ित ने पुलिस से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने, बैंक खाते के लेन-देन, बैनामे की प्रक्रिया, भुगतान के साक्ष्य तथा सभी संबंधित व्यक्तियों की भूमिका की जांच करने की मांग की है। साथ ही, आरोप सही पाए जाने पर दोषियों के विरुद्ध धोखाधड़ी, आपराधिक षड्यंत्र एवं अन्य संबंधित धाराओं में कठोर कानूनी कार्रवाई किए जाने की मांग की है। फिलहाल पुलिस को शिकायत प्राप्त हो गई है। मामले में जांच के बाद ही आरोपों की पुष्टि हो सकेगी। पुलिस का पक्ष प्राप्त होने पर उसे भी प्रमुखता से प्रकाशित किया जाएगा।

रोड़ा हादसे के बाद हरकत में आया प्रशासन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ललितपुर। रोड़ा गांव स्थित नेशनल हाईवे-44 पर हाल ही में हुई भीषण सड़क दुर्घटना में एक ही परिवार के तीन युवकों की मौत के बाद जिला प्रशासन ने सड़क सुरक्षा को लेकर सख्त रुख अपनाया है। जिलाधिकारी सत्य प्रकाश की अध्यक्षता में सोमवार को कलेक्ट्रेट सभागार में आकस्मिक सड़क सुरक्षा बैठक आयोजित की गई, जिसमें पुलिस अधीक्षक संजीव कुमार बाजपेई, एनएचएआई, लोक निर्माण विभाग, यातायात पुलिस एवं अन्य संबंधित विभागों के अधिकारियों ने भाग लिया। बैठक में जिलाधिकारी ने रोड़ा कट हादसे सहित जनपद में पिछले कुछ महीनों में हुई सभी बड़ी सड़क दुर्घटनाओं की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को दुर्घटनाओं में कमी लाने के लिए प्रभावी एवं ठोस कदम उठाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सड़क सुरक्षा से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा। डीएम ने पुलिस अधीक्षक को निर्देश दिए कि जनपदभर में विशेष अभियान चलाकर 18 वर्ष से कम आयु के बच्चों द्वारा वाहन चलाने पर उनके अभिभावकों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए। साथ ही मोटरसाइकिल पर तीन सवारी बैठाकर चलने वालों के विरुद्ध भी सघन अभियान चलाकर चालान किए जाएं। बैठक के दौरान यातायात निरीक्षक आलोक तिवारी से जिले के ब्लैक स्पॉट और हाल की दुर्घटनाओं के कारणों की जानकारी ली गई। इसके बाद एनएचएआई के अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि दुर्घटना संभावित स्थलों पर रम्बल स्ट्रिप, स्पीड कंट्रोलर, चेतावनी संकेतक, रिफ्लेक्टर तथा अन्य सड़क सुरक्षा उपकरण शीघ्र लगाए जाएं। जिलाधिकारी ने एनएचएआई के परियोजना निदेशक को निर्देशित किया कि रामनगर रोड, मन्नू पेट्रोल पंप, तेरई फाटक, मसौरा रोड, रोड़ा कट, बिरधा तथा सागर रोड पर एक सप्ताह के भीतर आवश्यक सड़क सुरक्षा व्यवस्थाएं सुनिश्चित कराई जाएं। बैठक में डीएम ने रोड़ा कट पर हुई दुर्घटना को गंभीरता से लेते हुए एनएच-44 के रोड़ा कट तथा अमरपुर मंडी, मेडिकल कॉलेज कट पर अंडरपास निर्माण का प्रस्ताव पारित करने के निर्देश दिए। उन्होंने एनएचएआई के परियोजना निदेशक से कहा कि दोनों प्रस्तावों को प्राथमिकता के आधार पर स्वीकृत कराकर अंडरपास निर्माण की प्रक्रिया शीघ्र शुरू कराई जाए, ताकि भविष्य में इस प्रकार की दुर्घटनाओं को रोका जा सके। बैठक में एडीएम एफ.आर. दिनेश कुमार, डीडीओ अतिरंजन सिंह, एनएचएआई परियोजना निदेशक, लोक निर्माण विभाग अधिशासी अभियंता विजय चंद्रा एवं राजेश गुप्ता, डीआईओएस ओ.पी. सिंह, यातायात प्रभारी आलोक तिवारी, पुलिस सीसी टीम तथा आईरेड प्रभारी एनआईसी नरेंद्र सिंह सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

पूरनपुर के आकिब अली ने नीट परीक्षा में हासिल किये 619 अंक

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पूरनपुर (पीलीभीत)। समाजसेवी जफर अली के भतीजे आकिब अली ने नीट परीक्षा में 619 अंक प्राप्त कर परिवार ही नहीं बल्कि जनपद का नाम रोशन किया है। छात्र की इस उपलब्धि के बाद से ही परिजनों, शुभचिंतकों व तमाम लोगों के द्वारा बधाइयां दिए जाने का सिलसिला जारी है। नगर के मोहल्ला चौक निवासी आरिफ अली के पुत्र एवं समाजसेवी ज़फर अली के भतीजे आकिब अली नगर के सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज के पूर्व छात्र आकिब अली ने राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीत-यूजी 2026) में शानदार सफलता हासिल कर जनपद और परिवार का नाम रोशन किया है। आकिब ने 720 में से 619 अंक प्राप्त कर ऑल इंडिया रैंक (एआईआर) 5201 तथा कैटेगरी रैंक 527 हासिल की है। आकिब अली ने हाईस्कूल और इंटरमीडिएट की शिक्षा सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज पूरनपुर से प्राप्त की। शुरुआती प्रयासों में सफलता नहीं मिलने के बावजूद उन्होंने हार नहीं मानी और फिजिक्स वाला (पीडब्ल्यू) के मार्गदर्शन में निरंतर मेहनत करते हुए वर्ष 2026 की नीट परीक्षा में यह उपलब्धि हासिल की। नीट परीक्षा में सफलता के बाद पीडब्ल्यू संस्था, नोएडा द्वारा आकिब को सम्मानित किया गया। उन्होंने फिजिक्स, केमिस्ट्री और बायोलॉजी में लगभग 98 प्रतिशत अंक प्राप्त किए। आकिब ने अपनी सफलता का श्रेय माता-पिता के सहयोग, शिक्षकों के मार्गदर्शन और अपनी कड़ी मेहनत को दिया। आकिब की इस उपलब्धि पर परिवार, शिक्षकों, मित्रों, समाजसेवियों और नगरवासियों में खुशी का माहौल है। उन्हें लगातार बधाइयाँ और शुभकामनाएँ मिल रही हैं। यह सफलता क्षेत्र के अन्य विद्यार्थियों के लिए भी प्रेरणा का स्रोत बनी है।

नैनी सेंट्रल जेल के सामने स्कूली वैन और कार की टक्कर,कोई घायल नही

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नैनी, प्रयागराज। नैनी सेंट्रल जेल के सामने सोमवार सुबह बच्चों को लेने जा रही एक स्कूली वैन और कार की आमने-सामने टक्कर हो गई। राहत की बात यह रही कि हादसे के समय स्कूली वैन में कोई बच्चा सवार नहीं था, जिससे बड़ा हादसा टल गया।

जानकारी के अनुसार, नैनी एडीए स्थित आरआरबी स्कूल की वैन बच्चों को लेने के लिए खरकौनी की ओर जा रही थी। इसी दौरान सेंट्रल जेल के समीप सामने से आ रही एक कार से उसकी टक्कर हो गई। टक्कर के बाद दोनों वाहनों के चालकों के बीच कहासुनी शुरू हो गई, जो देखते ही देखते विवाद में बदल गई।

घटना की सूचना मिलते ही आसपास के लोग मौके पर जुट गए और दोनों पक्षों को शांत कराकर मामला शांत कराया

आरडी प्रॉपर्टीज का छठा वार्षिक भंडारा, हजारों श्रद्धालुओं ने ग्रहण किया प्रसाद

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गोवर्धन (मथुरा)। गुरु पूर्णिमा मेले के पावन अवसर पर गिरिराज धाम गोवर्धन में श्रद्धा, आस्था और सेवा का अद्भुत संगम देखने को मिल रहा है। लाखों श्रद्धालु देश के विभिन्न राज्यों के साथ-साथ विदेशों से भी गिरिराज महाराज के दर्शन और सप्तकोसीय परिक्रमा के लिए गोवर्धन पहुंच रहे हैं। पूरे परिक्रमा मार्ग पर भक्तों की भारी भीड़ उमड़ रही है और वातावरण 'गिरिराज महाराज की जय ', 'राधे-राधे' तथा भजन-कीर्तन की मधुर ध्वनि से भक्तिमय बना हुआ है। गुरु पूर्णिमा मेले के दौरान श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए अनेक सामाजिक, धार्मिक एवं सेवा संस्थाओं द्वारा भंडारों का आयोजन किया जा रहा है। इन्हीं सेवा कार्यों की श्रृंखला में आर डी प्रॉपर्टीज के तत्वावधान में श्रद्धालुओं के लिए छठे वार्षिक विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। इस भंडारे में हजारों की संख्या में परिक्रमा करने वाले श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया और आयोजकों की सेवा भावना की सराहना की। भंडारे में श्रद्धालुओं के लिए शुद्ध एवं सात्विक भोजन की विशेष व्यवस्था की गई। इसके साथ ही भीषण गर्मी और उमस को देखते हुए ठंडा पेयजल, छाछ, शरबत एवं अन्य आवश्यक सामग्री भी निःशुल्क वितरित की गई। दूर-दराज से आने वाले श्रद्धालुओं ने इस सेवा को अत्यंत सराहनीय बताते हुए आयोजकों को धन्यवाद दिया। कई श्रद्धालुओं ने कहा कि लंबी परिक्रमा के दौरान ऐसे भंडारे उन्हें नई ऊर्जा प्रदान करते हैं और सेवा की यह परंपरा ब्रज की पहचान है। आर डी प्रॉपर्टीज के संस्थापक गुड्डा ठाकुर उर्फ सौदान सिंह ने बताया कि गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर श्रद्धालुओं की सेवा करना उनके लिए सौभाग्य की बात है। उन्होंने कहा कि पिछले छह वर्षों से लगातार यह विशाल भंडारा आयोजित किया जा रहा है और भविष्य में भी यह सेवा कार्य निरंतर जारी रहेगा। उनका कहना था कि ब्रज की सेवा और गिरिराज महाराज के भक्तों की सेवा ही सबसे बड़ा पुण्य है। उन्होंने बताया कि संस्था का उद्देश्य केवल भोजन वितरण करना ही नहीं, बल्कि परिक्रमा करने वाले प्रत्येक श्रद्धालु को सम्मानपूर्वक सेवा प्रदान करना है। इसी भावना के साथ सभी कार्यकर्ता पूरी निष्ठा और समर्पण से दिन-रात सेवा में जुटे हुए हैं। भंडारे में आने वाले प्रत्येक श्रद्धालु का स्वागत प्रेम और आदर के साथ किया गया। इस सेवा कार्य को सफल बनाने में जयवीर चौधरी, नीतू ठाकुर, अजय कौशिक, ठाकुर मुकेश, हेम सिंह ठाकुर, राजेश ठाकुर, छोटू ठाकुर, माधव शर्मा, बीके ठाकुर, गोविंद ठाकुर सहित समस्त ब्रजवासियों का विशेष सहयोग रहा। सभी कार्यकर्ता भोजन वितरण, पेयजल व्यवस्था, छाछ एवं शरबत वितरण तथा श्रद्धालुओं की अन्य आवश्यकताओं को पूरा करने में पूरे उत्साह के साथ लगे रहे। भंडारे में सुबह से लेकर देर शाम तक श्रद्धालुओं का लगातार आना-जाना लगा रहा। परिक्रमा करने वाले भक्तों ने भोजन प्रसाद ग्रहण करने के बाद आयोजकों को आशीर्वाद दिया और उनकी सेवा भावना की प्रशंसा की। कई श्रद्धालुओं ने कहा कि ब्रज में आने पर उन्हें हर कदम पर सेवा और अपनापन देखने को मिलता है, जो इस भूमि की सबसे बड़ी विशेषता है।

छिवकी जंक्शन पर ट्रेन में यात्री का मोबाइल चोरी, जीआरपी से की शिकायत

नैनी, प्रयागराज। छिवकी रेलवे स्टेशन पर चलती ट्रेन में एक यात्री का मोबाइल चोरी होने का मामला सामने आया है। पीड़ित ने घटना की सूचना जीआरपी पुलिस को देकर कार्रवाई की मांग की है। जानकारी के अनुसार, नवीन कुमार रेड्डी पुत्र नारायण रेड्डी, निवासी आंध्र प्रदेश, काशी (वाराणसी) दर्शन कर ट्रेन से अपने घर लौट रहे थे। इसी दौरान जब ट्रेन नैनी छिवकी जंक्शन पहुंची, तभी अज्ञात चोर ने उनका मोबाइल फोन चोरी कर लिया।

मोबाइल गायब होने का पता चलते ही यात्री ने काफी तलाश की, लेकिन सफलता नहीं मिली। इसके बाद उन्होंने तत्काल जीआरपी पुलिस को सूचना देकर लिखित शिकायत दर्ज कराई।

जीआरपी पुलिस ने शिकायत प्राप्त कर मामले की जांच शुरू कर दी है। रेलवे स्टेशन एवं ट्रेन में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज के आधार पर मोबाइल चोर की तलाश की जा रही है।